@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 1 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 52 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

समस्त देशवासियों एवं प्रिय पाठकों को कौमी पत्रिका समूह की ओर से नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाऐं।
सम्पादक : गुरचरन सिंह बब्बर

बीरेन सिंह की माफी पर कांग्रेस ने पीएम मोदी पर बोला हमला

सिम्मी कौर बब्बर

इंफाल, 31 दिसंबर। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह मंगलवार को राज्य में जातीय संघर्ष के लिए माफी मांगी। उनके माफी मांगने के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साझा। पार्टी नेता जयराम रमेश ने पूछा कि पीएम मोदी पूरे देश और दुनिया की यात्रा करते रहते हैं, लेकिन वहां जाकर माफी क्यों नहीं मांग सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर मणिपुर के लोगों को नजरअंदाज करने और जानबूझ कर मणिपुर का दौरा टालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पीएम मोदी मणिपुर जाकर यह (माफी मांगने की बात) क्यों नहीं कह सकते? उन्होंने चार मई 2023 से जानबूझ कर राज्य का दौरा करने से परहेज किया है। भले ही वह देश और दुनिया भर में यात्रा कर रहे हैं। पीएम मोदी द्वारा नजरअंदाज करना मणिपुर के लोगों को समझ नहीं आ रहा। जयराम रमेश ने यह बयान मणिपुर में जारी जातीय हिंसा को लेकर सीएम बीरेन सिंह के माफी मांगने के बाद दिया। मणिपुर में पिछले साल मई से जातीय हिंसा चल रही है, जिसमें अब

तक 200 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। नवंबर में मणिपुर के जिरीबाम में तीन महिलाओं और उनके तीन बच्चों की हत्या के बाद भी बवाल हुआ। माफी मांगते हुए बीरेन सिंह ने कहा, यह पूरा साल बेहद खराब रहा। मैं राज्य के लोगों से पिछले साल तीन मई से लेकर आज तक जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए माफी मांगता हूं। कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे इसका दुख है। पिछले तीन-चार महीनों में शांति की स्थिति देखकर मुझे उम्मीद है कि 2025 में राज्य में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। बता दें कि मणिपुर में मैतेई समुदाय और कुकी समुदाय के बीच हिंसा पिछले साल तीन मई को उस समय शुरू हुई थी जब मणिपुर उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ आदिवासी छात्रों संघ (ञस्रू) ने एक रैली आयोजित की थी, जिसमें मणिपुरी समुदाय को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल करने पर विचार करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद से राज्य में हिंसा का सिलसिला जारी है, और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए केंद्र सरकार को अर्धसैनिक बलों को तैनात करना पड़ा।

केरल को मिनी पाकिस्तान बताने पर विजयन ने की नितेश राणे की आलोचना

तिरुवनंतपुरम, 31 दिसंबर। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने सोमवार को महाराष्ट्र के भाजपा सांसद नितेश राणे की टिप्पणी की निंदा की। भाजपा सांसद ने केरल को मिनी पाकिस्तान था। विजयन ने नितेश राणे की इस टिप्पणी को भड़काऊ और निंदनीय बताया। केरल के सीएम ने कहा कि उन्होंने राज्य के प्रति संघ परिवार के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला है। विजयन ने संघ परिवार पर घृणा अभियानों को उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संघ परिवार को जिन क्षेत्रों में प्रभाव हासिल करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, वे उन क्षेत्रों को अलग-थलग करने का प्रयास करते हैं। केरल के सीएम पिनरई विजयन ने अपने बयान में कहा, महाराष्ट्र के भाजपा मंत्री नितेश राणे का केरल को मिनी पाकिस्तान बताने वाला बयान भड़काऊ और निंदनीय है। यह केरल के प्रति संघ परिवार के दृष्टिकोण को दर्शाता है। संघ परिवार को ऐसा लगता है कि वे घृणा और विभाजनकारी अभियानों के माध्यम से उन क्षेत्रों को अलग-थलग कर सकते हैं, जहां वे अपना प्रभाव स्थापित करने के लिए संघर्ष करते हैं। राणे का बयान इसी रणनीति का प्रत्यक्ष उदाहरण है। नितेश राणे की टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया न देने पर केरल के सीएम ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने केंद्र सरकार पर संवैधानिक मूल्यों और मंत्री पद की शपथ का उल्लंघन का आरोप लगाया। नितेश राणे पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जो मंत्री ऐसी टिप्पणी करते हैं, वे मंत्री पद संभालने के योग्य नहीं हैं। बता दें कि रविवार को पुणे जिले में एक रैली में भाजपा नेता नितेश राणे ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर निशाना साधते हुए केरल को मिनी पाकिस्तान बताया था।

ममता की कहानी कोई साधारण नहीं, एडीआर की रिपोर्ट: डेरेक ओब्रायन

कौमी संवाददाता

कोलकाता, 31 दिसंबर। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन ने मंगलवार को कहा कि सीएम ममता बनर्जी की कहानी कोई साधारण कहानी नहीं है, एडीआर की रिपोर्ट में उन्हें भारत की सबसे गरीब मुख्यमंत्री बताया गया है। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा नेता ओ ब्रायन ने एक बयान में कहा, ममता बनर्जी का जीवन और समय सिर्फ़ भारतीय या एशियाई मानदंडों के हिसाब से अनुकरणीय नहीं है। कोलकाता की एक गली में अपने साधारण घर से करुणा के साथ पोषित निस्वार्थ सार्वजनिक सेवा का उनका रिकॉर्ड ऐसा है जिसकी बराबरी दुनिया का कोई भी लोक सेवक नहीं कर सकता। उनकी कहानी कोई साधारण कहानी नहीं है। टीएमसी सांसद की यह टिप्पणी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के बाद आई है जिसमें ममता बनर्जी को देश की सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री बताया गया है, जो सिर्फ 15 लाख रुपये से थोड़ी सी ज्यादा है। एडीआर रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, दूसरे नंबर पर अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू हैं, जिनकी संपत्ति 332 करोड़ रुपये से अधिक है, जबकि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं। 55 लाख रुपये की संपत्ति के साथ, जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सूची में दूसरे सबसे गरीब हैं, जबकि केरल के पिनाराई विजयन 1.18 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर हैं। एडीआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य विधानसभाओं और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रत्येक मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपये है। जबकि भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपये थी, एक मुख्यमंत्री की औसत स्व-आय 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है।

एनआईए का नक्सल मामले में झारखंड व छत्तीसगढ़ के कई स्थानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली, 31 दिसंबर। नक्सल मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का बड़ा एक्शन सामने आ रहा है। जहां एनआईए ने शुक्रवार को झारखंड और छत्तीसगढ़ में नक्सली मामलों की जांच के तहत कई स्थानों पर छापेमारी की। एजेंसी की ओर से जारी बयान में बताया गया कि टीमों ने झारखंड के गिरिडीह जिले में संदिग्धों और ओवर-ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के घरों और अन्य जगहों की गहन तलाशी ली, जिसमें कई मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त किए गए। बता दें कि यह मामला प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) के नक्सली कैडर कृष्णा हांसदा की गिरफ्तारी से जुड़ा हुआ है। एनआईए ने बताया कि हांसदा को जनवरी 2023 में डुमरी थाने के लुसियो वन क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था। जानकारी के अनुसार जांच के दौरान, एनआईए ने कई संदिग्धों और ओजीडब्ल्यू के संबंधों का पता लगाया, जो गिरिडीह जिले के पारसनाथ क्षेत्र में सीपीआई (माओवादी) को रसद और इलेक्ट्रॉनिक सामान की आपूर्ति में शामिल थे। एनआईए ने कहा कि आज की तलाशी इसी जांच का हिस्सा थी, और जब्त की गई वस्तुओं की जांच की जा रही है। इसके साथ ही एनआईए की टीमों ने छत्तीसगढ़ के दूरदराज के गांवों में भी तलाशी ली। ये तलाशी पिछले साल राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान मतदान और सुरक्षा दल पर सीपीआई (माओवादी) के हमले से संबंधित थीं।

दलित-आदिवासियों के खिलाफ जातिगत अत्याचारों को दे रहे बढ़ावा

नई दिल्ली, 31 दिसंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग दलितों और आदिवासियों के खिलाफ जातिगत अत्याचारों को बढ़ावा दे रहे हैं। खासकर उन राज्यों में जहां भाजपा की सरकार है, जैसे हरियाणा, मध्य प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि संसद में गृह मंत्री अमित शाह बाबासाहेब आंबेडकर का अपमान करते हैं और वही जातिवादी मानसिकता भाजपा-शासित राज्यों में दोहराई जा रही है। उन्होंने भाजपा की सरकार को संविधान विरोधी बताते हुए कहा कि मोदी शासन के तहत दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ अत्याचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सच है कि मोदी सरकार के संविधान विरोधी शासन के तहत दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यक समुदायों पर अत्याचार हो रहे हैं। जो गरीब और वंचित हैं, वे मनुवाद का शिकार हो रहे हैं। हर घंटे दलित-आदिवासी महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध हो रहे हैं और एनसीआरबी के अनुसार, 2014 के बाद इन घटनाओं में दो गुना वृद्धि हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने हालिया जातिगत अत्याचारों के कुछ उदाहरणों का हवाला दिया, जिनमें मध्य प्रदेश के देवास में पुलिस हिरासत में एक दलित युवक की मौत, ओडिशा के बालासोर में एक आदिवासी महिला को पेड़ से बांधकर पीटने की घटना, हरियाणा के भिवानी में एक दलित छात्रा द्वारा आत्महत्या करने की घटना, महाराष्ट्र के पालघर में एक आदिवासी महिला की मौत और उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में तीन दलित परिवारों को जातिगत हमलों के कारण पलायन करने के मामले शामिल हैं।

पंजाब सरकार ने किसान नेता को अस्पताल भेजने के लिए मांगा और समय

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 31 दिसंबर। पंजाब किसान जगजीत सिंह डल्लेवाल की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल 36 दिन से जारी है। बीमार किसान नेता के उपचार और उनकी सेहत ठीक रखने के लिए उठाए कदमों की आज सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा की जानी थी। मगर, राज्य सरकार ने बताया कि डल्लेवाल को अस्पताल जाने के लिए मनाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वो मान नहीं रहे हैं। साथ ही सरकार ने डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने के शीर्ष अदालत के आदेश का पालन करने के लिए तीन दिन का और समय मांगा। इस पर अदालत ने सुनवाई दो जनवरी तक टाल दी। बता दें, इससे पहले पंजाब सरकार के अधिकारियों की एक टीम 29 दिसंबर को 70 वर्षीय डल्लेवाल के पास गई थी। उन्हें चिकित्सा सहायता लेने के लिए मनाने का प्रयास किया गया, लेकिन डल्लेवाल ने इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और सुधांशु धूलिया की अवकाश पीठ ने मामले को दो जनवरी को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। दरअसल, पंजाब सरकार की ओर से पेश हुए एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह ने अदालत के 20 दिसंबर के आदेश के अनुपालन के लिए तीन दिन का और समय मांगने के लिए एक आवेदन दायर किया था। पंजाब के एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह ने बताया कि

अधिकारियों की एक टीम विरोध स्थल पर प्रदर्शनकारी किसानों से बातचीत कर रही है और डल्लेवाल को खनौरी सीमा के पंजाब की तरफ स्थित पास के अस्थायी अस्पताल में भर्ती कराने की कोशिश की जा रही है। विरोध स्थल पर लगभग 7000 कर्मियों को जुटाकर अनुपालन के प्रयास किए गए। उन्होंने पीठ को प्रदर्शनकारियों के प्रस्ताव के बारे में भी बताया कि अगर केंद्र उनसे बात करने के लिए तैयार होता है तो डल्लेवाल मेडिकल सहायता लेने के लिए तैयार हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं करेंगे कि क्या चल रहा है। अगर कुछ ऐसा होता है जो सभी पक्षों को स्वीकार्य है तो हम भी उतने ही खुश होंगे। अभी हम केवल अपने आदेशों के अनुपालन को लेकर चिंतित हैं। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पंजाब एजी द्वारा प्रस्तुत किए गए सबमिशन पर उनके पास कोई निर्देश नहीं है। पीठ ने अगली सुनवाई की तारीख पर पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी की वर्चुअल उपस्थिति की भी आवश्यकता बताई। वह सुनवाई के दौरान वर्चुअल रूप से उपस्थित थे। इससे पहले 28 दिसंबर को, शीर्ष अदालत ने पंजाब सरकार को डल्लेवाल को अस्पताल नहीं भेजने के लिए कड़ी फटकार लगाई थी। अधिकारियों ने डल्लेवाल से विरोध स्थल से हटने की अपील भी की, लेकिन उन्होंने अनशन खत्म करने से साफ इनकार कर दिया।

अदाणी विल्मर के संयुक्त उद्यम से बाहर निकलेगी अदाणी एंटरप्राइजेज

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। अरबपति गौतम अदाणी के समूह ने एफएमसीजी संयुक्त उद्यम अदाणी विल्मर से बाहर निकलने का एलान किया। समूह ने अपनी पूरी हिस्सेदारी सिंगापुर के साझेदार को खुले बाजार में करीब दो अरब डॉलर में बेच दी है। अमेरिका में रिश्वतखोरी के आरोपों में केस दर्ज होने के बाद समूह ने यह पहला बड़ा सौदा किया है। फॉर्च्यून ब्रांड के कुकिंग ऑयल, गेहूं का आटा और अन्य खाद्य उत्पाद बनाने वाली कंपनी अदाणी विल्मर लिमिटेड में 43.94 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने एक बयान में कहा कि वह विल्मर इंटरनेशनल को कंपनी की 31.06 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगभग 13 प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार में बेची जाएगी। अदाणी एंटरप्राइजेस 12,314 करोड़ रुपये (शेयर की कीमत 305 रुपये प्रति शेयर से अधिक नहीं होगी) में 31.06 प्रतिशत हिस्सेदारी विल्मर को बेचेगी। ओएफएस के माध्यम से शेयर बिक्री के बाद कंपनी को कुल दो अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 17,100 करोड़ रुपये) से अधिक की आय होगी। बयान में कहा गया है, इसके साथ ही एईएल (अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड) अदाणी विल्मर लिमिटेड से पूरी तरह बाहर हो जाएगी। अदाणी

के नामित निदेशक अदाणी विल्मर लिमिटेड के बोर्ड से हट जाएंगे। यह लेनदेन 31 मार्च 2025 से पहले पूरा होने की उम्मीद है। हिस्सेदारी बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग मुख्य अवसंरचना व्यवसायों में एईएल के विकास को गति देने के लिए किया जाएगा। इस लेन-देन के साथ, अदानी ने धमाकेदार वापसी की है, जिससे लिक्विडिटी की धारणा पर लगाम लग गई है। नवंबर में अमेरिकी संघीय अभियोजकों द्वारा संस्थापक अध्यक्ष गौतम अदाणी और उनके सहयोगियों पर अक्षय ऊर्जा आपूर्ति अनुबंध जीतने के लिए 265 मिलियन अमरीकी डालर की रिश्वतखोरी योजना के लिए आरोप-पत्र दाखिल किए जाने के बाद यह पहला बड़ा लेन-देन है। अदाणी समूह ने आरोपों को निराधार बताते हुए इनकार किया है और कहा है कि वह इस मामले में अपने सभी कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करेगा। बयान में कहा गया है, अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अदाणी कमोडिटीज एलएलपी (एईएल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) और लेंस पीटीई लिमिटेड (विल्मर इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) ने 30 दिसंबर, 2024 को एक समझौता किया है, जिसके अनुसार लेंस, कॉल ऑप्शन या पुट ऑप्शन के प्रयोग की तिथि पर अदाणी कमोडिटीज द्वारा रखे गए अदाणी विल्मर लिमिटेड के सभी चुकता इक्विटी शेयरों को एडब्ल्यूएल की मौजूदा चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के अधिकतम 31.06 प्रतिशत का अधिग्रहण करेगा।

त्रिपुरा के नए मुख्य सूचना आयुक्त बने बिनॉय शंकर मिश्रा

अगरतला, 31 दिसंबर। त्रिपुरा के नव निर्वाचित मुख्य सूचना आयुक्त बिनॉय शंकर मिश्रा ने मंगलवार को अगरतला राजभवन में शपथ ली। त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्र सेन रेड्डी नल्लू ने बिनॉय शंकर मिश्रा को राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में शपथ दिलाई। इससे पहले, राज्य सरकार की संयुक्त सचिव देबजानी देब की ओर से जारी एक अधिसूचना में बताया गया था कि राज्यपाल ने उक्त अधिनियम की धारा 15(3) के तहत गठित समिति की सिफारिश पर आईएफएस (सेवानिवृत्त) बिनॉय शंकर मिश्रा को त्रिपुरा सूचना आयोग के तहत राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्त किया है। सूचना के अधिकार (मुख्य सूचना आयुक्त और राज्य सूचना आयुक्तों के कार्यालय, वेतन, भत्ते और अन्य सेवा शर्तों) नियम, 2019 के अध्याय-ढ्ढङ्क के नियम 12 के अनुसार, राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त का कार्यकाल उनके पदभार ग्रहण करने की तारीख से तीन (3) वर्ष होगा या जब तक वे 65 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेते, जो भी पहले हो।

अंतरिक्ष में डॉकिंग करने वाला भारत चौथा देश

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 31 दिसंबर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) को लॉन्च किया। स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि भारत स्वदेशी रूप से विकसित भारतीय डॉकिंग सिस्टम के माध्यम से अंतरिक्ष डॉकिंग हासिल करने वाले चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने वाला चौथा देश बन गया है। उन्होंने एक्स लिखा कि अंतरिक्ष विभाग के साथ ऐसे समय में जुड़ना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। जब टीम इसरो एक के बाद एक वैश्विक चमत्कारों से दुनिया को मंत्रमुग्ध कर रही है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही यह गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अंतरिक्ष नई की यात्रा के रास्ते खोलेगा। स्पैडेक्स मिशन का उद्देश्य अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को डॉक करना है, जो भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीक साबित होगा। स्पैडेक्स के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जनवरी 2025 में एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) पर लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने बताया कि यह मिशन अगले साल के लिए नियोजित कई मिशनों में से एक है। पीएसएलवी-सी60 के सफल प्रक्षेपण के बाद सोमनाथ ने यह घोषणा की, जिसमें स्पैडेक्स और अन्य पेलोड को ले जाया गया है। इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा कि 29 मई, 2023 को जीएसएलवी-एफ12 रॉकेट ने एनवीएस-01 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। उन्होंने बताया कि एनवीएस-01 उपग्रह में एक स्वदेशी परमाणु घड़ी है, जो नैविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन (एनएवीआईसी) की क्षमताओं को बढ़ाती है। इसमें व्यापक सेवा कवरेज के लिए एल1 बैंड सिग्नल शामिल है। उन्होंने कहा कि एनवीएस-02

मिशन इस प्रगति को जारी रखने की उम्मीद है, जो उन्नत सुविधाओं के साथ एनएवीआईसी प्रणाली को और मजबूत करेगा। इस मौके पर इसरो प्रमुख ने चंद्रयान-4 मिशन के बारे में भी जानकारी दी, जिसमें विभिन्न मॉड्यूल शामिल हैं, जिन्हें अलग-अलग समय पर लॉन्च किया जाएगा और दो अलग-अलग मॉड्यूल में एकीकृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन मॉड्यूल को कक्षा में पहुंचने और फिर पृथ्वी की कक्षा और चंद्रमा की कक्षा दोनों में डॉक करने की आवश्यकता है। इस मिशन का उद्देश्य चंद्रमा पर जाना, वहां उतरना और पृथ्वी पर वापस आना और यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करना है। इसरो प्रमुख ने बताया कि चंद्रयान-4 का लक्ष्य चंद्रमा पर उतरना और सफलतापूर्वक वापस आना है। उन्होंने बताया कि अंतिम डॉकिंग प्रक्रिया 7 जनवरी 2025 के आसपास पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा, यह चंद्रयान-4 के लिए परीक्षण स्थल है। डॉकिंग कल शुरू होगी और कई प्रक्रियाएं होंगी, लेकिन अंतिम डॉकिंग संभवत: 7 जनवरी तक होगी। प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुरेंद्रन एन ने कहा कि यह उन प्रयोगों में से एक है जिसे हम कक्षा में स्थापित करने जा रहे हैं। यह भविष्य के असाइनमेंट के लिए उपयोगी होगा। दो जटिल और चुनौतीपूर्ण परियोजनाओ के लिए डॉकिंग तंत्र एक अपरिहार्य आवश्यकता बन रहा है। खासकर मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए। जब आप किसी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ना चाहते हैं, तो मनुष्यों को इस डॉकिंग तंत्र से गुजरना चाहिए। इस तरह यह एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन होगा।

मणिपुर में वसूली के आरोप में दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, 30 दिसंबर। मणिपुर के इंफाल पश्चिम में प्रतिबंधित संगठन पीआरईपीएके के दो उग्रवादियों को जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उधर, सुरक्षा बलों ने मणिपुर के इंफाल पूर्व और कांगपोकपी जिलों में बंदूकधारियों के चार बंकरों को खत्म कर दिया। जबकि तीन पर कब्जा कर लिया। पुलिस ने बताया कि इंफाल पश्चिम से प्रतिबंधित संगठन पीआरईपीएके के दो उग्रवादी पकड़े गए। दोनों उग्रवादी लीशांगथेम नेपोलियन मीतेई (35) और थोकचोम अमुजाओ सिंह (33) हैं। इन्हें सांगईप्रौ ममांग लेइकाई इलाके से पकड़ा गया। दोनों के पास से तीन मोबाइल फोन और 12 डिमांड लेटर जब्त किए गए। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने चूराचांदपुर और तेंगनौपाल जिलों में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद जब्त किया। चूराचांदपुर जिले के मुआलम गांव में एक इंसास राइफल, एक नौ एमएम पिस्तौल और एक सिंगल बैरल राइफल जब्त की गई। वहीं तेंगनौपाल के सैवोम गांव से एक .303 राइफल, एक 12 बोर की सिंगल बैरल बंदूक, सात विस्फोटक, पांच हथगोले और डेटोनेटर जब्त किए गए। मणिपुर के इंफाल पूर्व और कांगपोकपी जिले में बंदूकधारियों के चार बंकरों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद नष्ट कर दिया। जबकि तीन पर कब्जा कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि बीते दिनों थमनापोकपी और सनसाबी गांवों की सीमा से लगे इलाकों में तलाशी अभियान चलाए गए। इस दौरान इन गांवों में हुई गोलीबारी में शामिल सभी हथियारबंद बदमाशों को बाहर निकाल दिया गया। साथ ही घाटी और प्रमुख पहाड़ी इलाकों में चार अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया गया है। जबकि तीन अन्य बंकरों पर सुरक्षा बलों ने कब्जा कर लिया। इसके साथ ही सेना बीएसएफ और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने कांगपोकपी जिले के उयोक चिंग में तलाशी अभियान चलाया। शुक्रवार को थमनापोकपी और सनसाबी गांवों में किए गए हमलों में एक पुलिसकर्मी और एक महिला सहित चार लोग घायल हो गए थे।

जो बाइडन ने यूक्रेन को 2.5 बिलियन डॉलर की अतिरिक्त सुरक्षा सहायता की घोषणा की

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन के लिए 2.5 बिलियन डॉलर की अतिरिक्त सुरक्षा सहायता की घोषणा की है। उन्होंने अपने कार्यकाल के अंतिम हफ्तों में नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने से पहले कीव को सैन्य सहायता बढ़ाने का फैसला किया। जो बाइडेन ने एक बयान में कहा, मेरे निर्देश पर संयुक्त राज्य अमेरिका मेरे कार्यकाल के बाकी बचे दिन में युद्ध में यूक्रेन की स्थिति को मजबूत करने के लिए जरूरी कदम उठाता रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान में 1.25 बिलियन डॉलर की सैन्य सहायता और 1.22 बिलियन डॉलर का यूक्रेन सुरक्षा सहायता पहल (यूएसएआई) पैकेज शामिल है।इससे पहले, ब्रिटिश सरकार ने भी 18 दिसंबर को नौसेना के ड्रोन, वायु रक्षा प्रणाली और तोपखाने सहित नए सहायता पैकेज के साथ यूक्रेन के लिए अपना सैन्य समर्थन बढ़ाया था। बता दें कि यूक्रेन पर रूस के हमले को तीन साल होने को है।

पाकिस्तान के पंजाब में बस पलटने से 10 लोगों की मौत, सात घायल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अटक जिले में बस के पलट जाने से 10 लोगों की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह दुर्घटना जिले के फतेह जंग इलाके के पास मोटरवे पर हुई, जब बस का टायर फटने के कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। अधिकारियों ने बताया कि इस दुर्घटना के शिकार लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बस पूर्वी बहावलपुर जिले से इस्लामाबाद जा रही थी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और बचावकर्मियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को नजदीकी अस्पताल भेजा जिनमें दो यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसके पहले, सोमवार सुबह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के नौशहरो फिरोज जिले में एक यात्री वैन और ट्रेलर की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में इससे पहले 9 दिसंबर की सुबह एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई थी और 15 अन्य घायल हो गए थे। यह घटना प्रांत के शेखपुरा जिले में हुई थी, जहां एक यात्री वैन तेज गति के कारण पलट गई थी, सरकारी रेस्क्यू 1122 ने एक बयान में यह जानकारी दी थी।

यात्रियों से भरा ट्रक नदी में गिरा ,71 लोगों की मौत

अदीस अबाबा । इथियोपिया के सिदामा क्षेत्र में यात्रियों से भरा एक ट्रक नदी में गिर गया। इस हादसे में 71 लोगों की मौत हो गई। क्षेत्रीय पुलिस आयोग ने यह जानकारी दी। दुर्घटना उस समय हुई, जब ट्रक बोना से बेन्सा जा रहा था। इस हादसे में तीन महिलाओं समेत 71 लोगों की मौत हो गई। घायलों का इलाज नजदीकी अस्पतालों में किया जा रहा है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इथियोपिया में प्रति व्यक्ति कारों की संख्या कम होने के बावजूद, खराब सड़कों, लापरवाह ड्राइविंग, गलत तरीके से ड्राइविंग लाइसेंस देने की प्रणाली और सुरक्षा नियमों का सही से पालन न होने के कारण घातक सड़क दुर्घटनाएं अक्सर होती हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इससे पहले 26 सितंबर को दक्षिणी इथियोपिया में एक सड़क दुर्घटना में 28 लोग मारे गए और 19 लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि सितंबर का हादसा तब हुआ, जब वोलैटा सोडो से डावरो जोन जा रही एक बस पलट गई। पुलिस ने कहा कि घायलों का नजदीकी अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है और चेतावनी दी है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। इस साल 13 अप्रैल को इथियोपिया के मध्य क्षेत्र ओरोमिया में एक सड़क दुर्घटना में कम से कम 15 लोग मारे गए थे। सरकार से संबद्ध मीडिया आउटलेट फना के अनुसार, ओरोमिया क्षेत्र में पश्चिम अरसी जोन पुलिस विभाग के अधिकारी केमल अमन ने बताया कि यह सड़क दुर्घटना तब हुई, जब एक बस सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई।

कथित 'असद मिलिशिया' के 300 सदस्य गिरफ्तार

दमिश्क । सीरिया के नए अंतरिम प्रशासन ने असद मिलिशिया के बचे हुए हिस्से पर कार्रवाई करते हुए 300 लोगों को हिरासत में लिया है। यह जानकारी सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने दी। सरकारी समाचार एजेंसी सना ने पुष्टि की कि अंतरिम अधिकारियों ने तटीय प्रांत लताकिया में और गुरुवार को हामा में असद के मिलिशिया के कई संदिग्धों को पकड़ा। सना ने बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किए जाने की भी सूचना दी। समाचार एजेंसी के अनुसार, नए प्रशासन के तहत सुरक्षा बलों ने गुरुवार को दमिश्क, लताकिया, टारटस और होम्स के आसपास पूर्ववर्ती अधिकारियों से जुड़े व्यक्तियों को निशाना बनाकर व्यापक अभियान चलाया। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के प्रमुख रामी अब्दुल रहमान ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों में पूर्व शासन मुखबिर, ईरान समर्थक लड़ाके, हत्याओं और यातनाओं के आरोपी लोअर रैंक सैन्य अधिकारी शामिल हैं।

हेलरी क्लिंटन की भविष्यवाणी सच हुई, आतंक का पनाहगार पाकिस्तान खुद त्रस्त

एजेंसी

इस्लामाबाद। आतंक को पनाह देने के मामले में पाकिस्तान को चेतावनी देने वाली अमेरिका की तत्कालीन विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन की यह भविष्यवाणी सच साबित होती दिख रही है कि जो लोग अपने आंगन में सांप पालते हैं, वह एक दिन उसे ही काट खाता है। पाकिस्तान में आतंकी हमले व हिंसा की घटनाओं और इनमें मरने वालों की संख्या के मामले में मौजूदा साल 2024 बदतरीन साबित हुआ है।पिछले 9 साल के मुकाबले साल 2024 में ऐसी घटनाएं सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गई हैं। ऐसे हमलों में आम नागरिकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में सुरक्षाबल के जवान और सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं। इन घटनाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित खैबरपख्तून (केपी) और दूसरे स्थान पर बलूचिस्तान है।इन आंकड़ों ने पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में उठ रहे बगावत के स्वर और उनके सामने कमजोर पड़ती सुरक्षा व्यवस्था को उजागर किया है। डॉन में प्रकाशित रिपोर्ट में

सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया है कि साल 2024 में पाकिस्तान में 1166 आतंकी हमलों व हमलावरों के खिलाफ अभियान से जुड़े मामलों के दौरान 2546 मौतें हुई और 2267 लोग घायल हुए। इनमें नागरिक, सुरक्षाकर्मी और हमलावर शामिल हैं। देशभर में हुई कुल मौतों में से 94 प्रतिशत और कुल घटनाओं में से 89 प्रतिशत खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुई। साल 2024 में पाकिस्तान में 444 आतंकी हमलों में सुरक्षा बलों के कम-से-कम 685 जवानों की मौत हुई है। हमलों में हुई कुल मौत में सुरक्षा बल जवानों की मौत का आंकड़ा करीब 63 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार 2024 में ऐसी 2546 घटनाएं हुई, जिसमें 2267 घायल हुए। इस साल हुई मौतें पिछले नौ सालों में सबसे ज्यादा रहीं। साल के अन्य महीनों की मुकाबले नवंबर सबसे घातक महीने के रूप में उभर कर सामने आया है, जिसमें औसतन प्रतिदिन लगभग 7 लोगों की जान चली गई। आतंकी और हिंसा की सबसे ज्यादा घटनाएं और उसमें मरने वालों की संख्या के मामले में खैबर पख्तूनख्वा (1,616 मौतें) अव्वल है जबकि बलूचिस्तान (782 मौतें) का स्थान रहा। हिंसा और आतंकी घटनाओं में सबसे ज्यादा मौत खैबर पख्तूनख्वा के अफगानिस्तान की सीमा से लगे जिलों-कुर्रम, उत्तरी वजीरिस्तान, खैबर में दर्ज की गई है। खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान, बन्नू और लक्की मारवत में भी लगातार हिंसा और मौतें हुई। इन जिलों के बाद बलूचिस्तान के क्वेटा, केच, कलात और मुसाखेल जिले आते हैं।

क्रोएशिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रनऑफ 12 जनवरी को

एजेंसी

जाग्रेब। दक्षिण-पूर्व यूरोपीय देश क्रोएशिया में राष्ट्रपति चुनाव में किसी उम्मीदवार को स्पष्ट बहुमत न मिलने के बाद अब 12 जनवरी को रनऑफ के जरिये फैसला होगा। इन चुनावों में किसी भी उम्मीदवार को जीतने के लिए जरूरी 50 प्रतिशत वोट नहीं मिले थे। यह घोषणा क्रोएशिया के चुनाव आयोग ने की। देश में अब तक 99.88 प्रतिशत मतों की गिनती हो चुकी है। मौजूदा राष्ट्रपति जोरान मिलनोविक, जिन्हें सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन प्राप्त है, 49.10 प्रतिशत मतों के साथ पहले स्थान पर हैं, लेकिन वह पहले दौर में जीतने में विफल रहे। उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी, सत्तारूढ़ क्रोएशियाई डेमोक्रेटिक यूनियन के ड्रैगन प्रिमोरैक को 19.35 प्रतिशत मत मिले हैं। क्रोएशियाई चुनाव कानून के अनुसार, यदि कोई भी उम्मीदवार पूर्ण बहुमत नहीं प्राप्त करता, तो शीर्ष दो दावेदार रनऑफ के लिए दो सप्ताह बाद फिर से प्रतिस्पर्धा करते हैं। मिलनोविक ने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, मुझे विश्वास है कि दो सप्ताह में हम जीत का जश्न मनाएंगे। वहीं, प्रिमोरैक ने इसे एक शानदार अवसर बताते हुए कहा, यह एक ऐतिहासिक दिन होगा जब हम दोनों आमने-सामने होंगे। क्रोएशिया में राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच साल का होता है और कोई व्यक्ति लगातार अधिकतम दो बार राष्ट्रपति बन सकता है। हालांकि यह पद मुख्य रूप से औपचारिक होता है, लेकिन निर्वाचित राष्ट्रपति के पास राजनीतिक शक्ति होती है। वह सेना के सर्वोच्च कमांडर के रूप में भी कार्य करता है। मिलनोविक ने यूक्रेन के लिए नाटो और यूरोपीय संघ के समर्थन की आलोचना की है। उनका मानना है कि क्रोएशिया को तटस्थ रहना चाहिए और वह अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में शामिल होने से बचने की वकालत करते हैं। इसके अलावा, उन्होंने यूक्रेन के लिए नाटो की प्रशिक्षण पहल में क्रोएशिया की भागीदारी को भी रोका है।

तालिबानी आतंकी संगठन ने खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तानी सैन्य अड्डे पर किया कब्जा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव लगातार बढ़ रहा है। अब आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले में एक पाकिस्तानी सैन्य अड्डे पर कब्जा कर लिया है। बताया जा रहा है कि टीटीपी के हमले के बाद सैन्य चौकी से पाकिस्तानी सैनिक भाग खड़े हुए।

दरअसल, टीटीपी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए दावा किया है कि उसने 30 दिसंबर को खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले में एक पाकिस्तानी सैन्य अड्डे को अपने कब्जे में ले लिया है। वहीं, पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों ने कहा है कि टीटीपी जिस अड्डे पर कब्जा करने की बात कह रहा है, वह अड्डा पहले से ही खाली कर दिया गया था।

वहां के सैनिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है।बता दें कि पाकिस्तान की सीमा पर तालिबान के आतंकी संगठन का यह हमला पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक का जवाब माना जा रहा है। बीते दिनों पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान में टीटीपी के ठिकानों पर हवाई हमला किया था जिसमें कई लोग मारे गए थे। इसी घटना के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था।

नेपाली पर्वतारोही पूर्णिमा श्रेष्ठ 2024 के लिए विश्व के सफल एथलीटों की सूची में शामिल

एजेंसी

काठमांडू। प्रसिद्ध वैश्विक मीडिया आउटलेट सीएनएन ने 2024 के लिए सफल एथलीटों की अपनी सूची में नेपाली पर्वतारोही पूर्णिमा श्रेष्ठ को शामिल किया है। अमेरिका में जारी सूची में उन एथलीटों को शामिल किया गया है जिन्होंने 2024 में दुनिया भर में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। सीएनएन ने श्रेष्ठ की दो सप्ताह के भीतर तीन बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने की रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धि का वर्णन किया है। केवल 13 दिनों में उन्होंने इस उपलब्धि को पूरा किया। फोटो जर्नलिस्ट रही पूर्णिमा श्रेष्ठ ने इस उपलब्धि के साथ इतिहास बनाया। पूर्णिमा ने इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया है। अपनी उपलब्धि के बारे में उन्होंने बताया

मेरा शरीर थक गया था। कभी-कभी यहां तक महसूस किया कि अपने लक्ष्य को छोड़ कर वापस लौट जाया जाए। वित्तीय चुनौतियों के बावजूद, प्रतिबद्धता को श्रेय दिया है।2021 में, श्रेष्ठ दुनिया की सातवीं सबसे ऊंची चोटी धौलागिरी पर्वत पर चढ़ने वाली पहली नेपाली महिला बनीं। श्रेष्ठ ने अपनी सफलता के लिए अपने सपने के प्रति अपनी अटूट सीएनएन द्वारा मान्यता प्राप्त होने पर गर्व व्यक्त करते हुए, श्रेष्ठ ने सोशल मीडिया पर अपने विचार साझा करते हुए 2024 को अपने जीवन में एक ऐतिहासिक वर्ष बताया।

उन्होंने लिखा है कि यह साल 2024 मेरे जीवन में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बन गया। मैं एक ही चढ़ाई के मौसम में तीन बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली दुनिया की पहली और एकमात्र महिला बनने में सफल रही। मैं अपने परिवार, दोस्तों और उन सभी को हार्दिक धन्यवाद देती हूं जिन्होंने इस यात्रा पर मेरा समर्थन और प्रोत्साहित किया। मई 2025 हम सभी के लिए नई ऊंचाइयों और इससे भी अधिक साहसी प्रयास ला सकता है।

यमन से दागी गई मिसाइल, इजराइल ने सीमा क्षेत्र में घुसने से पहले मार गिराने का दावा किया

एजेंसी

तेल अवीव। गाजा पट्टी में सैन्य मुहिम चला रहे इजराइल के खिलाफ हमास और हिज्बुल्लाह जैसे आतंकी संगठनों के बाद ईरान समर्थित हूती भी इस फेहरिस्त में शामिल हो गया है। यमन से इजराइल में लंबी दूरी की बैलिस्टक मिसाइल दागी गई जिसका मलबा मध्य इजराइल में गिरा।इस मिसाइल को इजराइल के हवाई क्षेत्र में घुसने से पहले ही रोक लिया गया।

दि टाइम्स ऑफ इजराइल ने इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के हवाले से बताया है कि सोमवार देर रात यमन से इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई जिसे इजराइली हवाई क्षेत्र में घुसने से पहले ही रोक लिया गया। रात 11 बजे के बाद प्रोटोकॉल के तहत देश में आपातकालीन साइरन बजाया गया। मिसाइल के मलबे गिरने से किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है। सेना ने दावा किया है कि दो सप्ताह

के भी कम समय में यह सातवां रात्रिकालीन हमला है। गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई के खिलाफ हूती ने इजराइल पर हमले की बात कही है। उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर 2023 को हमास आतंकियों ने बर्बर हमला किया था जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए और 250 से अधिक बंधक बना लिए गए। जिसके बाद 8 अक्टूबर 2023 से इजरायल ने हमास के खिलाफ गाजा पट्टी में ऑपरेशन आयरन स्वॉर्डस शुरू कर दिया। इजराइल के सैन्य अभियान में 45 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। इस दौरान इजराइल हमास आतंकियों के साथ-साथ हिज्बुल्लाह के खिलाफ भी लेबनान सहित अन्य देशों में कार्रवाई कर रहा है।

नेपाल में चीनी भाषा के प्रचार के लिए दोनों देशों के विश्वविद्यालय के बीच समझौता

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की उपस्थिति में लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय (एलबीयू) और चीन के बीजिंग भाषा और संस्कृति विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग संबंधी एक समझौते पर हस्ताक्षर हुआ है। जब से नेपाल ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर किया है तब से नेपाल सरकार इस पर तेजी से अमल कर रही है। बीआरआई में शामिल विषयों को नेपाल में लागू करने के लिए चीनी अधिकारियों का लगातार दौरा किया जा रहा है। एलबीयू के कुलपति प्रोफेसर डॉ. सुवर्ण लाल ब्रजाचार्य और बीएलसीयू के अध्यक्ष दौन पेंग ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम के बीच एक समझौता ज्ञापन आदान-प्रदान किया। समझौता ज्ञापन में कहा गया है कि दोनों विश्वविद्यालय सांस्कृतिक आदान-प्रदान, भाषा शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में सहयोग करेंगे। इसी तरह, बीजिंग में एक नेपाली भाषा संस्थान और

लुम्बिनी में चीनी भाषा संस्थान की स्थापना की जाएगी।प्रधानमंत्री ओली की 2-5 दिसंबर तक चीन की आधिकारिक यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच चीनी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। आज उसी सहमति के तहत दोनों विश्वविद्यालय के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री और एलबीयू के चांसलर ओली ने दोनों देशों के बीच शैक्षणिक और शैक्षिक संबंधों और सहयोग के विस्तार पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि नेपाल और चीन के संबंध को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक कारगर कदम शामिल होने वाला है।

मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भारतीय उच्चायोग जाकर डॉ. मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. सिंह का 26 दिसंबर को 92 वर्ष की आयु में नई दिल्ली में निधन हुआ। प्रोफेसर यूनुस ने ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग का दौरा किया और दिवंगत प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने उच्चायोग में शोक पुस्तिका में एक शोक संदेश भी लिखा।

भारतीय उच्चायुक्त प्रणय कुमार वर्मा ने सुबह 11:30 बजे बारीधारा स्थित उच्चायोग में मुख्य सलाहकार की मेजबानी की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रोफेसर यूनुस ने उच्चायुक्त से संक्षिप्त बातचीत की और अपने पुराने मित्र मनमोहन सिंह के साथ अपनी यादें साझा कीं। उन्होंने दिवंगत भारतीय प्रधानमंत्री के

साथ अपनी दोस्ती को याद करते हुए कहा, वह कितने सरल थे! कितने बुद्धिमान थे! उन्होंने यह भी कहा कि सिंह ने भारत को वैश्विक आर्थिक दिग्गज बनाने में बड़ी भूमिका निभाई।इससे पहले शुक्रवार को अपने संदेश में मुख्य सलाहकार ने डॉ. सिंह को अत्यंत विनम्र व्यक्ति, दूरदर्शी नेता और एक राजनेता बताया, जो भारत के लोगों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते थे। मुख्य सलाहकार ने कहा कि दिवंगत प्रधानमंत्री को भारत के आर्थिक परिवर्तन में उनके योगदान के लिए याद किया जाएगा। प्रोफेसर यूनुस ने कहा कि डॉ. सिंह के नेतृत्व ने न केवल भारत के भविष्य को आकार दिया, बल्कि बांग्लादेश और भारत के बीच मैत्री और पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग के बंधन को मजबूत करने में भी योगदान दिया। क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में डॉ. मनमोहन सिंह की भूमिका का उल्लेख करते हुए मुख्य सलाहकार ने दिवंगत नेता के नजरिए और क्षेत्रीय शांति, समृद्धि , दक्षिण एशियाई सहयोग को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका पर भी प्रकाश डाला। प्रोफेसर यूनुस ने दक्षिण एशियाई देशों से डॉ सिंह के विचारों की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

तालिबान का ताजा फरमान, महिलाओं के बाहर झांकने पर भी पाबंदी, घरों में नहीं होंगी खिड़कियां

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने महिलाओं के खिलाफ ताजा फरमान जारी किया है। तालिबान के सर्वोच्च नेता ने शनिवार को आदेश जारी कर घरेलू इमारतों में उन जगहों पर खिड़कियां बनाने पर पाबंदी लगा दी है, जहां से महिलाओं के नजर आने की संभावना है। इस फरमान के पीछे अश्लीलता रोकने का तर्क दिया गया है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने शनिवार को जारी बयान में कहा है कि इमारतों में ऐसी खिड़कियां नहीं होनी चाहिए जिनसे आंगन, रसोई, पड़ोसी का कुआं और आमतौर पर महिलाओं द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली अन्य जगहों को देखा जा सके। महिलाओं को रसोई, आंगन या कुओं से पानी भरते हुए देखना अश्लीलता को जन्म दे सकता है। अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वो नई बन रही इमारतों पर भी नजर रखें। अगर किसी इमारत में ऐसी खिड़कियां पहले से मौजूद हैं तो

मकान मलिकों को इन खिड़कियों के सामने ईंटों की दीवार बनाने के लिए कहा जाएगा। महिलाओं के ताजा आदेश से पहले भी तालिबान सरकार कई ऐसे आदेश जारी कर चुकी है जिसमें देश में महिलाओं के लिए जीवन यापन काफी मुश्किलों भरा साबित हुआ है।15 अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से लड़कियों और महिलाओं की प्राथमिक सहित किसी भी प्रकार की शिक्षा और किसी भी प्रकार के खेल में उनके हिस्सा लेने पर पाबंदी लगा दी गई। इसके साथ ही महिलाओं के रोजगार को प्रतिबंधित कर दिया गया।इसी महीने तालिबान ने अफगानिस्तान में महिलाओं की नर्सिंग की ट्रेनिंग पर पाबंदी लगा दी। पार्कों या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के घूमने-फिरने की आजादी नहीं है। तालिबान सरकार के इन आदेशों की संयुक्त राष्ट्र समेत कई पश्चिमी देश निंदा करते रहे हैं।

लापता 22 वर्षीय भारतीय छात्रा का शव नदी में मिला

एजेंसी

लंदन। लापता 22 वर्षीय भारतीय छात्रा का शव स्कॉटलैंड की एक नदी में मिला है। वह इस महीने की शुरुआत से लापता थी। मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है हालांकि औपचारिक पहचान अभी नहीं हुई है। पुलिस स्कॉटलैंड ने जानकारी दी कि उन्हें एडिनबर्ग के करीब गांव न्यूब्रिज के पास नदी में एक शव के बारे में सूचना मिली थी।

पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का 9 जनवरी को होगा अंतिम संस्कार

एजेंसी

वाशिंगटन । पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का अंतिम संस्कार 9 जनवरी को वाशिंगटन डी.सी. में होगा। उसी दिन राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा राष्ट्रीय शोक दिवस भी घोषित किया जाएगा।बाइडेन पूर्व राष्ट्रपति के लिए एक श्रद्धांजलि भाषण दे सकते हैं। कार्टर के सम्मान में 9 जनवरी को संघीय कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार दोपहर को घोषणा की कि शोक दिवस के मौके पर 9 जनवरी को कोर्ट भी बंद रहेगा।कार्टर का रविवार (स्थानीय समय) को 100 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था।कार्टर को सम्मानित करने वाली सेवाएं 4 जनवरी से शुरू होंगी। इसमें जॉर्जिया में उनके बचपन के घर और पारिवारिक फार्म पर पार्थिव देह ले जाई जाएगी। फिर जॉर्जिया स्टेट कैपिटल में रखा जाएगा।वाशिंगटन, डी.सी. के लिए जाने से पहले, कार्टर का शव 7 जनवरी तक अटलांटा के कार्टर प्रेसिडेंशियल सेंटर में रखा जाएगा। इसके बाद, उनके पार्थिव शरीर यूएस नेवी मेमोरियल और फिर यूएस कैपिटल ले जाया जाएगा। कैपिटल पहुंचने पर 7 जनवरी को कांग्रेस के सदस्य दिवंगत राष्ट्रपति को दोपहर की सभा में श्रद्धांजलि देंगे। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई 9 जनवरी को सुबह 10 बजे नेशनल कैथेड्रल में दी जाएगी। एक पत्र में दोनों दलों के कांग्रेसी नेताओं ने कार्टर के बेटे जेम्स कार्टर III और कार्टर सेंटर को सूचित किया कि दिवंगत राष्ट्रपति के पार्थिव देह को 7-9 जनवरी तक कैपिटल में राज्य में रखा जाएगा। सांसदों ने एक संयुक्त बयान में कहा,

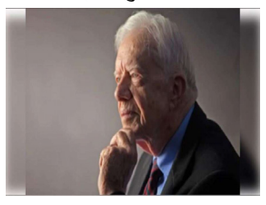

राष्ट्र के प्रति राष्ट्रपति कार्टर की लंबी और विशिष्ट सेवा को सम्मानित करते हुए हमारा इरादा है कि उनके अवशेषों को संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि सभा और सीनेट से मंजूरी लेकर संयुक्त राज्य कैपिटल के रोटुंडा में रखा जाए। उन्होंने कहा, आपकी मंजूरी से हम इन व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाएंगे ताकि अमेरिकी जनता को भी राष्ट्रपति कार्टर को अंतिम विदाई देने का मौका मिल सके। ट्रुथ सोशल पर अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कार्टर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा, राष्ट्रपति के रूप में जिमी कार्टर ने जिन चुनौतियों का सामना किया, वह हमारे देश के लिए एक अहम समय था और उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश की। उन्होंने हमेशा सभी अमेरिकियों के लिए काम किया। ट्रंप ने कहा, इसलिए हम सभी उनके आभारी हैं। कार्टर को 2002 में उनके वैश्विक मानवाधिकार कार्यों के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए उनके दशकों तक किए गए कठिन प्रयास भी शामिल थे। कार्टर ने 1982 में अपनी पत्नी के साथ कार्टर सेंटर की स्थापना की और इसके जरिए उन्होंने विकासशील देशों में मानवाधिकारों की बहाली और लोकतांत्रिक संस्थानों के निर्माण पर दशकों तक काम किया।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

वितुल कुमार केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कार्यकारी महानिदेशक नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुलिस सेवा के 1993 बैच के अधिकारी वितुल कुमार को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का कार्यकारी महानिदेशक नियुक्त किया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार वह बल के मौजूदा महानिदेशक अनिश दयाल का स्थान लेंगे जो सेवानिवृत्त हो रहे हैं। श्री कुमार का कार्यकाल नये महानिदेशक की नियुक्ति या अगले आदेश तक रहेगा।

राहुल गांधी की वियतनाम यात्रा पर भाजपा हमलावर, कांग्रेस ने इसे बताया भटकाव की राजनीति

नई दिल्ली। कांग्रेस-भाजपा के बीच चल रहे वाकयुद्ध के बीच एक और राजनीतिक विवाद उभरकर सामने आया, जब भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वियतनाम की यात्रा की आलोचना की। भाजपा के आरोप पर कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कहा कि यह डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार की व्यवस्था पर केंद्र सरकार के कुप्रबंधन से ध्यान हटाने का प्रयास है। दरअसल, इस विवाद की शुरुआत उस समय हुई, जब भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट कर इस मामले को उठाया। अमित मालवीय ने कहा, जब देश प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, राहुल गांधी नए साल का जश्न मनाने के लिए वियतनाम चले गए। अमित मालवीय ने ऑपरेशन ब्लू स्टार का संदर्भ देते हुए आगे आरोप लगाया कि गांधी परिवार और कांग्रेस का सिखों के प्रति शत्रुता का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा, यह कभी न भूलें कि इंदिरा गांधी ने दरबार साहिब को अपवित्र किया था भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी ने एलओपी का मतलब लीडर ऑफ पर्यटन और लीडर आफ पार्टी बना रखा है। आज जब पूरा देश पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर राष्ट्रीय शोक मनाया जा रहा है। ऐसे समय में मीडिया के माध्यम से पता चला है कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी देश में रहकर शोक प्रकट करने की बजाय पर्यटन और पार्टी करने के लिए निकल चुके हैं।

न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष का पद संभाला

नयी दिल्ली । उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यन ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष और न्यायमूर्ति (डॉ.) विद्युत रंजन सारंगी ने सदस्य के रूप में कार्यभार संभाल लिया।आयोग के प्रवक्ता के अनुसार न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यन ने इस अवसर पर मानवाधिकारों को महत्व देने और उनका पालन करने की देश की प्राचीन परंपरा पर प्रकाश डाला। तमिल कवि तिरुवल्लुवर का हवाला देते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मानवाधिकार भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने में गहराई से समाए हुए हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोगात्मक प्रयास की आवश्यकता है।

पुजारियों और ग्रंथियों को वेतन देने की घोषणा केजरीवाल का एक और चुनावी स्टंट: विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने केजरीवाल द्वारा मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को चुनाव बाद 18 हजार रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा को चुनावी स्टंट करार दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव सामने देख आज अचानक से केजरीवाल का पुजारियों और ग्रंथियों के प्रति प्रेम उमड़ आया है। नेता प्रतिपक्ष ने एक बयान में केजरीवाल से सवाल किया कि इमामों को वेतन देकर उन्हें अपने सिर आंखों पर बैठाने वाले केजरीवाल ने पिछले दस साल तक इन पुजारियों की सुध क्यों नहीं ली? यह कदम उनकी तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति का जीता-जागता उदाहरण है। गुप्ता ने कहा कि यह वही अरविंद केजरीवाल हैं, जिन्होंने राम मंदिर निर्माण का विरोध किया और सनातन धर्म व हिंदू संस्कृति का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अब, मंदिरों के पुजारियों के प्रति सहानुभूति दिखाने का प्रयास मात्र दिखावा है, जो जनता के बीच उनकी गिरी हुई छवि को सुधारने का एक प्रयास है।

नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में एचआईएमएस लागू न करने पर आआपा की आलोचना की

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों में केंद्र सरकार के एनआईसी के फ्री सॉफ्टवेयर 'हेल्थ इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम' (एचआईएमएस) को लागू न किये जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। इसका क्रियान्वयन नहीं किये जाने के मुद्दे पर केजरीवाल से इस संबंध में 10 सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने 2016 में घोषणा की थी दिल्ली के अस्पतालों में इस एप्लिकेशन का प्रयोग किया जायेगा ताकि अस्पतालों में आने वाले सभी मरीजों का डाटा डिजिटली सुरक्षित रखा जा सके और मरीजों को भी सुविधा मिल सके, लेकिन ये किया ही नहीं गया।

इसरो जनवरी में 100वें प्रक्षेपण मिशन के साथ इतिहास रचने के लिए पूरी तरह तैयार-सोमनाथ

एजेंसी

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग के हिस्से के रूप में पीएसएलवी-सी-60/स्पैडेक्स अंतरिक्षयानों के एक मील के पत्थर मिशन के साथ नए साल की शुरुआत करने के बाद जो भविष्य के अंतर-ग्रहीय मिशनों और पहले मानव अंतरिक्ष यान गगनयान के लिए महत्वपूर्ण था , जनवरी के मध्य में 100वें प्रक्षेपण मिशन के साथ प्रक्षेपणों की शताब्दी के लिए तैयार होकर एक और इतिहास रचने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने मिशन कंट्रोल सेंटर से वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए सफल स्पैडेक्स मिशन और पीएसएलवी चौथे चरण के वाहन पीओईएम-4 के हिस्से के रूप में 24 वैज्ञानिक प्रयोगों

के लिए टीम इसरो को बधाई देते हुए कहा, 'हमारा अगला मिशन जनवरी के मध्य में जीएसएलवी है जो नए साल 2025 का पहला प्रक्षेपण होगा। उन्होंने कहा कि 2025 में 'हमारे पास कई मिशन होंगे और सबसे पहले हम जीएसएलवी द्वारा एनवीएस-02 (नाविक समूह का एक उपग्रह) का प्रक्षेपण करेंगे।' उन्होंने कहा, 'जब तक हम आपको जीएसएलवी मिशन के बारे में अपडेट नहीं देते, मैं आप सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं देता हूं।'

उन्होंने कहा कि कल रात का पीएसएलवी-सी60/स्पैडेक्स मिशन इसरो का 99वां मिशन था और जनवरी के मध्य में जीएसएलवी मिशन 100वां प्रक्षेपण होगा जो प्रक्षेपणों की एक शताब्दी को चिह्नित करेगा।श्री सोमनाथ ने स्पैडेक्स मिशन पर कहा कि अंतरिक्ष डॉकिंग अनुसंधान अंतरिक्ष में निर्माण, मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन, उपग्रहों के रखरखाव और सेवा में मदद करेगा।

उन्होंने कहा 'यह मुख्य रूप से एक अनुसंधान और विकास डॉकिंग है। यह अंतरिक्ष स्टेशनों को विकसित करने में हमारी मदद करेगा।' उन्होंने पीएसएलवी-सी60 मिशन के प्रक्षेपण में दो मिनट की देरी पर जो 2158 बजे निर्धारित प्रक्षेपण के बजाय 2200 बजे 15 सेकंड पर प्रथम प्रक्षेपण पैड से उड़ान भरी, कहा 'यह सुनिश्चित करने के लिए था कि हमारे उपग्रह अन्य उपग्रहों (जो एक ही कक्षा में हैं) के बहुत करीब न आएं। यह कहते हुए कि डॉकिंग एक नियंत्रित तकनीक है श्री सोमनाथ ने कहा 'हमें इस उपलब्धि पर गर्व है...एक बहुत ही महत्वपूर्ण अनुसंधान।' उन्होंने कहा 'यह पहला स्पैडेक्स मिशन है और निकट भविष्य में कई और होंगे।'

मोदी ने ज़िमी कार्टर के निधन पर शोक व्यक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के पूर्व-राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा , अमेरिका के पूर्व-राष्ट्रपति श्री जिमी कार्टर के निधन से बहुत दुःख हुआ। वे एक महान दूरदर्शी राजनेता थे, जिन्होंने वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए अथक प्रयास किया। भारत-अमेरिका के बीच संबंधों को मजबूत बनाने में उनके योगदान ने एक स्थायी विरासत छोड़ी है।

उनके परिवार, मित्रों और अमेरिका के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। गौरतलब है कि अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति रहे जिमी कार्टर का रविवार को 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह 1977 से 1981 तक अमेरिका के राष्ट्रपति रहे थे।

नौसेना प्रमुख ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने नौसेना प्रमुख से मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए बताया, ÷नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने आज उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की।

महाकुंभ में प्रत्येक आगंतुक की होगी गणना

एजेंसी

नई दिल्ली। महाकुंभ 2025 में प्रत्येक आगंतुक की गणना होगी और इसके लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी - फेस आईडेंटीफिकेश, रिस्ट बैंड और मोबाइल ऐप का प्रयोग किया जाएगा।

उत्तरप्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना और आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री नीतिन अग्रवाल ने प्रयागराज में अगले महीने से शुरु होने वाले महाकुंभ 2025 की तैयारियों पर कहा कि मेला परिसर में सुरक्षा के लिए तगडे प्रबंध किये गये हैं। महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था को सात स्तरीय बनाया गया गया है। इसके लिए पहला स्तर प्रयागराज जिले की सीमा से सटे सात जिलों में होगा। इनमें से एक जिला मध्यप्रदेश का है। श्री खन्ना ने बताया कि महाकुंभ 2025 13 जनवरी से आरंभ होगा और 25 फरवरी को संपन्न होगा। इस दौरान लगभग 45 करोड़ लोगों के आने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गणना होगी। इसके लिए पहली बार विधि एट्रिब्यूट आधारित हैं। इसके अंतर्गत 'पर्सन

एट्रिब्यूट सर्च कैमरों' के आधार पर ट्रेकिंग की जाएगी। दूसरी विधि आरएफआईडी रिस्ट बैंड है। इसके अंतर्गत तीर्थयात्रियों की 'रिस्ट बैंड' प्रदान किये जाएगें। इससे तीर्थ यात्री की आने और जाने का समय दर्ज होगा। तीसरी विधि मोबाइल ऐप की है जिसमें इसके आधार पर तीर्थ यात्रियों की 'लोकेशन ट्रेस' की जाएगी।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व व्यवस्था होगी। प्रयागराज के आस पास के जिलों में जांच चौकियां स्थापित की जा रही है। प्रयागराज जिले में जांच अभियान चलाया जाएगा। मेला के सीमा पर जांच होगी। मेले में प्रत्येक क्षेत्र और परिसर में भी जांच की जाएगी। श्री खन्ना ने कहा कि मेले में स्वास्थ्य सेवा की उत्तम प्रबंध किया गया और सेना के चिकित्सक भी अपना सेवा देंगे। मेले में कई अस्पताल बनायें गये हैं तथा इनमें 291 ऐलोपैथिक चिकित्सक और विशेषज्ञ, 90 आयुर्वेद एवं यूनानी विशेषज्ञ अङ्गैर 192 स्टाफ नर्स की नियुक्ति की गयी है। मेले में डेढ लाख से अधिक शौचालय बनायें गये हैं और 10 हजार से अधिक सफाई कर्मचारी तैनात किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मेले में लगभग 10 हजार संस्थाओं को स्थान आवंटित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह मेला पूरी तरह से डिजिटल होगा और लोगों को 11 भाषाओं में सूचनायें उपलब्ध करायीं जाएगीं।

हार से आशंकित केजरीवाल रो रहे हैं, फर्जी वोट का रोना: भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने फर्जी वोट बनवाने के मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुये कहा कि उनकी जमीन खिसक गयी है, इसलिये हार से आशंकित होकर वह फर्जी वोट का रोना रो रहे हैं। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और पूर्व सांसद प्रवेश साहिब सिंह ने यहां संवाददाताओं को संबोधित किया। इस दौरान श्री सचदेवा ने कहा कि श्री केजरीवाल ऐसे धोखेबाज है, जिन्हें उन लोगों के साथ भी धोखा करने में शर्म नहीं आता, जिन्होंने उन्हें 12 सालों तक सत्ता में बैठाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज विधानसभा चुनाव जीतने के लिये श्री केजरीवाल ने दिल्ली का बेड़ा गर्क कर दिया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में एक ऐसा पता है, जिसमें मकान संख्या 'जीरो' है और उस पर 144 वोट बने हुये हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा हर बार उन लोगों के बारे में बात कर रही है, जो ए.एस.डी. यानी जो दिल्ली के निवासी नहीं हैं, दिल्ली के मतदाता थे, लेकिन किसी दूसरी जगह चले गये हैं और ऐसे

मतदाता जिनकी मृत्यु हो चुकी है, उन्हें मतदाता सूची से हटाया जाना चाहिये, लेकिन खेदपूर्ण है कि श्री केजरीवाल इन फर्जी वोटों को बचाने में लगे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले चार दिनों में 1,83,323 नये वोट के लिये आवेदन दिये गये हैं। नरेला में 4503, बुराड़ी में 7027, बादली में 4575, रिठाला में 4197, मुंडका में 4501, किराड़ी में 6255 और नांगलोई जाट में 6523, बदरपुर में 6647, ओखला में 4601, गोकलपुर में 5171, मुस्तफाबाद में 5502 और करावल नगर में 7087 आवेदन दिये गये हैं। इस दौरान श्री वर्मा ने कहा कि खुद को दिल्ली का मालिक कहने श्री वाले केजरीवाल की हमने बौखलाहट भी देखी और हार के डर से अब वह झूठ भी बोलने लगे हैं। उन्होंने बताया कि 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के समय दिल्ली में कुल 1,46,000 मतदाता थे, जो इस समय 1,06,000 रह गये हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से 22000 नये मतदाता जुड़े हैं, यानी पिछले पांच सालों में 61, 000 मतदाता कम हुये हैं। इस तरह से हर महीने 1000 मतदाता कम हो रहे हैं, जिसके लिये श्री केजरीवाल ने कभी संवाददाता सम्मेलन को संबोधित नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के समर्थक मतदाताओं को लक्षित करके श्री केजरीवाल की टीम वोट कटवाने का काम कर रही है। नयी दिल्ली विधानसभा में तीन मंडल हैं और इसमें सरोजनी नगर मंडल भाजपा हमेशा से जीतती आ रही है, जहां सबसे ज्यादा वोट से काटे गये हैं।

संजय सिंह के खिलाफ उनकी पत्नी के वोट को लेकर जांच करे चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने चुनाव आयोग से राज्यसभा सांसद एवं आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह के खिलाफ जांच करने की मांग की है।

श्री यादव ने कहा कि चुनाव आयोग जांच करे कि कैसे श्री सिंह की पत्नी अनीता सिंह खुद को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर की वोटर सिद्ध करती है, जबकि श्री सिंह संवाददाता सम्मेलन करके उनका नाम दिल्ली की मतदाता सूची से कटवाने का आरोप लगा रहे हैं। नयी दिल्ली क्षेत्र में उन्होंने वोट डालकर बाहर निकलने के बाद का फोटो भी रिलीज किया है। उन्होंने कहा कि श्री सिंह के चुनावी हलफनामे में उनकी पत्नी ने खुद को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर को वोटर बताया है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 31 के तहत यह दंडनीय अपराध हैं उन्होंने कहा कि तथाकथित ईमानदार श्री केजरीवाल के सिपाही कहलाने वाले श्री सिंह अपनी स्थिति स्पष्ट करें कि अगर उनकी पत्नी ने दिल्ली का वोटर होते हुए वोट किया है, तो फिर श्रीमती सिंह ने शपथ पत्र में

सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश का वोटर होने की बात क्यों लिखी? जो गैर कानूनी है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और अन्य एजेंसियों को दोषियों को दंडित करने के लिए सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा और आप के नेता पूर्वाचंल और रोहिंग्या शरणार्थियों के वोट कटवाने और जोड़वाने की बात करके दिल्ली वालों का ध्यान दिल्ली के रुके हुए विकास और मौजूदा परेशानियों से ध्यान भ्रमित करने की नौटंकी कर रही है श्री यादव ने कहा कि आप और भाजपा को लोगों का ध्यान भटकाने की बजाय युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गो, दिव्यांगों, दलितों, वंचितों और आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण और विकास की बात करनी चाहिए। कांग्रेस दिल्ली और दिल्ली वालों के हितों और अधिकारों की बात करके विधानसभा चुनाव लड़ रही है।

खंडेवाल ने लगाया चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं चांदनी चौक सीट से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने दिल्ली सरकार पर उनके संसदीय क्षेत्र उपेक्षा करने का आरोप लगाया है और इसको लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ आरोप पत्र जारी किया है। श्री खंडेलवाल ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुये कहा कि ऐतिहासिक शहजहानाबाद क्षेत्र (पुरानी दिल्ली के साथ ही दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा बसाई कॉलोनियों का नया क्षेत्र आता है) दिल्ली या देश ही नहीं, बल्कि एशिया के सबसे बड़े सभ्यता और अर्थतंत्र का क्षेत्र हैं, लेकिन दिल्ली सरकार का बड़ा राजस्व वाला क्षेत्र होने के बाद भी चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्र बदहाल हैं। संवाददाता में दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर, प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष राजकुमार भाटिया, कोषाध्यक्ष सतीश गर्ग, सह कार्यालय मंत्री अमित गुप्ता, चांदनी चौक के जिलाध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह सहित कई अन्य नेता मौजूद थे। उन्होंने कहा कि कॉलोनियों में बहते सीवर, गंदा पेयजल, टूटी सड़कें, लटकते बिजली और इंटरनेट के तार, बाजारों में शौचालयों की कमी क्षेत्र की पहचान बन गये हैं। उन्होंने कहा कि चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र का एक बड़ा भाग ऐतिहासिक शहजहानाबाद के नाम से जाना जाता है, जिसमें तीन विधानसभा क्षेत्र आते हैं। ये विधानसभा क्षेत्र हैं मटिया महल, बल्लीमारन और चांदनी चौक हैं। इन तीन विधानसभाओं में लोकतंत्र के प्रतीक लाल किला के साथ ही सभी

धर्मों के प्राचीनतम पूजा स्थल हैं और इंसान के उपयोग में आने वाली हर वस्तु की थोक मंडी है, फिर भी ये तीनों विधानसभा क्षेत्र बदहाल हैं। उन्होंने कहा कि मटिया महल, बल्लीमारन और चांदनी चौक तीनों से आम आदमी पार्टी के विधायक हैं और तीनों गंदी राजनीति के तहत एक समुदाय विशेष बहुल क्षेत्रों पर ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा कि मटिया महल में बढ़ते अवैध बूचड़खानों और पानी की कमी से लोग हताश हैं। उन्होंने कहा कि बल्लीमारन विधानसभा में कागज, कपड़े, लोहे, कार्ड, जूते, चश्मे, खाध पदार्थो, चमड़ा पदार्थो का थोक बाजार है, लेकिन इसके बावजूद इस क्षेत्र का हाल बेहाल है। यहां भी विधायक हैदरकुली और पंजाबी मोहल्ला और ईदगाह तथा बस्ती जुलहन आदि इलाकों में आप विधायक धर्म के आधार पर भेदभाव करते हैं। पूरा हिन्दू खासकर दलित बहुल क्षेत्र समस्याओं से सरोबर है। उन्होंने कहा कि खारी बावली, फतेहपुरी, पुरानी दिल्ली सटेशन, नया बाजार सब टूटी सड़कों के आलावा पिंक टॉयलेट के अभाव से बेहद त्रस्त हैं। पेयजल पूरे क्षेत्र की बड़ी समस्या है और विधायक हों या पार्षद सब केवल जामा मस्जिद, तिलक बाजार, नवाब गंज, कशमीरी गेट के मुस्लिम बहुल क्षेत्र पर मेहरबान रहते हैं। मजनू का टीला, सराय फूस की तो छोड़िये सिविल लाइन जिसे कभी पाश माना जाता था, आज ओवरफ्लो सीवर, कूड़ा एवं अन्य गंदगी से सब बदहाल हैं।उन्होंने कहा कि चंद्रावल से आजादपुर तक सब बुरा हाल है, कमला नगर (जो बड़ा खुदरा बाजार है) का हर नागरिक समस्या को झेल रहा है।

NAME CHANGE
I, Yatin S/o Baldev Raj Sachdeva R/o 1511, Street No-6, Arjun Nagar, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To Yatin Sachdeva For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, Chandan S/O Shyam Babu R/O House No-2043, 22 Feet Road Near Shivaji Public School, Parvatia Colony, Faridabad Sector-22, Haryana-121005 Have Changed my name to Chandan Verma for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as SUSHMITA SHAW W/O SUKUMAR DEY R/O C-32 B, 2nd Floor, Freedom Fighter Enclave, Neb Sarai South Delhi-110068, have changed my name and shall hereafter be known as SUSHMITA DEY.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD MOBEEN S/O SAEED AHMAD residing at HOUSE NO-483, KOTLA , MERRUT , UTTAR PRADESH-250002 have changed my name to MOBIN AHMAD for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as Rehman S/O S M ALI R/O A-136, NEAR RWA DILSHAD COLONY ,Jhilmil ,East Delhi, Delhi-110095, have changed my name and shall hereafter be known as Rehman Ali .

NAME CHANGE
I MD ASIM S/O MUBARAK ALI R/O 326 MAIN MARKET OKHLA JAMIA MILLIA ISLAMIA JAMIA NAGAR OKHLA SOUTH EAST DELHI 110025 HAVE CHANGED MY NAME To MOHD ASIM

NAME CHANGE
I, Ritika Sharma D/o Shri Ramesh Behal, Address:- V-24 Ground Floor, Green Park (Main), New Delhi - 110016 have changed my name to Ritika Behal for all future purposes

NAME CHANGE
I, PARVEEN KUMAR HANS S/O DAULAT RAM HANS R/O 371, KOHAT ENCLAVE, PITAMPURA, NORTH WEST DELHI, DELHI-110034 HAVE CHANGED MY NAME TO PARVEEN HANS FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Mohammad Saquib Ahmad S/O Sayeed Bin Ahmed R/O House No B-567, 2nd floor, Block B, Jahangirpuri, North West Delhi - 110033 Have Changed my name to Shakeb Ahmed for all future purposes.

NAME CHANGE
I, VENKATA LAXMI is legally spouse of No. 15495610P Rank- HAV Name-BATCHIGARI VENKATESWARLU, R/o 12/24 A, SANGA STREET CUMBUM, PO-CUMBUM, DIST-PRAKASAM (ANDHRA PRADESH)-52333 have changed my name from VENKATA LAXMI to LAKSHMI BATCHIGARI for all future purposes. Vide affidavit dated 28/12/2024 Before Notary New Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-303741F Rank-SUB Name-ANEES AHMAD S/o MUMTAZ AHMAD residing at VILL-SAMUND PUR, PO-SAGARI, PS-JEAN PUR, DIST-AZAMGARH, UTTAR PRADESH-276138 have changed my daughter's name from BUSHRA KHATTON to BUSHRA KHATOON for all future purposes vide Affidavit dated 31/12/2024 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I hitherto known as Saroj Bajaj alias Kiran Batra W/O Bhim Sain R/O 387, bagh kare khan kishan ganj Azad park VTC: Kishan ganj, PO Malka Ganj, District: North Delhi, State: Delhi- 110007, have changed my name and shall hereafter be known as Kiran Batra.

NAME CHANGE
I, No. 14834846L, Rank-SEP/MT, Name-ZALA SANJAYKUMAR ISHVARBHAI Father of VISHVAJEET Presently residing at VILLAGE-PATHAVAT BARMUDA, POST-JARAVAT, TEHSIL-MAHEMDVAD, DISTT-KHEDA, GUJARAT-387130 have changed my minor son's name from VISHVAJEET to ZALA VISHVJIT SANJAYKUMAR for all future purposes vide Affidavit dated 31/12/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SANIYA PARVEEN D/O MOHD TALIB R/O F-217, SHAHEEN BAGH ABUL FAZAL PART-2, NEW FRIENDS COLONY, SO DIST SOUTH DELHI, DELHI-110025 declare that name of my father has been wrongly written as TALIB ALI in my 10th class educational documents. The actual name of my father is MOHD TALIB which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, TRIDEV BAISHANAB S/o NITAI CH BAISHANAB, R/o PLOT NO-28 3RD FLOOR FRONT SIDE LHS, OM VIHAR EXTN, PHASE-5, UTTAM NAGAR, PO: D.K MOHAN GARDEN, DIST: WEST DELHI, 110059 have changed my name from TRIDEV ROY to TRIDEV BAISHANAB for all future purpose. That TRIDEV ROY and TRIDEV BAISHANAB are the names of the one and same person i.e. myself.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Ranjeet Kumar S/O, Madan Lal, R/O Kh. No-18/8, Gali No-15a, Chandan Vihar, Near Nehru Market, West Sant Nagar, BURARI, PO:Burari, DIST:North Delhi, Delhi, 110084 declare that name of mine has been wrongly written as Ranjeet kumar Sarser in my caste certificate no SC/02/31/ 3297/18/1/2007/ 18860.The actual name of mine is Ranjeet kumar, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NOOR SHABA BANO Wife of JC-303741F Rank-SUB Name-ANEES AHMAD residing at VILL-SAMUND PUR, PO-SAGARI, PS-JEAN PUR, DIST-AZAMGARH, UTTAR PRADESH-276138, have changed my name from NOOR SHABA BANO to NOOR SABA for all future purposes vide Affidavit dated 31/12/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, M KARUPPAYEE is Mother of No. 15724187P Rank-L/NK Name-PALANIMUTHU, Unit- DBA SC R/o VILL-KAND KOSRI, PO- DHARER, TEH-BAIJNATH, DIST-KANGRA (HP)-176125 have changed my name from M KARUPPAYEE to KARUPPAYI MUNIYASAMY for all future purposes. Vide affidavit dated 28/12/2024 Before Notary New Delhi.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given by **Mr. Vijender Kumar who is the owner of** Property Bearing No.3197-A/234, Portion of Old Plot Bearing No.22, area measuring 74 sq.yards, Situated at Chander Nagar (Ram Nagar), Tri Nagar, Delhi-110035 by the virtue of Relinquishment Deed dated 28.11.2024 registered as Doc No. 2024/15/O/17659 and also taking financial assistance from **Godrej Finance Limited.** If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048
Contact #011-49774545

NAME CHANGE
I, Surender Pal S/o Om Prakash R/o House No-279, Block-E, Dharm Colony, Palam Vihar EXTN., Gurgaon, Haryana-122017 Have Changed My Minor Son Name Ishan To Ishan Sirohi For All Future Purpose.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलगण श्री बाबू खान व उनकी पत्नी श्रीमति शमीना बेगम, निवासिगण म. न. A-547, संगम विहार, नजदीक तिगड़ी एक्स., नई दिल्ली-110080, ने बड़े अपने पुत्र अबरार अहमद, उम्र 45 वर्ष को उसके गलत क्रिया कलाप व बर्ताव की वजह से उससे अपने सभी तरह के रिश्ते-नाते समाप्त कर लिए है व उसे अपनी सभी प्रकार की चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिए है । यदि भविष्य मे कोई भी व्यक्ति मेरे मुवक्किलगण के उपरोक्त पुत्र अबरार अहमद से किसी भी प्रकार का कोई भी लेनदेन या कार्य करता है तो मेरे मुवक्किलगण या उनके परिवार का कोई भी सदस्य उसके लेनदेन या कार्य का जिम्मेदार नहीं होगा ।
मनोज भाटी एडवोकेट,
चैम्बर न. 710, साकेत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट,
नई दिल्ली-110017.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्री सुशील कुमार यादव पुत्र श्री होशियार सिंह, फ्रीहोल्ड रिहायशी मकान नंबर बी-4 के मालिक हैं, तीसरे तल पर छत के अधिकार के साथ, 272 वर्ग गज का क्षेत्रफल, आयत संख्या 8, किला संख्या 21/2 मिनट में, गाँव पल्ला, तहसील और जिला फरीदाबाद, हरियाणा 121003 में स्थित है। वसीयत दिनांक 03.07.2023 के दस्तावेज संख्या 263 के अनुसार, दिनांक 03.07.2023 को, एसआर-फरीदाबाद में नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेजों में दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, अर्थात वसीयत का प्रोबेट आदेश दिनांक 03.07.2023 अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और 4 वीं मंजिल पर निर्मित, छत के अधिकारों के साथ श्री नीरज गर्ग पुत्र श्री राजेंद्र प्रसाद गर्ग के नाम से बिकने जा रही है, और इसका वित्तपोषण आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड शाखा राजिंदर प्लेस, नई दिल्ली द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्री अरुण पुंडीर पुत्र श्री भगवान सिंह, खसरा संख्या 36 में से 100 वर्ग गज यानि 83.61 वर्ग मीटर के प्लॉट संख्या 03 के फ्रीहोल्ड आवासीय आरएचएस हिस्से के मालिक हैं, जो लाल बाग में ब्लॉक-ए में स्थित है, गांव अहमदनगर नवादा, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश रजिस्टर्ड जीपीए दिनांक 18.04.2024 के आधार पर एसआर लोनी- II गाजियाबाद में दस्तावेज संख्या 66, खंड संख्या 173, पुस्तक संख्या 4, पृष्ठ संख्या 01-20, दिनांक 18.04.2024 के रूप में पंजीकृत है, नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेजों में दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं अर्थात वसीयत का प्रोबेट आदेश दिनांक 12.09.1997 अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है और वही संपत्ति श्री मयंक के नाम से बिकने जा रही है और इसका वित्तपोषण पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा द्वारा किया गया है÷ लोनी गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 7 यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
It is for general information that I PRIYANSHU SHISHODIYA S/O SANJEEV KUMAR RANA R/O C-59 Sector -P-3 Greater Noida, Rampur Jagir, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306, declare that name of my father has been wrongly written as SANJEEV KUMAR in my 10th and 12th educational documents. The actual name of my father is SANJEEV KUMAR RANA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SUMITRA BEN MANORSINH Mother of No-16021209F Rank-L/HAV, Name-PARMAR SHAILESH KUMAR MANORSINH Presently residing at H. NO-327, PARMAR FALIYU, VPO-WAGHJIPUR, SHEHERA, PANCHMAHALS, GUJARAT-389120, have changed my name from SUMITRA BEN MANORSINH to PARMAR SUMITRABEN MANORSINH for all future purposes vide Affidavit dated 31/12/2024 before Notary Public Delhi.

एडीसी की अध्यक्षता में अमरपुरा जोरासी में खनन के लिए हुई जनसुनवाई

एजेंसी

नारनौल। अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आज अमरपुरा जोरासी के 10.72 हेक्टेयर क्षेत्र में स्टोन माइनर मिनरल के खनन के संबंध में जनसुनवाई हुई। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा पर्यावरण स्वीकृति के लिए आयोजित इस जनसुनवाई के मौके पर ग्रामीणों ने इस प्रोजेक्ट के संबंध में अपने संशय दूर किए। एडीसी ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि इस प्रोजेक्ट के संबंध में संबंधित कंपनी के साथ बैठकर ग्रामीण अपनी सभी शंकाएं दूर करें। इस प्रोजेक्ट की सभी बातों की जानकारी ग्रामीणों को होनी चाहिए। इसी उद्देश्य के लिए यह आयोजन किया गया है। इस दौरान जिला परिषद प्रमुख डा. राकेश कुमार, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रीजनल ऑफिसर केके यादव,जिला खनन अभियंता डॉ. राजेश कुमार व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एसडीओ अनुज नरवाल के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

सिहमा में अनियंत्रित होकर गाड़ी नहर में गिरी

एजेंसी

नारनौल। अटेली के अंतर्गत आने वाले गांव सीहमा में रविवार रात्रि करीब नौ बजे एक कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई और गाड़ी में सवार चालक की मौत हो गई। नहर के पास बने एक होटल पर खाना खा रहे लोगों ने गाड़ी को नहर में गिरते हए देख लिया और इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने गाड़ी में सवार व्यक्ति को नहर से बाहर निकाला और नारनौल के नागरिक अस्पताल पहुंचाया। मौके पर पहुंची सीहमा चौकी पलिस ने ट्रैक्टर की सहायता से कार को नहर से बाहर निकाला।

गांव सिहमा में जवाहरलाल कैनाल नहर में एक कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी, जिससे कार चालक की हो गई। मृतक गांव डेरोली अहीर का रहने वाला था और गांव में जागीदार के नाम से बुलाया जाता था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डेरोली अहीर निवासी 41 वर्षीय कृष्ण कुमार पुत्र सूरजभान अपने गांव डेरौली अहीर से सिहमा नहर के साथ लगते कच्चे रास्ते से खामपुरा की तरफ जा रहा था। तभी अचानक चलते कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। समीप में बने खाने के होटल पर बैठे युवकों ने नहर में कूद कर गाड़ी में सवार व्यक्ति को निकालकर एंबुलेंस की सहायता से नारनौल सिविल अस्पताल पहुंचाया। नागरिक अस्पताल के डॉक्टरों ने जांच करने के बाद कृष्ण कुमार को मृत घोषित कर दिया। कृष्ण कुमार के दो लडक़ी और एक लडक़ा बताया जा रहा है।

अपराधों पर लगाम, पीड़ितों को न्याय दिलाना रहेगी प्राथमिकता: गौरव राजपुरोहित

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला रेवाड़ी से स्थानांतरित होकर आए आईपीएस गौरव राजपुरोहित ने सोमवार को पुलिस उपायुक्त पूर्व गुरुग्राम का कार्यभार संभाला। राजपुरोहित के पुलिस उपायुक्त पूर्व कार्यालय में पहुंचने पर सम्बन्धित सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रबंधकों व शाखा प्रभारियों ने उनका स्वागत किया। गौरव राजपुरोहित-2018 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह दिल्ली आईआईटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियर से बीटेक हैं। उन्होंने रेवाड़ी एसपी, डीसीपी ईस्ट सोनीपत सहित एएसपी असंध के तौर पर भी सेवाएं दी हैं। कार्यभार संभालते ही उन्होंने सहायक पुलिस आयुक्तों के साथ वार्ता की और उन्हें अपनी प्राथमिकताओं से अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने ईस्ट जोन की सुरक्षा संबंधी जानकारी लेकर क्राइम कंट्रोल करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस दौरान राजपुरोहित ने ईस्ट जोन से संबंधित विभिन्न प्रकार की समस्याओं बारे भी जानकारी हासिल की और उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करते हुए जल्द ही रोडमैप तैयार करने की बात कही।

हरियाणा के खिलाड़ी ने गुजरात में जिम्नास्टिक स्पर्धा में दिखा रहे प्रतिभा

एजेंसी

गुरुग्राम। गुजरात के सूरत में हो रही आल ऐज ग्रुप जिमनास्टिक्स आर्टिस्टिक, रिदमिक, एक्रोबेटिक, ट्रेंपोलिन, एवं तम्बलिंग इवेंट में राष्ट्रीय प्रतियोगिता के एक्रोबेटिक में मेन पेअर इवेंट में हरियाणा के जिम्नास्ट मुकेश सिंह, राहुल सिंह ने गोल्ड मेडल से शुरुआत की। यह गोल्ड एक्रोबेटिक इवेंट में 6 साल बाद आया है। इस पदक से हरियाणा के सभी जिम्नास्ट का हौसला बढ़ा हुआ है। इसके साथ ही ट्रैंपोलिन इवेंट में हरियाणा की सब जूनियर ओर जूनियर दोनों ही टीमों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। यह पहली बार है कि हरियाणा की टीम इतिहास रचते हुए ट्रैंपोलिन के टीम इवेंट में भाग लिया और हिंदुस्तान में टीम इवेंट में अपनी छाप छोड़ी है। ट्रैंपोलिन सब जूनियर कि टीम में खिलाड़ी आयुष रावत, उत्कर्ष, ध्रुव, अमन है। जूनियर ट्रैंपोलिन टीम मेंबर रिहान खान, तनिष्क शर्मा, कृष, प्रत्यक्ष नेगी है। इसके सात ही रिहान खान ने इंडिविजुअल तृतीय स्थान भी ट्रैंपोलिन में जीता है। यह इंडिविजुअल मेडल भी हरियाणा के लिए पहली बार जीत है। एक्रोबेटिक के ग्रुप इवेंट में भी पहली बार हरियाणा के खिलाडिय़ों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। ग्रुप में खिलाड़ी राहुल, सचिन, सागर, शिवम है। इस मेडल से हरियाणा जिमनास्टिक्स एसोसिएशन के प्रधान सूरज पाल अम्मू एवं वरिष्ठ उपप्रधान विधायक मुकेश शर्मा द्वारा खिलाडिय़ों को अपना आशीर्वाद व शुभकामनाएं दी है। यह प्रतियोगिता का आयोजन पंडित दीनदयाल इनडोर स्टेडियम सूरत में जिमनास्टिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं गुजरात जिम्नास्टिक्स एसोसिएशन द्वारा 25 दिसम्बर से 4 जनवरी तक आयोजित किया जा रही है।

सप्ताह में तीन दिन राज्य भाजपा मुख्यालय पर जनसुनवाई करेंगे मंत्री: बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने ऐलान किया है कि सप्ताह में तीन दिन सरकार के मंत्री चंडीगढ़ स्थित भाजपा मुख्यालय में बैठकर प्रदेशभर से आने वाले कार्यकर्ताओं व आमजनता की शिकायतों की सुनवाई करेंगे। इससे लोगों को होने वाली परेशानी समाप्त होगी। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मोहन लाल बड़ौली ने पार्टी के संगठन चुनाव कार्यक्रम का ऐलान करते हुए कहा कि एक जनवरी से 5 जनवरी तक सभी बूथों पर कमेटियां बनाने का अभियान चलेगा और 6 जनवरी से 12 जनवरी तक मंडल अध्यक्ष बनाने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। बड़ौली ने कहा कि अब तक भाजपा के 41 लाख सदस्य बन चुके हैं। सदस्य बनाने की पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से हुई है और पार्टी के पास सभी कार्यकर्ताओं का डाटा है। उन्होंने यह भी कहा कि अब तक 31 हजार से ज्यादा सक्रिय सदस्य बन चुके हैं। बड़ौली ने कहा

कि जब तक चुनाव की प्रक्रिया चलेगी तब तक साधारण सदस्य भी बनते रहेंगे और हम 50 लाख सदस्य बनाने का टारगेट पूरा करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के 20 हजार 629 बूथों पर तीन-तीन सक्रिय सदस्य बनाने की योजना है। बड़ौली ने कहा कि संगठन पर्व का अब तीसरा चरण चल रहा है। संगठन के चुनाव कराने के लिए चुनाव की टीम गठित कर ली गई है। चुनाव के लिए प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता को प्रदेश प्रभारी के तौर पर नियुक्त किया है। इसी तरह से जिलों और मंडलों की टीम भी बना ली गई है। बड़ौली ने कहा कि प्रदेश के 4390 शक्ति केंद्रों पर सहायकों की नियुक्ति करते हुए बूथ तक की जिम्मेदारी तय की है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी पार्टी की जो रचना और योजना है उसके अनुसार जिस बूथ पर 50 सदस्य नहीं होंगे वहां पर चुनाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में 313 मंडल थे जोकि अब बढ़ाकर 376 कर दिए हैं। बूथ की रचना के बाद 6 जनवरी से 12 जनवरी तक मंडल अध्यक्ष बनाने की प्रक्रिया चलेगी। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी ने 50 हजार सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। 31 हजार बन चुके हैं और जल्द ही बाकी के 19 हजार सक्रिय सदस्य भी बना लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारे बूथ का अध्यक्ष सक्रिय सदस्य होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिलावार जिला अध्यक्ष के साथ तीन सदस्यों की स्क्रीनिंग कमेटी बनाई गई है जो चयन प्रक्रिया पर नजर रखेगी। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी संजय आहुजा, भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी नवीन गर्ग मौजूद रहे।

डीसी ने समाधान शिविर में सुनी 55 नागरिकों की समस्याएं

एजेंसी

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर के दौरान दर्ज 55 शिकायतों को सुना और उनके निवारण के लिए निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से निपटारा करें और प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान सुनिश्चित करें। समाधान शिविरों में परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, बिजली, सिंचाई, सार्वजनिक स्वास्थ्य, समाज कल्याण पेंशन, आपसी विवाद और राशन कार्ड से जुड़ी शिकायतों का समाधान किया जा रहा है। नागरिक अपनी किसी भी प्रकार की समस्या के लिए समाधान शिविरों में संपर्क कर सकते हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय और मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा इन शिविरों की नियमित निगरानी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जा रही है। उपायुक्त ने जानकारी दी कि हर कार्य दिवस पर जिला मुख्यालय, नगर परिषद कार्यालय और उपमंडल मुख्यालयों में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहकर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नव वर्ष पर हुड़दंग करने वालों पर पुलिस सख्त, होगी कार्रवाई : शशांक सावन

एजेंसी

हिसार। जिला पुलिस ने नव वर्ष उत्सव मनाने के मद्देनजर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के व्यापक प्रबंध किए हैं। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने आमजन से अपील की है कि सभी नागरिक नव वर्ष उत्सव को बड़ी धूमधाम और शांतिपूर्वक मनाएं।पुलिस अधीक्षक शशांक सावन ने कहा कि प्रायः देखने में आया है कि कुछ असामाजिक तत्व शराब व अन्य नशा करके सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दगबाजी करते हैं, जो गलत है। इन्हीं असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए जिले के सभी थाना प्रबंधकों व चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि उनके अधिकार क्षेत्र में पड़ने वाले होटल, बार, धर्मशाला, पार्क, सिनेमा हॉल, मुख्य बाजार, रेलवे स्टेशन, बस स्टेंड पर कड़ी निगरानी रखेंगे तथा पीसीआर व राइड़र से भी अपने-अपने इलाकों में प्रभावी

पैट्रोलिंग करवाएंगे। उन्होंने कहा कि मानकों से अधिक ऊंची आवाज में डीजे साउंड या पटाखे बजाने वालों के खिलाफ ध्वनि प्रदूषण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही खुफिया तंत्र एवं सादे कपड़ों में पुलिस कर्मचारी व महिला पुलिस कर्मचारियों की विशेष टीमें अलग अलग इलाकों में निगरानी करती रहेगी।

पुलिस अधीक्षक ने आम जनता से अपील की है कि इस अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों को सादगी व शालीनता से मनाएं और नववर्ष के लिए विशेष लक्ष्य निर्धारित करें। इसके अतिरिक्त तेजगति से वाहन चलाने वाले, हुड़दंगबाजी कर शांति भंग करने वालों और शराब पीकर वाहन चलाने वालों से सख्ती से निपटने के लिए पूरे जिले में स्थाई नाकों के अलावा अलग से नाकाबंदी की जाएगी। साथ ही पुलिस को अल्को-सेंसर की सहायता से ट्रैफिक चैंकिग के भी निर्देश दिए हैं।

हरियाणा में युवाओं के लिए शुरू होगी वन टाइम रजिस्ट्रेशन योजना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने कहा कि पूरे साल का भर्ती परीक्षा कलेंडर जारी करेगा, जिसके आधार पर युवा अपनी तैयारी पहले से कर सकेंगे। साथ राज्य के युवाओं के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन योजना शुरू होगी । चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में आयोग चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि सभी विभागों से रिक्त पदों का ब्यौरा मांग लिया गया है। इसके आधार पर वर्ष 2025 में होने वाली प्रस्तावित भर्तियों पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। यह रिपोर्ट तैयार होते ही आयोग पूरे साल का भर्ती कलेंडर जारी कर देगा। जिसके आधार पर युवा अपनी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। हिम्मत सिंह ने बताया कि आयोग द्वारा अभ्यर्थियों की शिकायत के लिए पोर्टल का ट्रायल हो चुका है। इसके अच्छे परिणाम आए हैं। अब जनवरी माह में ग्रीवेंस पोर्टल को दोबारा खोला जाएगा। जिसमें कोई भी युवा अपनी शिकायत दर्ज करवाएगा तो उसका समाधान किया जाएगा। इसके अलावा जनवरी में ही युवाओं के लिए समाधान शिविर लगाया जाएगा। इस शिविर में आयोग के लंबित केसों का निपटारा किया जाएगा। हिम्मत सिंह ने बताया कि यह शिविर लोक अदालत की तरह होगा। इसमें जरूरत के अनुसार हाईकोर्ट की मदद भी ली जाएगी। आयोग के कई केस ऐसे हैं जो बेहद मामूली कारणों के चलते अदालतों में लटके हुए हैं। समाधान शिविर में इन केसों का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोग ने ऐसा प्रावधान कर रहा है कि प्रदेश के युवा आयोग चेयरमैन के समक्ष पेश होकर अपनी बात रख सकें। इसके लिए वीडियो कांफ्रैंसिंग व्यवस्था का ट्रायल होने जा रहा है। किसी युवा का कोई विवाद है तो वह अपनी शिकायत भेजकर आयोग चेयरमैन से वीसी के माध्यम से मिलकर अपनी बात रख सकता है। प्रदेश में बेरोजगार युवाओं की सुविधा के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए हिम्मत सिंह ने कहा कि बहुत जल्द वन टाइम रजिस्ट्रेशन को शुरू कर दिया जाएगा। इसके माध्यम से कोई युवा अगर दसवीं पास करने के बाद आयोग में अपना पंजीकरण करवाता है तो वह मान्य होगा। इसके बाद उसे जमा दो, ग्रेजुएशन व अन्य डिग्रियां उसी पंजीकरण नंबर के तहत अपलोड करनी हैं। इस पोर्टल का ट्रायल शुरू हो गया है। नए साल में इसे लागू कर दिया जाएगा। इससे प्रदेश के युवाओं को सुविधा मिलेगी।

एक साल में 56 हजार को दी सरकारी नौकरियां: हिम्मत सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने कहा है कि नए साल में जहां नए पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी वहीं पहले से चल रही भर्ती प्रक्रिया के परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। इसके तहत सबसे पहले टीजीटी, ग्रुप डी तथा एफएसएल की भर्तियों के परिमाणाम भी घोषित किए जाएंगे।

एचएसएसए चेयरमैन सिंह ने प्रदेशभर से आ रही खबरों के आधार पर रविवार को अपने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से युवाओं से सवाल पूछने के लिए कहा था। जिसके चलते 24 घंटे में उन्हें चार हजार युवाओं के सवाल मिले। मीडिया के माध्यम से इन सवालों का जवाब देते हुए हिम्मत सिंह ने कहा कि बीती 18 जुलाई को आयोग का पूरी तरह से गठन किया गया था। जिसके बाद आयोग को काम करने के लिए 57 दिन का समय मिला। इस अवधि के दौरान 28 परीक्षाओं का आयोजन किया गया तथा 88 हजार युवाओं

का पीएमटी व पीएसटी आयोजित किया गया। पहली बार 24 हजार भर्तियों का परिणाम एक साथ निकाला गया। फायर ब्रिगेड की भर्तियों को लेकर छिड़े विवाद पर हिम्मत सिंह ने कहा कि यह मामला फायर ब्रिगेड महानिदेशक के पास विचाराधीन है। आयोग के प्रतिनिधि बैठकों में अपना पक्ष रखते हैं। महानिदेशक द्वारा स्वीकृति प्रदान करते ही फायर ब्रिगेड भर्तियों के परिणाम जारी कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि उनके 57 दिनों के कार्यकाल में 36 हजार तो पूरे साल में 56 हजार 830 युवाओं को नौकरियां प्रदान की गई हैं।

एक युवा के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सीईटी की परीक्षा को लेकर सरकार ने नए नियमों को मंजूरी दे दी गई है। इसी अधिसूचना आयोग के पास आते ही सीईटी परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया जाएगा। हरियाणा में विपक्षी दलों द्वारा बाहरी युवाओं को भर्ती करने के आरोपों को खारिज करते हुए आयोग चेयरमैन ने कहा कि ग्रुप सी में 137 तथा ग्रुप डी में बाहरी राज्यों के केवल 66 युवा भर्ती हुए हैं। प्रदेश में ऐसा कोई कानून नहीं है। जिसके तहत बाहरी युवाओं की भर्तियों में आवेदन पर रोक है। इस अवसर पर आयोग के सचिव विनय कुमार, ओएसडी शंभू राठी, सदस्य भूपेंद्र सिंह चौहान, कपिल अत्रेजा, अमर सिंह एवं सुभाष चंदर समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले व गलत लेन में वाहन चलाने वाले चालकों के किए चालान

एजेंसी

नारनौल। जिला महेंद्रगढ़ में सडक़ सुरक्षा सुनिश्चित करने व आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लेन ड्राईविंग (बाई लेन) में चलने के नियमों की उल्लघना करने वाले भारी वाहनों के चालान किए। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के दिशा निर्देशों में डीएसपी सुरेश कुमार के नेतृत्व में यातायात नियमों की पालना करवाने हेतु पुलिस द्वारा गलत लेन में चलने वाले भारी वाहन चालकों के चालान किए गए। इसके अलावा अन्य यातायात नियमों की उल्लंघना करने वाले वाहन चालकों के भी चालान किए गए। सडक़ सुरक्षा को लेकर महेंद्रगढ़ पुलिस द्वारा गलत लेन में वाहन चलाने वाले भारी वाहन चालकों को लेकर स्पेशल अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रबंधक थाना यातायात सहित सभी थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए गए थे कि मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक भारी वाहन व गति प्रतिबन्धित वाहन अपनी निर्धारित गति सीमा में बाई लेन में चलें, जिससे सडक़ सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और ओवरटेक करते समय किसी भी वाहन चालक को कठिनाई का सामना ना करना पड़े और सडक़ हादसों से बचा जा सके। यदि कोई भी वाहन चालक मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत निर्धारित गति सीमा व बाई लेन में ना चलकर नियम की उल्लघंना करता है तो उसका चालान किया जाए। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि सडक़ सुरक्षा सुनिश्चित करने व वाहनों के सुचारू-रूप से आवागमन हेतू यह अनिवार्य है।

पुलिस ने नववर्ष उत्सव मनाने के मद्देनजर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के व्यापक प्रबंध किए

एजेंसी

नारनौल। महेंद्रगढ़ जिले में रहने वाले व महेन्द्रगढ़ जिले में अन्य स्थानों से आने वाले सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अपील की है कि वे नव वर्ष-2025 के आगमन पर किसी भी प्रकार की आतिशबाजी ना करें व ना ही नशे का सेवन करें। अपने घरों में अपने परिवार के साथ रहकर नए वर्ष का स्वागत करें। महेंद्रगढ़ पुलिस ने नव वर्ष-2025 के आगमन पर 31 दिसंबर 2024 की रात्रि को आमजन द्वारा नववर्ष उत्सव मनाने के मध्यनजर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के व्यापक प्रबंध किए हैं। जिला में अलग-अलग विशेष नाके चिन्हित कर स्थापित किए गए हैं। जिला महेंद्रगढ़ में यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने के लिए यातायात प्रभारी को उचित निर्देश दिए गए हैं। असामाजिक तत्वों की प्रत्येक गतिविधियों पर महेंद्रगढ़ पुलिस की विशेष पैनी नजर रहेगी। नागरिकों को नए साल के जश्न के दौरान यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी जाती है।

नशे में गाड़ी चलाने, स्टंट बाइकिंग, ओवरस्पीडिंग, जिग-जैग ड्राइविंग और खतरनाक ड्राइविंग करने वालो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।पुलिस अधीक्षक महोदया पूजा वशिष्ठ ने कहा कि प्रायः देखने में आता है कि कुछ असामाजिक तत्व शराब व अन्य नशा करके सार्वजनिक स्थानो पर हुड़दंग-बाजी करते हैं, जो गलत है। इन्हीं असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए महेंद्रगढ़ जिले के सभी थाना प्रबन्धकों, चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि उनके अधिकार क्षेत्र में पढने वाले होटल, रेस्टोरेंट, धर्मशाला, पार्क, सिनेमाहॉल, मुख्य बाजार, रेलवे स्टेशन, बस स्टेंड पर कड़ी निगरानी रखेंगे तथा पीसीआर/राईडर से भी अपने-अपने इलाकों में प्रभावी पेट्रोलिंग करवाएंगे तथा अधिक ऊंची आवाज में डीजे साउंड बजाने वालों या आतिशबाजी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही खुफिया तंत्र एवं सादे कपड़ों में पुलिस कर्मचारी व महिला पुलिस कर्मचारियों की विशेष टीमें अलग-अलग इलाकों में निगरानी करती रहेंगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सादगी व शालीनता से नववर्ष मनाएं और नववर्ष के लिए विशेष लक्ष्य निर्धारित करें। इसके अतिरिक्त तेज गति से वाहन चलाने वाले, हुड़दंग बाजी कर शांति भंग करने वाले और शराब पीकर वाहन चलाने वालों से सख्ती से निपटने के लिए पूरे जिले में स्थाई नाकों के अलावा विभिन्न स्थानो पर अन्य स्थानों पर नाके लगाकर चैंकिग के भी निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने जिला महेंद्रगढ़ के सभी नागरिकों को महेंद्रगढ़ पुलिस की तरफ से नववर्ष की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

पलवल शहर की दीवारों पर पेंटिंग से दिखाएंगे ऐतिहासिक धरोहर की तस्वीर : गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। पलवल नगर परिषद द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से सौंदर्यकरण का कार्य शुरू कर दिया है। हरियाणा सरकार में युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता, खेल और कानून एवं विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम की माने तो उनका मुख्य उद्देश्य पलवल शहर को साफ और स्वच्छ बनाना है जिसका कार्य तेजी से चल रहा है और उनके द्वारा पलवल शहर को साफ और स्वच्छ बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत शहर के अंडरपास और चौक चौराहा को ऐतिहासिक धरोहरों और महान व्यक्तियों के चित्रों से सजाया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य न केवल पलवल की सुंदरता बढ़ाना है, बल्कि इसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से पहचान दिलाना भी है।

मंत्री गौरव गौतम ने बताया कि अभियान की शुरुआत आगरा चौक के पास दीवारों पर दिल्ली के प्रसिद्ध लाल किले की सुंदर चित्रकारी से हुई है। दीवारों को पहले साफ किया जा रहा है और गंदी दीवारों पर पेंट किया जा रहा है। इसके बाद भव्य चित्रकारी का काम किया जा रहा है। शहर के अंडरपास पर लगे पुराने विज्ञापनों और प्रचार सामग्री को हटाने का भी काम तेजी से चल रहा है।नगर परिषद के कर्मचारियों ने दीवारों को साफ करना शुरू कर दिया है और दीवारों पर गंदगी को हटाने के बाद उन्हें पेट कर चमकता जा रहा है। इसके

साथ ही शहर के प्रमुख स्थानों पर ऐतिहासिक धरोहरों जैसे लाल किला, गेटवे ऑफ इंडिया, अन्य प्रसिद्ध इमारतें और महान व्यक्तियों के चित्र भी बनाए जाएंगे। यह पहल केवल हमारी पीढ़ी के लिए नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए भी प्रेरणादायक है। इस पहल से शहर की सुंदरता बढ़ेगी।

विधान भवन में प्रवेश और निकासी के लिए बनेंगी सुगम व्यवस्था, विस अध्यक्ष कल्याण ने किया विधान सभा परिसर का निरीक्षण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा परिसर के रखरखाव और सौंदर्यीकरण के लिए विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने यूटी चंडीगढ़ और हरियाणा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ पूरे परिसर का मुआयना किया और आवश्यक दिशानिर्देश दिए। इस दौरान विस अध्यक्ष ने कहा कि विस परिसर के हैरिटेज ढाचे को बरकरार रखते हुए बेहतर ढंग से रखरखाव किया जाना चाहिए। बता दें कि विधान भवन के रखरखाव की जिम्मेदारी यूटी प्रशासन की है। कुछ व्यवस्थाएं हरियाणा लोक निर्माण विभाग करता है।विस अध्यक्ष ने अधिकारियों के साथ विधान भवन के साथ लगते सभी पार्किंग क्षेत्रों तथा प्रवेश द्वार का मुआयना किया। उन्होंने हिदायत दी कि प्रवेश द्वारा पर आवागमन की सुरक्षित व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके लिए यूटी प्रशासन नए सिरे से डिजाइन तैयार करेगा और प्रवेश द्वार पर यातायात सुचारू रखने का प्रबंध करेगा। इन स्थानों के सौंदर्यीकरण करने को लेकर भी चर्चा हुई।

पार्किंग क्षेत्र में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने के लिए सीवरेज लाइन दुरुस्त करने को कहा गया है। यहां रोशनी के प्रबंध करने

होंगे। इसके बाद विस अध्यक्ष ने विधान भवन में हरियाणा के हिस्से वाले सभी कमरों का मुआयना किया। वहां उन्होंने स्टाफ के लिए उपलब्ध स्थानों का निरीक्षण किया। हरियाणा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को हिदायत दी वर्क स्टेशनों की डिजाइन की समीक्षा की जाए और जरूरत पड़ने पर इसे दोबारा बनाया जाए।

हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा विधान सभा ऐसे शहर में स्थापित हैं, जो एक केंद्र शासित प्रदेश होने के साथ-साथ दो प्रदेशों की राजधानी भी है। विधान भवन को यूनेस्को ने विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया है। ऐसे में इस भवन का रखरखाव और सौंदर्यीकरण अपने आप में अनूठा होना चाहिए। बैठक में चंडीगढ़ जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव, मुख्य वास्तुकार राजीव मेहता, एक्सईएन मोहित सिंगल, एक्सईएन, बागवानी प्रहलाद सिंह, एसडीई, सिविल बिपिन कुमार, एसडीई इलेक्ट्रिकल संजीव तिवारी, हरियाणा लोक निर्माण (भवन एवं सड़क) विभाग के एक्सईएन अरुण सिंहमार, एसडीई जगजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

निगम चुनाव से संबंधित अपील 31 दिसंबर तक उपायुक्त कार्यालय में जमा करवाएं

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम चुनाव की मतदाता सूची या बूथ बदले जाने से संबंधित मामलों को नागरिक समाधान शिविर में लाने की बजाय रिवाइजिंग अथॉरिटी के निर्णय के विरूद्ध अपील के तौर पर उपायुक्त कार्यालय में रखें। इन शिकायतों को सीधे एलएफए ब्रांच या उपायुक्त कार्यालय में जमा करवा दें। इन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करवाया जाएगा। लघु सचिवालय सभागार में सोमवार को जन शिकायतों की सुनवाई करते हुए डीसी अजय कुमार के समक्ष कुछ शिकायतें नगर निगम के चुनाव से संबंधित पाई गईं। डीसी ने कहा कि नागरिक मतदाता सूची व बूथ से संबंधित शिकायतों को शिविर में रखने की बजाय मंगलवार 31 दिसंबर तक उपायुक्त कार्यालय में जमा करवा दें। उन्होंने बताया कि उपायुक्त कार्यालय में आने वाली अपील का तीन जनवरी तक निवारण कर दिया जाएगा। समाधान शिविर में आज 33 शिकायतों को सुना गया और इन सभी में डीसी ने विभागीय अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। सिलोखरा गांव साउथ सिटी निवासी अंकित सैनी ने शिकायत रखी कि उनके क्षेत्र में सडक़ों की हालत जीर्ण-शीर्ण है तथा स्ट्रीट लाईटें भी खराब पड़ी हुई हैं। इस संदर्भ में एमसीजी को शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। इस पर डीसी ने एमसीजी के चीफ इंजीनियर को उचित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। समाधान शिविर में बुजुर्ग आजाद सिंह कटारिया ने शिकायत रखी कि उनकी पैतृक जमीन से मुताल्लिक एक मामले में गुरुग्राम एसडीएम ने इंतकाल निरस्त करने के आदेश जारी कर दिए थे। लेकिन आज तक इस इंतकाल को खारिज नहीं किया गया है। इस पर डीसी ने नायब तहसीलदार सुरेंद्र भारद्वाज हो यह म्यूटेशन कैंसिल करवाने के निर्देश दिए। गांव टीकली निवासी दिव्यांग महिला पूनम ने बताया कि उसका पति एक निजी शिक्षण संस्थान में सेवारत था। पांच महीने पहले उसके पति की सडक़ दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उसके बाद संस्थान ने ना तो उसे कोई रोजगार दिया और ना ही कोई आर्थिक सहायता प्रदान की। डीसी ने जिला शिक्षा अधिकारी व श्रम विभाग को मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सीतारमण ने स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व छठी बैठक की

एजेंसी

नई दिल्ली।। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजधानी नई दिल्ली में स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों के साथ छठे बजट-पूर्व परामर्श बैठक की। बैठक में केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारियों के हिस्से के रूप में स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने सीतारमण को कई सुझाव दिए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीतारमण ने स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों से सुझाव लिए। बैठक में वित्त सचिव, निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव, आर्थिक मामलों के विभाग और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग तथा स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव सहित देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी मौजूद रहे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी वित्त वर्ष 2025-26 का केंदीय बजट एक फरवरी, 2025 को संसद में पेश करेंगी। बजट पूर्व परामर्श बैठक केंद्रीय बजट को आकार देने से जुड़ा आवश्यक कदम है, जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। इन बैठकों में मिले सुझावों से विविध हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है।

अजय पॉली लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित रेफ्रिजरेशन सीलिंग सॉल्यूशंस कंपनी अजय पॉली लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक अजय पॉली लिमिटेड का 1 रुपये अंकित मूल्य वाला ये आईपीओ 238 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों के निर्गम और प्रमोटर और निवेशक विक्रय शेयरधारकों द्वारा 93,00,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण है। ओएफएस में बीना जैन, राजीव जैन और नितिन जैन क्रमशः 3.7 मिलियन, 2.8 मिलियन और 2.8 मिलियन इक्विटी शेयर बेचेंगे। दिल्ली स्थित रेफ्रिजरेशन सीलिंग सॉल्यूशंस कंपनी नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कुछ उधारों के पुनर्भुगतान या पूर्व भुगतान, नोएडा, करेगांव, शिरवाल, चेन्नई और कॉर्पोरेट कार्यालय में सुविधाओं में उपकरण और मशीनरी खरीदने के लिए पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए करेगी।

2024 के दौरान हरित इस्पात, गुणवत्ता नियंत्रण पर उठाए गए बड़े कदम

नयी दिल्ली। इस्पात मंत्रालय ने बीत रहे वर्ष 2024 में कार्बन उत्सर्जन को कम करने और नेट जीरो (निवल शुद्ध कार्बन उत्सर्जन) लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति के लिए इस्पात उद्योग को सहायता देने के लिए 15000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले 'हरित स्टील मिशन' की तैयारी कर रहा है। मंत्रालय के इस अभियान में हरित स्टील के लिए पीएलआई योजना, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और सरकारी एजेंसियों के लिए हरित स्टील खरीदने के लिए दिशानिर्देश शामिल हैं। स्टील उत्पादन के कार्बन उत्सर्जन सीमित करने (डीकार्बोनाइजेशन) में योगदान के लिए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की अगुवाई में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन, स्टील क्षेत्र को हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और उपयोग के व्यापक लक्ष्य को समन्वित किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार इस सम्बंध में, इस्पात क्षेत्र के डीकार्बोनाइजेशन के विभिन्न प्रमुख पहलुओं को रेखांकित करते हुए इस्पात मंत्रालय द्वारा गठित 14 टास्क फोर्स की सिफारिशों के आधार पर 'भारत में स्टील क्षेत्र को हरित बनाना- रोडमैप और कार्य योजना' पर एक रिपोर्ट सितंबर में की गई थी। इस रिपोर्ट में स्टील की हरित स्टील और हरित स्टार रेटिंग को परिभाषित किया गया है।

त्योहारी सीजन में खुदरा कारोबार में सात फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली । देश में इस वर्ष के त्योहारी सीजन में इसके पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले खुदरा कारोबार में सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। खुदरा कारोबारियों के संगठन रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) की जारी 56वें खुदरा व्यापार सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष की इसी त्योहारी अवधि (02 अक्टूबर 2023 से 26 नवंबर 2023) की तुलना में 07 अक्टूबर 2024 से 01 दिसंबर 2024 तक खुदरा क्षेत्र में सात फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। सर्वेक्षण में देश के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न खुदरा क्षेत्रों को आकार देने वाले प्रमुख रुझानों पर प्रकाश डाला गया है। आरएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कुमार राजगोपालन ने कहा, आरएआई के सर्वेक्षण में अक्टूबर-नवंबर के त्योहारी सीजन के दौरान सात फीसदी की मामूली वृद्धि का संकेत मिलता है, जो अनुमानित 10 फीसदी से कम है। पूरे वर्ष के दौरान खपत में वृद्धि धीमी रही है, जिससे खुदरा विक्रेताओं को प्रचार प्रस्तावों के माध्यम से व्यवसाय को बढ़ावा देने और त्योहारी खरीददारी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया गया है। हम वर्ष 2025 में मजबूत वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि बढ़ती परिचालन लागतों को लाभप्रदता बनाए रखने के लिए निरंतर विकास प्रक्षेपवक्र की आवश्यकता होती है।

आयकर विभाग ने विवाद के चलते विश्वास योजना की तिथि 31 जनवरी तक बढ़ाई

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। आयकर विभाग ने विवाद के चलते विश्वास योजना के तहत कर बकाया का निर्धारण करने और ब्याज तथा जुर्माने की छूट के लिए जानकारी दाखिल करने की तारीख 31 जनवरी तक बढ़ा दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इससे संबंधित परिपत्र संख्या 20/2024 जारी किया है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से जारी एक परिपत्र में विवाद के चलते विश्वास योजना के तहत देय राशि निर्धारित करने की नियत तारीख 31 दिसंबर, 2024 से बढ़ाकर 31 जनवरी, 2025 कर दी गई है। सीबीडीटी ने 30 दिसंबर, 2024 को जारी अपने प्रपित्र में प्रत्यक्ष कर विवाद से

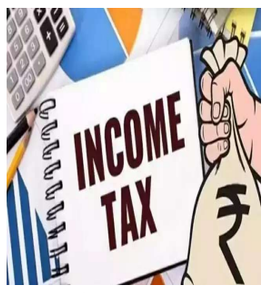

विश्वास योजना, 2024 की धारा 90 में निर्दिष्ट तालिका के कॉलम (3) के अनुसार देय राशि निर्धारित करने की नियत तिथि को 31 दिसंबर, 2024 से बढ़ाकर 31 जनवरी, 2025 कर दिया है। सीबीडीटी की जारी परिपत्र के अनुसार एक फरवरी, 2025 या उसके बाद की जाने वाली घोषणाओं पर विवादित कर मांग का 110 फीसदी करदाता को भुगतान करना होगा। इस योजना का लाभ वे करदाता उठा सकते हैं जिनके मामले में विवाद है/अपील दायर की गई हैं। इसमें रिट और विशेष अनुमति याचिकाएं (अपीलें) शामिल हैं। चाहे वे टैक?सपेर्यस या कर अधिकारियों की ओर से दायर की गई हों। इसमें वे मामले भी शामिल हैं, जो 22 जुलाई, 2024 तक सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, आयुक्त/संयुक्त आयुक्त (अपील) के समक्ष लंबित हैं। उल्लेखनीय है कि करीब 35 लाख करोड़ रुपये की लगभग 2.7 करोड़ प्रत्यक्ष कर मांगों पर विभिन्न कानूनी मंचों पर विवाद चल रहा है। विवाद से विश्वास योजना, 2024 की घोषणा 23 जुलाई को पेश वि?त वर्ष 2024-25 के बजट में की गई थी। ये योजना एक अक्टूबर, 2024 से अमल में आई। प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास योजना, 2024 के मूल नियमों के अनुसार, 31 दिसंबर, 2024 से पहले घोषणा दाखिल करने वाले करदाताओं को विवादित कर मांग का 100 फीसदी भुगतान करना पड़ता। ऐसे मामलों में ब्याज और जुर्माना माफ करने का प्रावधान किया गया है।

टैक्स चोरी पर नकेल के लिए डिजी यात्रा के आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं: आयकर विभाग

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने स्पष्ट किया कि वह टैक्स चोरी करने वालों पर नकेल कसने के लिए डिजी यात्रा के आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं कर रहा है। विभाग ने यह स्पष्टीकरण कुछ समाचार लेखों में इसका जिक्र होने के बाद दिया है। आयकर विभाग ने एक्स पोस्ट के जरिए उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें कहा गया था कि टैक?स चोरी करने वालों पर नकेल कसने के लिए डिजी यात्रा के आंकड़ों का इस्तेमाल किया जाएगा। विभाग ने कहा कि यह देखा गया है कि समाचार लेखों में कहा गया है कि डिजीयात्रा डेटा का उपयोग कर चोरी करने वालों पर नकेल कसने के लिए किया जाएगा। इस संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि आज तक @IncomeTa&India विभाग द्वारा ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है। उल्लेखनीय है कि हवाई सफर करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए चेहरे की पहचान तकनीक (एफआरटी) पर आधारित डिजी यात्रा की मदद से हवाई अड्डों के विभिन्न जांच बिंदुओं पर यात्रियों को संपर्क रहित निर्बाध आवाजाही की सुविधा मिलती है। डिजी यात्रा के लिए यात्री जो डेटा साझा करते हैं, उसे एन्क्रिप्टेड प्रारूप में संग्रहीत किया जाता है। वहीं, डिजी यात्रा का प्रबंधन डिजी यात्रा फाउंडेशन द्वारा किया जाता है।

सेल को लगातार दूसरी बार ग्रेट प्लेस टू वर्क का मिला प्रमाण पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को 2025 से 2026 जनवरी की अवधि के लिए 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' (काम करने के लिए उत्कृष्ट स्थान) का प्रमाणपत्र मिला है। लगातार दूसरी बार वैश्विक मान्यता प्रदान किए जाने में कंपनी के अभिनव मानव संसाधन पहल का उल्लेख किया गया है।

इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को जनवरी 2025 से लेकर जनवरी 2026 तक के लिए ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट, इंडिया द्वारा प्रतिष्ठित 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' का दर्जा दिया गया है। सेल को दूसरी बार यह प्रमाणन मिला है। इससे पहले दिसंबर 2023 से दिसंबर 2024 तक के लिए उसे यह दर्जा दिया गया था। कंपनी ने लगातार दूसरी बार यह प्रमाणन हासिल किया है जो वैश्विक स्तर पर उसकी मान्यता और उसके मानव संसाधन विभाग की नवाचार पहल के प्रभाव को दर्शाता है।

सेल के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि सेल को लगातार ग्रेट प्लेस टू वर्क का दर्जा मिलना बड़ी उपलब्धि है, जो कार्यस्थल संस्कृति

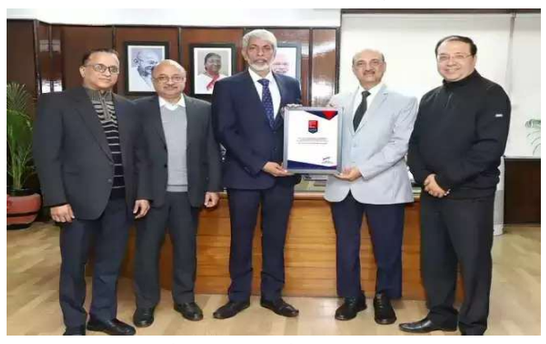

को बढ़ावा देने और आपसी विश्वास, सहयोग और कर्मचारी सशक्तिकरण पर आधारित सकारात्मक कर्मचारी माहौल प्रदान करने की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह प्रमाणन स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया समूह को और अधिक मेहनत कर आगे बढ़ने तथा और अधिक उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा।

उल्लेखनीय है कि ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट एक वैश्विक संगठन है, जो कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया अपनाकर नियोक्ताओं द्वारा उत्कृष्ट कर्मचारी तैयार करने को मान्यता प्रदान करता है। संस्थान ने व्यापक सर्वेक्षण में सेल के कर्मचारियों से सीधे फीडबैक के आधार पर सेल को यह दर्जा प्रदान किया है।

अडानी विल्मर के सभी इक्विटी शेयरों को खरीदेगा एसीएल और लेंस

अहमदाबाद। अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल), अडानी कमोडिटीज़ एलएलपी (एसीएल, जो एईएल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है) और लेंस पीटीई लिमिटेड (लेंस, जो विल्मर इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है) ने आज 30 दिसंबर 2024 को एक समझौता किया। इस समझौते के तहत लेंस, एसीएल द्वारा अडानी विल्मर लिमिटेड (अडानी विल्मर) के सभी इक्विटी शेयरों को खरीदेगा। यह प्रक्रिया कॉल ऑप्शन या पुट ऑप्शन के इस्तेमाल की तारीख पर लागू होगी और अधिकतम 31.06 फीसद इक्विटी शेयरों तक सीमित होगी। इसके अलावा, पार्टियों के बीच इस बात पर सहमति हुई है कि एईएल न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों का पालन करने के लिए अडानी विल्मर के लगभग 13 फीसद शेयरों को बेच देगा। इन दोनों चरणों के पूरा होने के बाद, एईएल अडानी विल्मर में अपनी लगभग 44 फीसद हिस्सेदारी पूरी तरह से छोड़ देगा। अडानी विल्मर की बाजार पूंजी 27 दिसंबर 2024 को 42,785 करोड़ रुपये (5.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर) थी। इस समझौते के तहत, एईएल के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने एसीएल के नामांकित निदेशकों के अडानी विल्मर बोर्ड से इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। साथ ही, अडानी विल्मर लिमिटेड का नाम बदलने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। इस बिक्री से मिले धन का उपयोग एईएल अपने मुख्य इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों जैसे एनर्जी और यूटिलिटी, ट्रांसपोर्टऔर लॉजिस्टिक्स, और अन्य प्राथमिक उद्योगों में निवेश बढ़ाने के लिए करेगा। एईएल भारत की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में सबसे बड़े लिस्टेड इनक्यूबेटर प्लेटफॉर्म के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एईएल और विल्मर, अडानी विल्मर के संस्थापक शेयरधारक हैं और उन्होंने भारत का सबसे बड़ा एफएमसीजी फूड ब्रांड तैयार किया है, जिसने करोड़ों भारतीय परिवारों का विश्वास जीता है। अडानी विल्मर को भारत के हर कोने में मजबूत वितरण नेटवर्क और खुदरा पहुंच का लाभ मिलता है। अडानी विल्मर की शहरी क्षेत्र में 100 फीसद कवरेज और 30,600 से अधिक ग्रामीण कस्बों में उपस्थिति है और वैश्विक स्तर पर 30 से अधिक देशों में निर्यात होता है। यह लेनदेन उन सभी नियामक अनुमोदनों और शर्तों के पूरा होने के अधीन है जो सामान्य रूप से आवश्यक होती हैं।

रक्षा मंत्रालय ने पनडुब्बी, तारपीड़ो उपकरणों कें लिए 2867 करोड़ का अनुबंध किया

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने डीआरडीओ-एआईपी प्रणाली के लिए एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) प्लग के निर्माण और भारतीय पनडुब्बियों पर इसके एकीकरण तथा कलवरी- श्रेणी पनडुब्बियों पर इलेक्ट्रॉनिक हैवी वेट टॉरपीडो (ईएचडब्ल्यूटी) के एकीकरण के लिए लगभग 2,867 करोड़ रुपये के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों अनुबंधों पर यहां रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। एआईपी प्लग के निर्माण और इसके एकीकरण का अनुबंध मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई के साथ लगभग 1,990 करोड़ रुपये का हुआ, जबकि डीआरडीओ द्वारा विकसित किए जा रहे ईएचडब्ल्यूटी के एकीकरण का अनुबंध नेवल ग्रुप, फ्रांस के साथ लगभग 877 करोड़ रुपये की लागत से किया गया। एआईपी तकनीक को डीआरडीओ द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है। एआईपी-प्लग के निर्माण और इसके एकीकरण से संबंधित परियोजना पारंपरिक पनडुब्बियों की शक्ति को बढ़ाएगी और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इससे लगभग तीन लाख मानव दिवसों का रोजगार सृजित होगा। ईएचडब्ल्यूटी का एकीकरण भारतीय नौसेना, डीआरडीओ और नौसेना समूह, फ्रांस का संयुक्त प्रयास होगा। इससे भारतीय नौसेना की कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों की मारक क्षमता में काफी वृद्धि होगी।

आरबीआई ने 2024-25 में जीडीपी ग्रोथ 6.6 फीसदी रहने का अनुमान जताया

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। आरबीआई ने एक रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती और स्थिरता का प्रदर्शन कर रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान है। आरबीआई ने वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) दिसंबर, 2024 का अंक जारी करते हुए कहा कि अर्थव्यवस्था को ग्रामीण खपत में सुधार, सरकारी खपत और निवेश में तेजी तथा मजबूत सेवा निर्यात से समर्थन मिला है। रिपोर्ट के अनुसार सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात कई वर्षों के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक की यह रिपोर्ट भारतीय वित्तीय प्रणाली की जुझारू क्षमता और वित्तीय स्थिरता के जोखिमों पर

(आरबीआई) ने जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) मुनाफा बढ़ने, गैर-निष्पादित आस्तियों में वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति के सामूहिक मूल्यांकन को दर्शाती है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया कमी, पर्याप्त पूंजी और नकदी भंडार के कारण अच्छी स्थिति में हैं। परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (आरओए) और इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई) दशक के उच्चतम स्तर पर हैं, जबकि सकल गैर-निष्पादित आस्ति (जीएनपीए) अनुपात कई साल के निचले स्तर पर आ गया है।

इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि व्यापक दबाव परीक्षण से पता चलता है कि अधिकांश एससीबी के पास प्रतिकूल स्थिति में पर्याप्त मात्रा में अतिरिक्त पूंजी है। एफएसआर में अर्थव्यवस्था के बारे में कहा गया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर घटकर छह फीसदी पर आ गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की पहली और दूसरी छमाही में क्रमशः 8.2 फीसदी और 8.1 फीसदी रही थी। रिजर्व बैंक ने रिपोर्ट में कहा है कि इस हालिया सुस्ती के बावजूद संरचनात्मक वृद्धि चालक बरकरार हैं। घरेलू चालक, मुख्य रूप से सार्वजनिक खपत और निवेश तथा मजबूत सेवा निर्यात के कारण चालू वित?त वर्ष 2024-25 की तीसरी और चौथी तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर में सुधार होने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट में महंगाई के बारे में कहा गया है कि बंपर खरीफ फसल और रबी फसल के चलते आगे चलकर खाद्यान्न कीमतों में नरमी आने की उम्मीद है। हालांकि, चरम मौसम की घटनाओं के बढ़ते रुझानों के कारण जोखिम बने हुए हैं। वहीं, भू-राजनीतिक संघर्ष वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और जिंस कीमतों पर दबाव डाल सकते हैं।

सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स का शेयर पहले दिन के कारोबार में करीब 43 फीसदी चढ़ा

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। औषधि कंपनी सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड का शेयर बाजारों में शानदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर 391 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 43 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) 2,568.87 करोड़ रुपये रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य से 51.84 फीसदी की तेजी के साथ 593.70 रुपये पर शुरुआत की। दिन में कारोबार के दौरान यह 55.75 फीसदी उछलकर 609 रुपये पर पहुंच गया। कारोबार के अंत में कंपनी का शेयर 42.65 फीसदी की तेजी के साथ 557.80 रुपये पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर यह 53.45 फीसदी के प्रीमियम के साथ 600 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।

कारोबार के अंत में यह 42.46 फीसदी की तेजी के साथ 557.05 रुपये पर बंद हुआ है। वहीं, मात्रा के लिहाज से बीएसई पर कंपनी के 10.98 लाख शेयरों का कारोबार हुआ और दिन के कारोबार के दौरान एनएसई पर 142.34 लाख शेयरों का आदान-प्रदान हुआ।

अहमदाबाद स्थित कंपनी के 582 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को ताजा निर्गम और प्रचर्तकों और अन्य शेयरधारकों द्वारा मूल्य दायरे के ऊपरी छोर पर 82.11 करोड़ रुपये मूल्य के 21 लाख शेयरों तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद की सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड एक वैश्विक शोध संचालित फार्मास्युटिकल कंपनी है। यह कंपनी विभेदित जटिल फार्मास्युटिकल उत्पादों के विकास और निर्माण में लगी है। इसके अलावा यह अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के विनियमित बाजारों और विभिन्न चिकित्सीय क्षेत्रों और खुराक रूपों में उभरते बाजारों के लिए BwB सेगमेंट में जेनेरिक फार्मास्युटिकल उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के विकास और निर्माण करती है। मंगलवार को बोली के अंतिम दिन मजबूत निवेशकों की भागीदारी के बीच 93.69 गुना अभिदान प्राप्त हुआ। कंपनी ने आरंभिक शेयर बिक्री के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 372-391 रुपये प्रति शेयर तय किया था। कंपनी के आईपीओ में 500 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों का

शुरुआती मजबूती के बाद शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,015 अंक तक लुढ़का

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज सप्ताह के पहले दिन ही गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार मजबूती बनाने में सफल रहा लेकिन दूसरे सत्र में बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लाल निशान में गिर गए। बिकवाली के दबाव के कारण आज सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,015 अंक तक लुढ़क गया। इसी तरह निफ्टी भी ऊपरी स्तर से 316 अंक तक टूटा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत और निफ्टी 0.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट में आईटी, टेक, फार्मास्यूटिकल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। दूसरी ओर पीएसई, ऑटोमोबाइल, रियल्टी, मेटल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा।

इसके साथ ही ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 441.50 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 442.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 81 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,267 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,489 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 2,633 शेयरों में गिरावट का रुख रहा। 145 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,554 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति

लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.18 प्रतिशत फिसलकर 70.47 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.01 प्रतिशत उतरकर 74.16 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

लिस्टिंग के जरिये 3 कंपनियों की स्टॉक मार्केट में दस्तक, सेनोरेस फार्मा ने निवेशकों को कराया जबरदस्त मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। तीन कंपनियों ने आज अपने शेयर की लिस्टिंग से घरेलू शेयर बाजार में दस्तक दी। इन तीन कंपनियों में से दो के शेयर बढ़त के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए, जबकि एक कंपनी के निवेशकों को पहले दिन ही करीब 10 प्रतिशत का नुकसान हो गया। दवा बनाने वाली कंपनी सेनोरेस फार्मा के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 391 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इसके शेयर 593.70 रुपये के भाव पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर इसके शेयर 600 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। इस तरह आईपीओ निवेशकों को करीब 53 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। हालांकि लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर ने 538.85 रुपये के स्तर तक गोता लगा दिया। बाद में खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये शेयर निचले स्तर से करीब 23 रुपये की रिकवरी करके 562 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। सेनोरेस फार्मा का 582.11 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 24 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिससे ये ओवरऑल 97.86 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 97.84 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 100.35 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 93.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके साथ ही 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 21 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आज ही होटल और रिसॉर्ट बनाने वाली कंपनी वेंटिव हॉस्पिटैलिटी के शेयरों ने 11 प्रतिशत प्रीमियम के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी ने 643 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बीएसई पर कंपनी के शेयर 718.15 रुपये के भाव पर और एनएसई पर 716 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। दिन के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर उछल कर 749 रुपये के स्तर तक पहुंचे, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर 702 रुपये के स्तर तक लुढ़क भी गए। दिनभर के कारोबार के बाद वेंटिव हॉस्पिटैलिटी के शेयर 704.35 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह आईपीओ निवेशकों को पहले दिन 9.54 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। वेंटिव हॉस्पिटैलिटी का 1,600 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 24 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से औसत रिस्पॉन्स मिला था, जिससे ये ओवरऑल 10.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 9.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 14.6 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.19 गुना और कर्मचारियों के लिए रिजर्व पोर्शन 10.03 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,48,83,358 नए शेयर जारी किए गए हैं।

पत्तागोभी के कीड़े नकिल भी जाएंगे, तब भी इन लोगों की सेहत के लिए 'मुसीबत' बन सकती है ये सब्जी, ये हैं खतरे

हाल ही में पत्तागोभी खाने से राजस्थान के गंगानगर में एक 14 साल की बच्ची की मौत हो गई. हालांकि फाइबर, फोलेट, कैल्शियम, पोटेशियम और विटामिन, , ष्ट और कई अन्य पोषक तत्वों से भरी पत्तागोभी खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद है.

पत्तागोभी खाने से हाल ही में राजस्थान के गंगानगर में एक 14 साल की बच्ची की मौत हो गई. इस दिल दहला देने वाली घटना से हर कोई सकते में हैं. दरअसल हरी सब्जियों को सेहत का खजाना माना जाता है. लेकिन जब कोई हरी सब्जी फायदे के बजाए मौत की वजह बन जाए तो इसके पीछे कई सवाल खड़े हो जाते हैं. दरअसल 14 वर्षीय स्नेहा ने 18 दिसंबर को अपने खेत में टहलते हुए खेत की पत्तागोभी के कुछ पत्ते तोड़कर खा लिए. जब ये बच्ची घर आई तो बेहोश होने लगी. दरअसल इस बच्ची ने जो पत्तागोभी खाई, उसपर कुछ समय पहले ही उसके चाचा ने कीटनाशक का छड़िकाव कयिा था. ये एक दुखद घटना थी. वैसे देखा जाए तो फाइबर, फोलेट, कैल्शियम, पोटेशियम और विटामिन, , ष्ट और कई अन्य पोषक तत्वों से भरी पत्तागोभी खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद है. लेकिन इसके बाद भी कई लोग ऐसे होते हैं, जनिके लिए ये सब्जी मुसीबत ला सकती है. आइए बताते हैं आपको इसके बारे में.

पत्तागोभी को लेकर कई तरह की नकारात्मक खबरें पछिले दनिों सामने आती रही हैं. लेकिन सच ये है कि ये सब्जी सेहत के लिए कई फायदे लेकर आती है. इसमें पाए जाने वाले फाइटोन्यूट्रिएंट्स कैंसर के खतरों को भी कम करते हैं. हालांकि इसके बाद भी ये सब?जी कई लोगों की सेहत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है.

कैंसर पेशंटों का न खाने की सलाह

मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के अनुसार, पत्तागोभी के एक कप में करीब 5.8 ग्राम फाइबर होता है. लेकिन इस सब्जी में ऐसा फाइबर भी होता है, जो पेट में आसानी से नहीं घुलता. जिससे शरीर के पाचन तंत्र में अपशिष्ट पदार्थों की गति बढ़ जाती है. यही कारण है ज्यादा पत्तागोभी खाने से दस्त की शिकायत हो सकती है. इस सब्जी को कीमोथेरेपी ले रहे कैंसर पेशंट को न खाने की सलाह दी जाती है. उसकी वजह होती है कि कई बार इसके कारण आंतों में भी समस्या हो सकती है.

पेट फूलना, डकार की परेशानी

ज्यादा पत्तागोभी खाने से पेट में ज्यादा गैस बनने का खतरा रहता है. पत्तागोभी में रेफिनोज नामक तत्व काफी मात्रा में होता है. रेफिनोज एक प्रकार का जटिल कार्बोहाइड्रेट है, जसि पचाना आसान नहीं होता और यह आपकी आंतों से गुजरता है. यही कारण है ज्यादा पत्तागोभी खाने से पेट फूलने लगता है. कई बार अत्यधिक गैस बनना या फिर डकार आने की समस्या आपको हो सकती है.

ब्लड थिनर ले रहे हैं तो डॉक्टर से पूछकर खाएं ये सब्जी

पत्तागोभी में उच्च मात्रा में विटामिन '' मौजूद होता है. मैरीलैंड मेडिकल सेंटर यूनिवर्सिटी के अनुसार, विटामिन 'के' की दैनिक मात्रा पुरुषों के लिए 120 माइक्रोग्राम और महिलाओं के लिए 90 माइक्रोग्राम है. विटामिन आपके शरीर में खून के थक्के बनाने में काम आता है. लेकिन ज्यादा पत्तागोभी खाने से ब्लड पतला करने वाली दवाओं में बाधा आ सकती है. ऐसे में इस बात का ध्यान रखें कि आप कितनी मात्रा में पत्तागोभी खा रहे हैं. अगर आप ब्लड थनिर ले रहे हैं तो तो अपने डॉक्टर की सलाह के बाद ही पत्तागोभी का सेवन करें.

हाइपोथायरायडिज्म का खतरा

बहुत कम लोग जानते हैं कि पत्तागोभी का ज्यादा सेवन शरीर में थायराइड के स्तर को प्रभावित कर सकता है. कई स्थितियों में तो यह हाइपोथायरायडिज्म का कारण बन सकता है.

बेलगावी कांग्रेस कार्यसमिति बैठक से मिले राजनीति में नयी लहर के संकेत

जिस तरह से कांग्रेस कार्यसमिति ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के कांग्रेस के राजनीतिक भाग्य पर पड़ने वाले प्रभाव को रेखांकित किया, वह 2025 में सघन आंदोलन और संपर्क कार्यक्रम चलाने की उनकी दृढ़ इच्छा का संकेत है, जिसमें कांग्रेस संगठन को ऊपर से नीचे तक पुनर्जीवित करने की क्षमता है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने कर्नाटक के बेलगावी में विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) बैठक के दूसरे दिन होने वाले महाधिवेशन - जय गांधी, जय भीम, जय संविधान - को स्थगित कर दिया, और इसके बजाय, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के दुखद निधन पर शोक सभा आयोजित की। लेकिन सीडब्ल्यूसी और पार्टी के नेता भारत के संविधान की रक्षा के लिए आंदोलन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध दिखे, जो देश में कांग्रेस की राजनीति में नयी लहर का संकेत है।मूल कार्यक्रम के अनुसार, कांग्रेस को 27 दिसंबर को विस्तारित सीडब्ल्यूसी बैठक (26-27 दिसंबर) के दो दिवसीय समापन पर बेलगावी में एक रैली के साथ %जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान' शुरू करना था। यह आंदोलन 2025 के गणतंत्र दिवस पर मऊ में एक रैली के साथ समाप्त होने वाला था, जो संविधान के लागू होने और भारत गणराज्य की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ का उपलक्ष्य होगा। फिर भी, कांग्रेस सत्ता में बैठे लोगों द्वारा भारत के संविधान को कथित खतरों के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी, जैसा कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने संकेत दिया है।पार्टी के कार्यकर्ता इस महीने के दौरान न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि देश भर के हर राज्य, जिले और ब्लॉक स्तर पर रैलियां और मार्च आयोजित करेंगे। बेलगावी बैठक का आयोजन 2024 में आयोजित बेलगावी कांग्रेस अधिवेशन के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया था, जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था, और तब महात्मा गांधी द्वारा कांग्रेस की ऐतिहासिक अध्यक्षता की गयी थी। यह संविधान सभा द्वारा संविधान को 26 नवम्बर 1949 को आत्मार्पित करने की 75वीं वर्षगांठ भी थी। चूंकि 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान लागू हुआ था, 2025 के गणतंत्र दिवस पर भारत गणतंत्र के 75वें वर्ष में प्रवेश करेगा, जिसके अवसर पर कांग्रेस ने संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा नामक एक व्यापक राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क अभियान शुरू करने का फैसला किया है, जो वर्ष भर 26 जनवरी 2026 तक चलेगा।यह पदयात्रा गांव-गांव, कस्बे-कस्बे में रिले के रूप में होगी, जिसका विवरण जल्द ही घोषित किया जाएगा। अप्रैल 2025 के पहले पखवाड़े में गुजरात में होने वाला अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी (एआईसीसी)अधिवेशन न केवल पार्टी के लिए बल्कि पूरे देश की राजनीति के लिए भी एक महत्वपूर्ण घटना होगी, क्योंकि कांग्रेस वर्तमान में मुख्य विपक्षी दल है, साथ ही विपक्षी इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व भी कर रही है।यह ध्यान देने योग्य है कि इंडिया ब्लॉक अभी भीतर से कुछ तनाव से गुजर रहा है। कुछ नेताओं ने अपना विचार व्यक्त किया है कि भारत ब्लॉक का नेतृत्व कांग्रेस से ममता बनर्जी को स्थानांतरित किया जाना चाहिए, और आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने तो इंडिया ब्लॉक से कांग्रेस को बाहर करने की मांग भी की है। कांग्रेस के दिल्ली के चुनाव में उभरने के संकेत इसके कारण हो सकते हैं। हालांकि, चीजें फरवरी 2025 में होने वाले दिल्ली चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेंगी।इस बीच, कांग्रेस गांधी और अंबेडकर की विरासत को %सत्ता में बैठे लोगों', अर्थात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और आरएसएस-भाजपा परिवार से कथित खतरे के खिलाफ अपना अभियान तेज करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अंबेडकर पर हाल ही में संसद में की गयी टिप्पणी ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को शाह और केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू करने का मौका दे दिया है। कांग्रेस ने अंबेडकर, महात्मा गांधी और भारत के संविधान की पवित्रता को बचाने, संरक्षित और बढ़ावा देने की कसम खाई है। उधर भाजपा ने भी इन्हीं मुद्दों पर कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए अपनी रणनीति बनाई है। इसलिए देश में आने वाले 13 महीने राजनीतिक रूप से संवेदनशील होंगे क्योंकि गांधी, अंबेडकर और भारत के संविधान के मुद्दे पर कांग्रेस-भाजपा की राजनीतिक कुश्ती पिछले एक दशक की सांप्रदायिक राजनीति से काफी अलग होगी। संविधान, अंबेडकर और गांधी पर लगातार जोर देने से देश के मतदाताओं के दिमाग पर असर पड़ सकता है, जो धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय के पक्ष में हिंदुत्व की राजनीतिक भावनाओं की ताकत को कमजोर कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो यह एक नये दौर की राजनीति की शुरुआत होगी।

विस्तारित सीडब्ल्यूसी बैठक में कुछ अन्य विशेषताएं भी ध्यान देने योग्य हैं। सीडब्ल्यूसी ने संसद में अमित शाह द्वारा डॉ. अंबेडकर का अपमान करने को संविधान को कमजोर करने की आरएसएस-भाजपा की दशकों पुरानी परियोजना करार दिया। सीडब्ल्यूसी ने केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफे और राष्ट्र से माफी मांगने की मांग दोहराई। सीडब्ल्यूसी ने लोकतंत्र के ह्रास को भी उजागर किया। इसने कहा कि न्यायपालिका, चुनाव आयोग और मीडिया जैसी संस्थाओं का कार्यकारी दबाव के माध्यम से राजनीतिकरण किया गया है। साथ ही कहा कि संविधान के संघीय ढांचे पर हमला जारी है, और हाल ही में सरकार के %एक राष्ट्र, एक चुनाव' विधेयक से इसका ताजा उदाहरण है।

सीडब्ल्यूसी ने चुनाव संचालन नियम 1961 में केंद्र के संशोधन की निंदा की, जो पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों को कमजोर करता है। संशोधन को पहले ही भारत के सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी जा चुकी है। कांग्रेस नेताओं ने हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव के दौरान चुनाव आयोग द्वारा कुछ गलत किए जाने का संदेह जताया है, जिससे कथित तौर पर चुनावी प्रक्रिया की अखंडता नष्ट हो रही है।कांग्रेस को हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र दोनों में चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा है और पार्टी इस सदमे से बाहर आने की पूरी कोशिश कर रही है। कांग्रेस कार्यसमिति के ताजा रुख और कांग्रेस नेतृत्व के बयानों से साफ पता चलता है कि उन्हें इस सदमे से उबरना होगा और कम से कम अगले 13 महीनों तक सत्ताधारी प्रतिष्ठान के खिलाफ एक गहन आंदोलन शुरू करना होगा।सीडब्ल्यूसी ने सांप्रदायिक और जातीय घृणा में राज्य प्रायोजित वृद्धि को उजागर किया, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ। इसने मणिपुर हिंसा का जिक्र किया और प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की उदासीनता पर जोर दिया। सांप्रदायिक तनाव और पूजा स्थल अधिनियम 1991 के प्रावधानों के उल्लंघन का भी जिक्र किया गया।सीडब्ल्यूसी की एक और राजनीतिक रूप से संवेदनशील मांग सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना और आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा बढ़ाने की है। आर्थिक मोर्चे पर, सीडब्ल्यूसी ने आगामी केंद्रीय बजट में देश के मध्यम वर्ग और गरीबों को राहत देने की मांग की। कांग्रेस ने उद्योग, व्यापार और वाणिज्य पर कर आतंकवाद को समाप्त करने की भी मांग की। कृषि और ग्रामीण रोजगार की घोर उपेक्षा के लिए केंद्र सरकार की भी आलोचना की गयी।जिस तरह से कांग्रेस कार्यसमिति ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के कांग्रेस के राजनीतिक भाग्य पर पड़ने वाले प्रभाव को रेखांकित किया, वह 2025 में सघन आंदोलन और संपर्क कार्यक्रम चलाने की उनकी दृढ़ इच्छा का संकेत है, जिसमें कांग्रेस संगठन को ऊपर से नीचे तक पुनर्जीवित करने की क्षमता है।

संपादकीय

भावनात्मक अतिरेक का शिकार बनता देश

यूं तो कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब हमारे देश में धार्मिक विद्वेष और घृणा का कोई मामला सामने न आता हो। पूरे साल भर अल्पसंख्यकों - खास तौर से मुसलमानों के ख़िलाफ़ एक अभियान सा चलता रहता है लेकिन साल ख़त्म होते-होते नफ़रती जमात का रुख़ ईसाई समुदाय की तरफ हो जाता है। इस समुदाय के त्यौहार वैसे ही गिने-चुने होते हैं, फिर भी हर मुमकिन कोशिश की जाती है कि वह उन्हें शांति से न मना पाये। क्रिसमस के आसपास ऐसी कोशिशें बहुत खुलकर और तेज होती दिखाई देती हैं।हाल ही में पलक्कड़ में एक स्कूल में बच्चों को क्रिसमस मनाने से रोका गया और शिक्षकों के साथ बदसलूकी की गई। अहमदाबाद के एक स्कूल में क्रिसमस ट्री समेत त्योहार की सारी साज-सज्जा हटवा दी गई। आगरा में सांता क्लॉज़ मुर्दाबाद के नारे लगाये गये और उसका पुतला जलाया गया। गुजरात में सांता क्लॉज़ की पोशाक पहनकर लोगों को उपहार बांट रहे शख्स को यह कहकर पीटा गया कि यह हिन्दुओं का इलाका है, यहां ये सब नहीं चलेगा। इंदौर में एक डिलीवरी बॉय की सांता क्लॉज़ की पोशाक उतरवा ली गई। उससे कहा गया कि जब हिन्दू त्योहारों पर तुम किसी देवी-देवता जैसी पोशाक नहीं पहनते हो तो क्रिसमस पर क्यों। लखनऊ में भीड़ ने चर्च के सामने हरे रामा-हरे कृष्णा गाते हुए उछल-कूद की।इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वे तमाम तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, जिनमें वे पादरियों के बीच खड़े हुए हैं या जीसस के शिशु प्रतिरूप के सामने सर नवा रहे हैं। ज़ाहिर है कि ये तस्वीरें अपने आप नहीं आई होंगी। हमेशा की तरह एक बड़ी कैमरा टीम प्रधानमंत्री के साथ रही होगी, जिसने अलग-अलग कोण से उनकी तस्वीरें ली होंगी। उन्होंने एक्स पर क्रिसमस की शुभकामनाओं का सन्देश भी प्रसारित किया, जिसमें उन्होंने कहा कि प्रभु ईसा मसीह की शिक्षाएं सभी को शांति और समृद्धि का मार्ग दिखाएं। उनसे पूछा जाना चाहिए कि इस सभी में धर्म के नाम पर बवाल खड़ा करने वाले उनके भक्त भी शामिल हैं या नहीं या फिर ये हाथी के दांत वाला मामला है!जानकारों का मानना है कि पश्चिमी देशों को दिखाने के लिए ऐसे प्रपंच रचे जाते हैं। लेकिन पश्चिमी देश इतने मासूम तो नहीं कि इस दिखावे की हकीक़त न समझते हों। अगर ऐसा होता तो वे अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट में भारत की आलोचना नहीं करते और न ही भारत को शर्मिन्दा होना पड़ता। ऐसी आलोचनाओं का जवाब देने की भी उसे ज़रूरत होती। जो देश लोकतंत्र की जननी और दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति होने जैसे दावे करता है, उस पर दुनिया की नज़रें बनी ही रहती हैं।

अभी-अभी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया डॉ. मोहन भागवत ने भी ये कहा कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर की तलाश बंद होनी चाहिये। काश, वे यह भी कहते कि दूसरे धर्मों के आराधना स्थलों और शिक्षा संस्थानों पर आये दिन किया जाने वाला हुड़दंग बंद होना चाहिये।हिंदुत्व के नाम पर उपद्रव करने वालों को ये अहसास नहीं है कि करोड़ों भारतीय - जिनमें ज़्यादातर हिन्दू ही हैं, पढ़ाई, रोज़गार या फिर कारोबार के लिये विदेशों में रह रहे हैं, उन पर ऐसी बेजा हरकतों का क्या असर हो सकता है। बांग्लादेश का ताज़ा उदाहरण हमारे सामने है, जहां हिन्दुओं पर अत्याचार को लेकर काफ़ी शोर मचाया गया, विरोध प्रदर्शन किया गया। इस सबके बावजूद मोदी सरकार चुप रही क्योंकि वह अपना नैतिक अधिकार खो चुकी है। बांग्लादेश में इस्कॉन पर हुए हमलों पर भी आक्रोश जताया गया, लेकिन इसी संस्था से जुड़े लोग अपने ही देश में चर्च के सामने बेहूदगी दिखा रहे हैं। क्या यह माना जाये कि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, उसकी कुंठा भारत में इस तरह निकाली जा रही है? एक राष्ट्र और समाज के तौर पर दुनिया में हमारी छवि कैसी बन रही है, इस बात से बेपरवाह धर्म के ठेकेदार देश के भीतर गृह युद्ध की नौबत लाने पर उतारू हैं।हालांकि इस बार क्रिसमस पर कुछ मज़ेदार चीज़ें भी देखने को मिलीं जैसे जिंगल बेल...जिंगल बेल...को कहीं कव्वाली और कहीं पंजाबी रैप की शैली में गाया जाना, कहीं गायत्री मंत्र तो कहीं ओम जय जगदीश हरे की तज़ पर जिंगल बेल गाकर सांता बने बच्चे की आरती उतारना।

भरी गागर थे मनमोहन सिंह, छलकती तो अधजल गगरी है!

मनमोहन सिंह की सबसे बड़ी ताकत क्या है? यह कि उनके बारे में बताने में, उनके काम गिनाने की जरूरत नहीं। सब जनता को मालूम है। क्यों? क्योंकि उन कामों ने उसकी जिन्दगी बदली। नया मध्यम वर्ग बना। यह बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों तक निर्माण की क्रान्ति देखते हैं। रहने के लिए मकान, मॉल, बाजारों का विस्तार यह सब उसी समय का है। लोगों के पास पैसा आ रहा था वह खर्च कर रहे थे।मौन को अवगुण कमजोरी की तरह स्थापित किया और इसके सामने बड़बोलेपन को सबसे बड़े गुण की तरह पेश। लेकिन सब तूमार (फेब्रिकेशन) खत्म हो गया। इतना मीडिया, इतना पैसा, पूरी सत्तारुढ़ पार्टी, सरकार सब फेल हो गए। शांति से मौत के आगोश में गए मनमहोन सिंह आखिरी-आखिरी तक कुछ नहीं बोले। मगर उनके जाते ही लोग जिस तरह बोले, मीडिया के मुंह से अनायास सच निकला उसने बता दिया कि झूठा प्रचार कुछ नहीं होता है। किसी सच को हमेशा के लिए दबा कर नहीं रख सकता। काम, शराफत और विद्वता अपने आप बोलते हैं। और फिर झूठ, उपहास, बड़बोलापन उसके सामने बहुत बौने हो जाते हैं।मौन, कम बोलना, केवल आवश्यक बोलना, साधना, विद्वता से अर्जित सबसे विरल गुण होता है। उसे कमजोरी बताया। जो सबसे ताकतवर आन्तरिक शक्ति है उसका उपहास उड़ाया!एक उदाहरण देते हैं। राम का। रामचरित मानस, वाल्मिकी कृत रामायण कहीं ज्यादा बोलते हुए दिखे? कौन था सबसे बड़बोला? सबका उपहास उड़ाने वाला? किसी को कुछ नहीं समझने वाला? नाम बताएं क्या? रावण के अलावा और कौन? महाभारत में सबसे ज्यादा कौन बोलता है? दुर्योधन ही ना! कहीं अर्जुन ज्यादा बोलता दिखा?मगर गजब है हमारा मीडिया। भाजपा की तो ठीक है राजनीति है। और दूसरे की लकीर छोटी करने के अलावा उसके पास कुछ और है भी नहीं। दक्षिणपंथी विचार की यह मजबूरी है। नकारात्मकता से वह निकल ही नहीं पाती है। उसे तो चरित्रहनन करना था। गांधी, नेहरू, आंबेडकर से लेकर मनमोहन सिंह, सबका। मगर मीडिया, देश के दूसरे संस्थान, जनता, बुद्धिजीवी वर्ग सबको क्या हो गया था? 56 इंच की छाती, लाल आंखें करना, एक अकेला सब पर भारी की आत्मश्लाघा को गुण बता रहे थे! और अन्तर्मुखी स्वभाव, नर्म लहजा, शब्दों के उचित चयन को कमजोरी!क्या हुआ? सब भरभरा कर गिर गया। मनमोहन सिंह ने कुछ नहीं किया। 2014 से घर में बैठे थे। जब प्रधानमंत्री मोदी ने गिरती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए कोई मदद मांगी, बिना किसी को बताए, बिना प्रचार किए दी।

इसके बावजूद दी कि उनके कुर्सी से हटते ही उनके घर सीबीआई पहुंचा दी थी। क्या हुआ? क्या मिला? गिरफ्तार करना था उन्हें।लेकिन मनमोहन सिंह पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। कोई विद्वेष की भावना नहीं आई। यह बड़प्पन होता है। गुरुता।और इसलिए मीडिया का, भाजपा का, मोदी सरकार का, भक्तों का बांधा हुआ सारा तूमार एक मिनट में खत्म हो गया। मनमोहन सिंह के जाते ही उन्हें दिल से याद करने, आम भारतीयों की जिन्दगी बदलने, हाथ में पैसा देने, हर तरफ काम ही काम के मौके देने के किस्से आम-ओ-खास सबके मुंह से निकलने लगे। अंबानी-अडानी जो मोदी सरकार के खास हैं वे भी नहीं कह पाए कि मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था डुबो दी थी। बोलना था तो इतना ही बड़ा झूठ बोलना था। मीडिया संभाल लेता। मगर हिम्मत नहीं पड़ी। और उनकी क्या जिन प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें देहाती औरत, रेनकोट पहनकर नहाने वाला और यहां तक कि पाकिस्तान से मिलकर मनमोहन सिंह और कुछ कांग्रेसी नेता गुजरात में उनकी सरकार बदलना चाहते हैं जैसे आरोप लगाए उन्हें भी श्रद्धाजंलि देते हुए मनमोहन सिंह के लिए ईमानदार शब्द का उपयोग करना पड़ा।

माहौल से बड़ा कोई नहीं होता। मनमोहन सिंह की मौत के बाद अचानक ऐसा माहौल बदला कि कोई उन शब्दों को नहीं बोल सका जो 2004 से जब से वे बने थे उनकी मृत्यु से कुछ समय पहले तक बोल रहे थे।यह सत्य की बहुत बड़ी विजय है। सबने देख लिया कि सच्चाई को हमेशा छुपाया नहीं जा सकता। पूरी दुनिया में तो मनमोहन सिंह को सम्मान मिलना ही था। वहां तो हमेशा से मिलता रहा। इसके बारे में इतना लिखा गया कि सबको मालूम है। यहां फिर से बताने की जरूरत नहीं। मगर यहां जैसा माहौल बदला वह बताना जरूरी है।हालांकि मोदी सरकार ने अपनी राजनीति करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ट्रोल आर्मी, नए भक्त, पुराने भक्त उसको जस्टिफाई करने में लग गए। मगर पहली बार है कि कोई कर नहीं पाया ।

जनता में सवाल चला गया कि निगम बोध घाट के सार्वजनिक श्मशान घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री की अन्त्येष्टि क्यों? वैसे तो खुद ही करना था। केन्द्र सरकार का काम होता है। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम क्रिया का। लेकिन इस सरकार को जानते थे सब इसलिए मनमोहन सिंह के परिवार ने और कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सरकार से उनकी अन्त्येष्टि राजघाट क्षेत्र में जहां प्रधानमंत्रियों की समाधियां हैं वहां करने की मांग की थी।मगर सरकार ने निगम बोध घाट निर्धारित किया। वहां क्या हुआ। मनमोहन सिंह के शोक में डूबे परिवार के साथ धक्का मुक्की। पूरी तरह अव्यवस्था। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी देश के नाम संदेश देकर उनके कामों की सराहना कर रहे हैं दूसरी तरफ पूर्ण गरिमा के साथ उनके अन्तिम संस्कार की व्यवस्था भी नहीं। अभी भी उनकी लकीर छोटी करने की कोशिश। क्या हो पाएगी?मनमोहन सिंह के एपिसोड ने बता दिया कि जनता का जीवन बदलने और उसे 5 किलो अनाज में फंसाए रखकर वैसे ही गरीबी में और यह भी मिलना खत्म न हो जाए के डर में जिन्दा रखने में बहुत फर्क होता है। मनरेगा दिया। जहां काम के बदले पैसे मिलते थे। गांवों की जिन्दगी बदल गई थी। रोजगार और उसका मुआवजा। यह मुफ्त का अनाज तो देश की श्रम शक्ति को नकारा बना रहा है।

मुफ्त अनाज का मतलब है नौकरी नहीं देना। दूसरे किसी रोजगार की व्यवस्था नहीं करना। दस साल पहले देश में काम की कमी नहीं थी। भारत के हर युवा के पास काम था। वह छोटे कम्प्यूटर के कोर्स करके और दूसरे तकनीकी काम सीखकर विदेश जा रहे थे। पढ़े-लिखे प्रोफेशनल तो नेहरू के समय से अमेरिका, यूरोप और इंग्लैंड जाने लगे थे। मगर 2004 के बाद इन देशों सहित खाड़ी देशों में भारत की वर्क फोर्स की मांग बहुत बढ़ गई थी। अभी जब प्रधानमंत्री मोदी कुवैत में थे तो इसी वर्क फोर्स का जिक्र कर रहे थे कि हमारे पास है। मगर यह नहीं बता रहे थे कि पहले की तैयार की हुई। उनके शासन काल में कोई नए काम करने वाले प्रशिक्षित युवा तैयार नहीं हुए।मनमोहन सिंह की सबसे बड़ी ताकत क्या है? यह कि उनके बारे में बताने में, उनके काम गिनाने की जरूरत नहीं। सब जनता को मालूम है। क्यों? क्योंकि उन कामों ने उसकी जिन्दगी बदली। नया मध्यम वर्ग बना। यह बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों तक निर्माण की क्रान्ति देखते हैं। रहने के लिए मकान, मॉल, बाजारों का विस्तार यह सब उसी समय का है। लोगों के पास पैसा आ रहा था वह खर्च कर रहे थे। आज मॉल, बाजार क्या पहले की तरह गुलजार हैं?लोगों को अपने आप समझ में आ रहा है। और यही उस मौन की सबसे बड़ी ताकत थी। थोथा चना बाजे घना! गांव-गांव की जानी पहचानी कहावत है। मगर अर्थ अचानक खुलते हैं और आज वह खुल गए। भरी गगरी क्यों छलकेगी?भरी गागर थे मनमोहन सिंह। कभी-कभी मौत फैसला करती है। बड़ी शान से गए। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कहां ले जाकर चिता बनाई। उनका स्थान देश के करोड़ों-करोड़ों लोगों के दिल में और मजबूत हो गया।

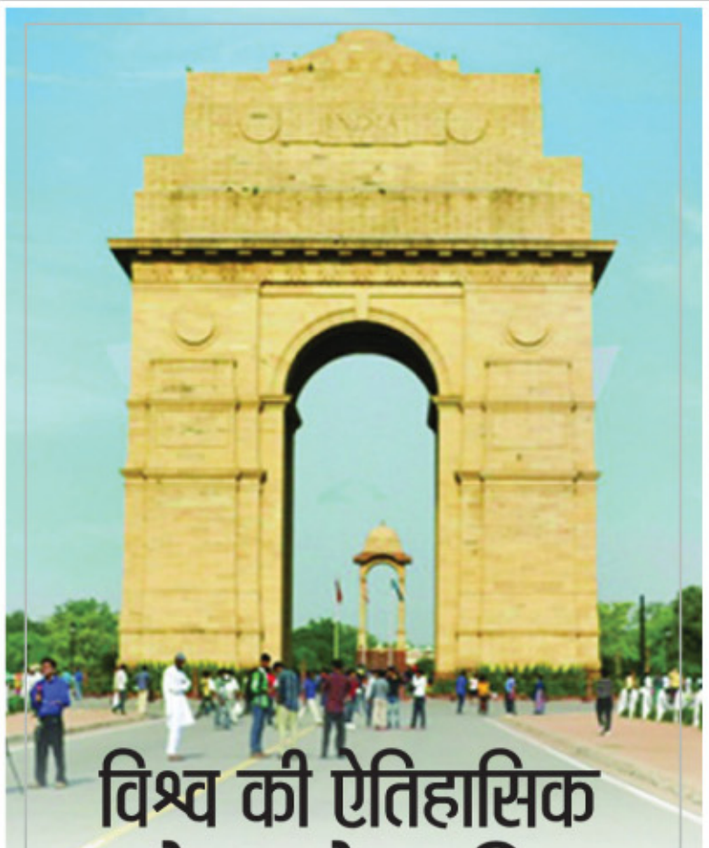

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है.हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं.हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है.आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्थापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सैनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नीव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षो का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्टपति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।

एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।

मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।

मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?

मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।

सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा? मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?

सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?

मछली सोच में पड़ गई।

सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला। मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।

बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना। मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।

रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।

सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?

चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?

बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।

किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोड़ूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोड़ूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नही पाती है।

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे.बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

आसमान का राजा बाज

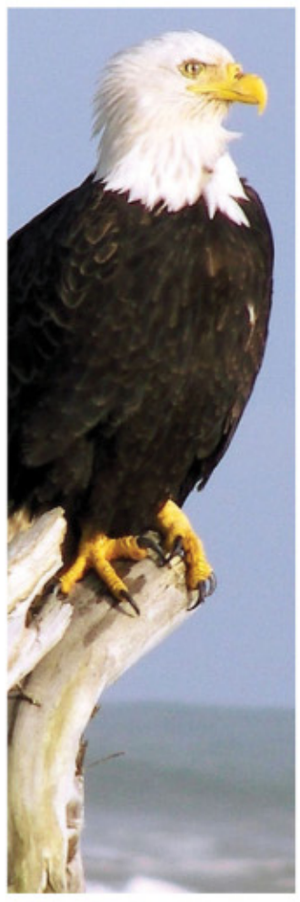

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है.एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है.बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.

बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है.यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है.और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है.बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है.क्थद्द्वद्र शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है.बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है. बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है.विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है.एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है.इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है.मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है.एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है.उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है.इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है.यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है.क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है.इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा ८ बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तौर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिममेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशों में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है। इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति कैनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नही है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।

गर्भावस्था और शरीर का संतुलन

वैज्ञानिकों ने इस राज का पता लगा लिया है कि गर्भावस्था में अधिक वजन बढ़ने के बावजूद महिलाएं किस प्रकार संतुलन कायम रख पाती हैं और क्यों आगे की आर गिरती नहीं हैं। इस संबंध में किए गए शोधों से पता चला है कि महिलाओं की कमर के निचले हिस्से और कूल्हे के जोड़ों की हड्डियों का विकासक्रम पुरूषों से अलग रहा है और यही उन्हें गर्भावस्था में अपने गुरूत्वाकर्षण के केन्द्र को समायोजित करने में मदद करता है।

आज नेचर जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन रिपोर्ट में बताया गया है कि मानवीय शरीर संरचना की यह कलाकारी केवल महिलाओं और दो पैर पर चलने वाले हमारे पूर्वजों यानी बंदरों में पाई गई है लेकिन चिम्पांजियों में ऐसा नहीं है। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में मानव विज्ञान की प्रोफेसर तथा रिपोर्ट के तीन लेखकों में से वास्तव में खुद गर्भवती लिजा शेपिरो ने बताया, यह भारी वजन होता है जो आपको आगे की आर खींचता है। आपको परेशानी का अनुभव होता है। लेकिन महिलाओं की हड्डियों का विकासक्रम यदि इस प्रकार का नहीं होता तो यह परेशानी और बढ़ सकती थी।

हार्वर्ड की मानव विज्ञान शोधकर्ता कैथरीन व्हाइटकोम्ब ने महिलाओं और पुरूषों की कमर की हड्डियों में दो अंतर पाए हैं जिन पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया था। महिलाओं में कमर के निचले हिस्से की रीढ़ की हड्डी फन के आकार की होती है जबकि पुरूषों में यह वर्गाकार होती है। इसके अलावा कूल्हे का एक महत्वपूर्ण जोड़ पुरूषों के शरीर के मुकाबले महिलाओं में 14 फीसदी बड़ा होती है।

शोधकर्ताओं ने इस संबंध में इंजीनियरिंग परीक्षण भी किए जिनसे पता चला कि किस प्रकार ये मामूली बदलाव महिलाओं को अतिरिक्त तथा निरंतर बढ़ते वजन को वहन करने की क्षमता प्रदान करते हैं। इससे महिलाओं को बढ़े भार की वजह से पीठ का दर्द भी नहीं होता है। व्हाइटकोम्ब के अनुसार, जब आप इसके बारे में सोचते हैं तो महिलाओं के लिए यह काफी आसान दिखता है। वे एक अच्छे और प्रभावशाली परिवर्तन को महसूस करती है।

गुणों से भरपूर आंवला

सब्जी वाले के पास जाओ तो वहां भी आंवले का अंबार दिख जाता है। घर में सभी महिलाएं इस मौसम में आंवले का मुरब्बा बनाती हैं। इसके बावजूद हम में से अधिकतर लोगों को आंवले के गुणों के बारे में पता नहीं होता। चलिए हम आपको बताते हैं कि आंवले में ऐसे कौन से औषधीय गुण हैं जो हमारी सेहत के लिए सही होते हैं-

आंवला विटामिन सी का बेहतरीन स्रोत है। आंवले की तासीर भी बहुत ठंडी होती है। इस मौसम में इसका मुरब्बा खाने से विटामिन सी की तो प्राप्ति होती ही है, विटामिन डी भी मिलता है।

हर 100 ग्राम आंवले में 600 मिलीग्राम विटामिन सी रहता है।

विटामिन के अलावा इसमें प्रोटीन, फैट, फाइबर, मिनरल, फास्फोरस, आयरन, कैल्शियम भी अन्य फ्रूट्स की तुलना में ज्यादा रहता है। इसलिहाज से भी इसे जरूर खाना चाहिए।

आंवले को किसी भी रूप में खा सकते हैं। चाहें तो सूखाते हुए इसमें नमक मिला दें और पाचक की तरह खाएं। चाहें तो चूर्ण बना लें, चटनी, अचार या मुरब्बा, हर हाल में यह सेहत के लिए बढ़िया होता है।

इसकी खास बात तो यह है कि इस मौसम में बनी आंवले की चीजों को गर्मी में खाना लाभाकरी होता है।

आंखों की रोशनी के लिए इसका सेवन किया जाना चाहिए।

ह्रदय धमनियों के अवरोध को यह दूर करता है और रक्त स्राव को नियमित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

हमारे शरीर की गर्मी को दूर करता है।

कब्ज होने पर रात को सोते समय एक चम्मच आंवले के चूर्ण को पानी या शहद के साथ लेने से कब्ज दूर होता है।

हमारे मस्तिष्क को भी दुरूस्त रखने में अहम भूमिका निभाता है।

आंवले का यदि रोजाना प्रयोग किया जाए तो बवासीर का खात्मा होता है।

यह दांतों के रोग पायरिया को रोक सकता है। इसके चूर्ण का दांतों के मंजन के रूप में इस्तेमाल अच्छा होता है जो दांतों को चमकाता है और मजबूत बाना है। यही नहीं, जिनके मुंह से बदबू आती है उन्हें आंवले के मंजन का प्रयोग जरूर करना चाहिए।

हेल्थ प्लस

रोगों को दूर रखे सौंफ

सौंफ के नाम से तो सभी परिचित हैं। हर रसोइ में पाई जाने वाली सौंफ चाय बनाने से लेकर, खाना खाने के बाद मुख शोधक के रूप में खाने में प्रतिदिन काम में लाई जाती है। प्रतिदिन प्रयोग में आने वाले मसालों में इसका विशिष्ट स्थान हैं।

- सौंफ पेट के रोगियों के लिए रामबाण औषधि है। सौंफ को नेत्र रोग नाशक, कफनाशक, बुद्धिवर्धक पाचक रूप में बहुत लाभदायक माना जाता है।
- नेत्र ज्योति में वृद्धि हेतु सौंफ, बादाम और मिश्री समान भाग में पीस लें। एक चम्मच सुबह-शाम पानी के साथ दो माह तक लें।
- गले में खारिश होने पर सौंफ को मुंह में चबाते रहने से बैठा गला साफ हो जाता है।
- सौंफ रक्त वर्ण को साफ करने वाली है एवं चर्म रोग नाशक है।
- गर्मी के दिनों में ठंडाई में सौंफ मिला कर पीजिए। इससे गर्मी शांत होगी और दिल मिचलाना बंद हो जाएगा।
- पेट दर्द होने पर भुनि हुई सौंफ चबाइए तुरन्त आराम मिलेगा।
- पेट में वायु प्रकोप होने पर दाल तथा सब्जी में सौंफ का छौंक कुछ दिनों तक प्रयोग में लाएं।
- खट्टी डकारें आने पर थोड़ी-सी सौंफ पानी में उबाल कर मिश्री डाल कर पीजिए। दो-तीन बार प्रयोग से आराम मिल जाएगा।
- कब्ज होने पर रात्रि में सोते समय गुनगुने पानी के साथ 1 चम्मच सौंफ का चूर्ण लें। 7-8 दिन तक लगातार लेते रहें।

सब्जी से बनाएं अपनी सेहत

ल्युहार में हरी सब्जियों की बड़ी भूमिका होती है। हमारे शरीर के लिये सभी आवश्यक तत्व हरी सब्जियों सो मिल जाते है। ये सेहत व सौंदर्य प्रदान करती है। हरी सब्जियों से प्राप्त तत्व शरीर में रोग प्रतिरेध शक्ति का विकास करते है। इनके सेवन से पाचन शीघ्र होता है। बिगड़ा हुआ पाचन सुधरता है। शरीर को पौष्टिता प्राप्त होती है और सबसे बड़ी बात सौंदर्य में वृद्धि होती है।

संसार भर के पुरूष व महिलाएं स्वास्थ्य तथा सौंदर्य चाहते है, किंतु कोई भी प्राकृतिक आहार-विहार, दिनचर्या अपनाना नहीं चाहता। डिब्बाबंद आहार का चलन बहुत बढ़ा है। रेडीमेड खाद्य पदार्थ, हॉटडॉग इस आपाधापी के जीवन में ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहै है।

प्राकृतिक चिकित्सा वास्तव में चिकित्सा कम जीने की कला, आत्म साक्षात्कार का विज्ञान अधिक है, यह चिकित्सात्मक की अपेक्षा रक्षात्मक अधिक है। यदि हम अपना खानपान बदल लें तो जीवन पद्धति बदल जाएगी। शक्ति ऊर्जा अर्जित होने लगेगी। जहां शक्ति है, वहीं स्वास्थ्य हैं। वहीं सौंदर्य है। अन्न कम खाएं, सब्जियों का प्रयोग ज्यादा करें, वह भी रसेदार बनाकर, इससे शरीर के भीतर के अंग पुष्ट होते है। शरीर सुचारू रूप से कार्य करता है। व्यक्तित्व में स्वत: निखार आने लगता है। भीतर की ऊष्मा जब बाहर झलकती है, तो वही स्वास्थ्य कहलाता है, वही सौंदर्य बनकर दमकता है।

- कुछ सब्जियां तो बहुत उपयोगी हैं, जैसे करेला पेट के कृमि नष्ट करता है। रक्तशोधन कर अग्नाशय को सक्रिय करता है।
- टमाटर रक्त बढ़ाता है एवं त्वचा निखारता है।
- नीबू शरीर के पाचक रसों को बढ़ाता है।
- पालक हड्डियों को कैल्शियम से सुदृढ़ करता है। पत्तेदार सब्जी लौह तत्व से भरपूर होती है। अत: इन सबका उचित रूप से सलाद में प्रयोग करें।
- भिंडी वीर्य में गाढ़ापन लाती है। शुक्रणु बढ़ाती है।
- लौकी शीघ्र पाचक, रक्तवर्द्धक है। शीतलता प्रदान करती है।
- खीरा रक्त कणों का शोधन करता है व इसका प्रवाह बढ़ाता है।
- लहसुन खून का थक्का जमने नहीं देता अत: हृदय रोग में लाभकारी है।
- परवल शरीर को ऊर्जा देती है।
- गोभी, आलू, बीन्स आदि शरीर के विविध भागों, तत्वों, मात्राओं को प्रभावित करते है। इनको बनाते समय सावधानी की जरूरत है।
- सब्जी को काटने से पूर्व अच्छी तरह धो लिया जाये। काटने के बाद धोने से सब्जी के तत्व नष्ट होते है। पकाते समय अधिक तेल डालने व ज्यादा देर तक आग पर रखकर स्वाद के लालच में कहीं सब्जियों की पौष्टिकता नष्ट हो जाती है। अधिक मिर्च मसाले से भी सब्जी का स्वाद कम हो जाता है।
- ताजी सब्जियां ताजा बनाकर सेवन करना ही हितकर होता है। बसी, फ्रिज में रखी, बार-बार गरम करके परोसी गई सब्जी में पौष्टिक तत्व खत्म हो चुके होते है।
- दैनिक जीवन में सब्जियों का सेवन बढ़ाकर देखें, हाजमा ठीक रहेगा, गैस, एसिडिटी नहीं होगी एवं उत्साह बढ़ेगा। इससे आपका व्यक्तित्व निखरेगा। आप आयु में सदैव कम दिखाई देंगे।
- बुजुर्ग कहा करते थे कि तिजोरी में धन होता है तो चेहरे पर चमक झलकता है अर्थात यदि लक्ष्मी (रूपया-पैसा) हमारी तिजोरी में हो तो चेहरा स्वत: खिला-खिला रहता है। अमारी छिपाए नहीं छिपती। ठीक उसी प्रकार हमारा शरीर यदि भीतर से संपन्न, स्वस्थ है तो बाहरी तौर पर भी सुंदर दिखेगा।

जंक फूड से हो सकता है कैंसर

जंक फूड से न सिर्फ मोटापा होता है बल्कि एसिडिटी की भी शिकायत होती है। इतना ही नहीं इससे इससे खाने की नली में अल्सर यहां तक कि कैंसर भी हो सकता है। एक देशव्यापी अध्ययन में हर पांच में लगभग तीन शहरियों को एसिडिटी की शिकायत होने की जानकारी मिली है।

अध्ययन में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, लखनऊ, भोपाल और हैदराबाद को शामिल किया गया। इसके मुताबिक वयस्क शहरी आबादी के लगभग 71 प्रतिशत को एसिडिटी की शिकायत की दूसरी वजह खानपान में अनियमितता होती है।

स्वास्थ्य संबंधी मामलों पर काम करने वाले एनजीआ हेल्थकेयर वेल्फेयर सोसायटी के प्रमुख अनूप सिंह का कहना है कि एसिडिटी के ज्यादातर मामले खानपान संबंधी समस्याओं के चलते होते हैं। जंक फूड और खानपान में अनियमितता एसिडिटी की दो बड़ी वजहें हैं। उन्होंने बताया कि देश के अधिकांश हिस्सों में लोग बाहर खाना पसंद करते हैं जिससे गैस्ट्रोएसोफागील रिफ्लक्स डिसीज होती है। जीआरई की स्थिति में आमाशय में से अम्ल, पित्त और आंशिक तौर पर पचा भोजन मुंह को पेट से जोड़ने वाली खाने की नली में ऊपर चला जाता है। जब पाचक अम्ल खाघ नली में आता है तो अम्लशूल की शिकायत होती है।

इसे नजरंदाज किए जाने या इसका इलाज न कराए जाने पर खाने की नली में फोड़े या रक्तस्राव की शिकायत हो सकती है और खाने की नली में कैंसर भी हो सकता है। पार्टियों, समारोहों और सभाओं में बनने वाले मिर्च मसालेदार खाने और फास्ट फूड जैसे पिज्ज, मसालेदार करी, चिप्स और नमकीन एसिडिटी के मुख्य कारण होते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ङ्चता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्चतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु (ये यो मा मी मू धा फा ढा भे)

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

काकुरो पहेली - 1943

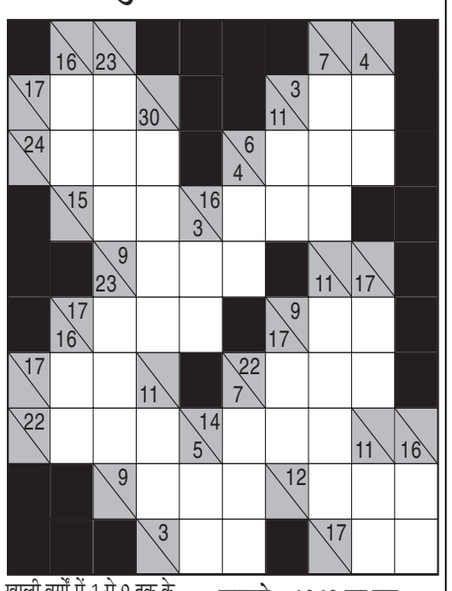

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

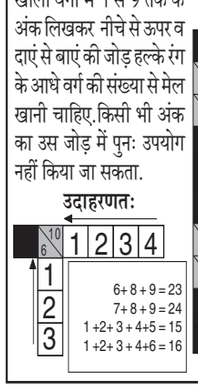

काकुरो - 1942 का हल

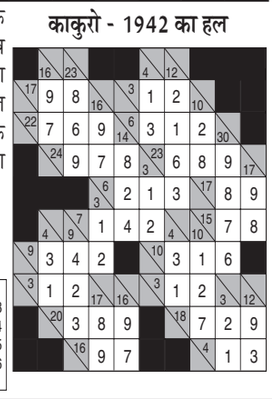

लॉफिंग ज़ोन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

□ □ □

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

□ □ □

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1943

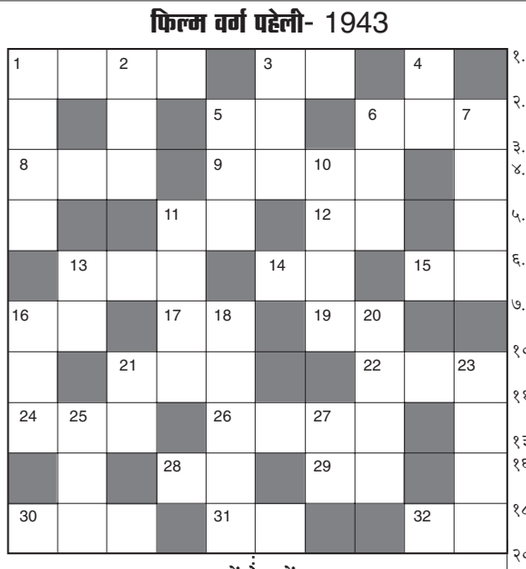

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1942

मु	सा	फि	र		ड	कै	त		गा
क्ति		दा	न	वी	र		क्ष	त्रि	य
	री			र		श	क		ब
गु	ना	ह		ता	ल			क	
म		वा	दा		ग	र्व		सू	र्या
ना	ना		मि	ल	न		सु	र	
म		सु	नी	ल		रा	जा		ए
	ने	हा		का	श		ता	क	त
क्रो		ग	द	र		दे			रा
ध	र्मा		म		रा	व	ण	रा	ज

सूडोकु -1943

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1942 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 1943

बाएँ से दाएँ

1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लडका-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.बीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे

1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली - 1942 का हल

अ	ना	द	र	णी	य		प्र	क्षे	प	क
सं	ग		वे		कृ	पा	ण		र	म
वे		अ	दा	व	त		य	हां		जो
धा	रा	दा	र				अ		का	त	र
नि		व		प्र	क्षा	ल	न		म	
क	म	त	र	ता		सा	ग	र	गा	मी
	लि		स	र	मा	या		द		न
वे	का	सू		णा			व	न	वा	सी
क		आ	स		अ	द	र	क		ले
द	म		ब	ल	र		दा		ता	व
र	सा	त	ल		ज	ली	न	कु	श	ल

जयराम रमेश ने रुपये के गिरते मूल्य को लेकर सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के गिरते मूल्य को लेकर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा है कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने 2014 में डॉलर के मुकाबले रुपये के अवमूल्यन के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया था, यहां तक कि राजनीतिक लाभ लेने के लिए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पर व्यक्तिगत हमले भी किए थे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपनी पोस्ट में कहा कि 16 मई, 2014 को रुपया 58.58 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। दस साल बाद भी रुपया 85.27 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निम्नतम स्तर को छू गया है। रुपये ने एशिया में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा होने का गौरव प्राप्त कर लिया है। उन्होंने आगे लिखा है कि याद रखें कि यह सारा अवमूल्यन सरकार और आरबीआई के वास्तविक मुद्रा पेग के बावजूद है-जैसा कि प्रधानमंत्री के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार ने हाल के हफ्तों में बताया है। उन्होंने आगे लिखा है कि आरबीआई ने रुपये को स्थिर करने के लिए हमारे विदेशी मुद्रा भंडार के अरबों डॉलर का इस्तेमाल किया है, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

मप्र के थाने में युवक की आत्महत्या मामले ने पकड़ा तूल, राहुल गांधी बोले-दलित की हत्या हुई

देवास। मध्य प्रदेश के देवास जिले में दो दिन पहले एक युवक के सतवास पुलिस थाने में आत्महत्या करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। कांग्रेस इस मामले को लेकर राज्य सरकार पर हमलावर है। रविवार को कांग्रेस ने दिनभर विरोध प्रदर्शन करने के बाद अब पार्टी नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी भाजपा पर पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से उन्होंने कहा कि देवास में दलित युवक की पुलिस कस्टडी में हत्या की गई, जो दुखद, शर्मनाक और अत्यंत निंदनीय है। इस मामले में राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के माध्यम से कहा, एक तरफ मध्य प्रदेश के देवास में दलित युवक की पुलिस कस्टडी में हत्या की गई, दूसरी तरफ ओडिशा के बालासोर में आदिवासी महिलाओं को पेड़ से बांधकर पीटा गया है। ये दोनों घटनाएं दुखद, शर्मनाक और अत्यंत निंदनीय हैं। भाजपा की मनुवादी सोच के कारण उनके शासन वाले राज्यों में एक के बाद एक इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। सरकार की शह के बिना ये संभव नहीं है। देश के बहुजनों के साथ ऐसी बर्बरता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हम उनके साथ हैं, उनके संवैधानिक अधिकारों और उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरी ताकत के साथ लड़ेंगे।

सबरीमाला में भगवान अयप्पा मंदिर 'मकरविल्लाकु' उत्सव के लिए फिर से खुला

सबरीमाला। विश्व प्रसिद्ध भगवान अयप्पा मंदिर का मंदिर आगामी 14 जनवरी को 'मकरविल्लाकु' उत्सव के लिए फिर से खोल दिया गया। मंदिर का श्रीकोविल (गर्भगृह) 'थंत्री' (मुख्य पुजारी) की उपस्थिति में खोला गया था। बाद में निचले तिरुमुत्तम में पवित्र अग्निस्थान (आझी) जलाया गया। मकर संक्रांति पूजा के हिस्से के रूप में 14 जनवरी को पूर्ववर्ती त्रावणकोर रॉयल पैलेस से लाये गये 'घी' का उपयोग करके 'नेय्याभिषेकम' किया जायेगा। मकर संक्रांति पूजा सूर्य के धनु राशि से मकरम राशि तक पारगमन के दौरान की जायेगी। दो महीने तक चलने वाली वार्षिक तीर्थयात्रा का सबसे शुभ अनुष्ठान 'मकरविल्लाकु' और 'मकर ज्योति' दर्शन, मूर्ति को तिरुवभरणम, पवित्र सोने के आभूषणों से सुसज्जित करने के बाद किया जायेगा, जिन्हें पंडालम वलियाकोइक्कल श्री से यहां लाया जायेगा। मंदिर के मुख्य पुजारी 14 जनवरी की शाम को मुख्य पुजारी की उपस्थिति में दीपाराधना करेंगे। दीपाराधना के साथ ही पूर्वी क्षितिज पर एक तारा (मकर) दिखाई देगा, जो कि दीपाराधना के शुभ समय को दर्शाता है। मकर ज्योति को सन्निधानम, पंडितावलम, पुल्मेडु, हिलटॉप, चलाकायम, अट्टाथोड़, सरमकुथी, नीलिमाला, मराकूटम से देखा जा सकता है। आगामी 20 जनवरी को मंदिर को पंडालम पैलेस के शाही प्रतिनिधियों के लिए विशेष रूप से पारंपरिक पवित्र दर्शन की सुविधा के बाद मंदिर को वार्षिक मकरविलक्कु उत्सव के समापन के अवसर पर बंद कर दिया जायेगा।

आईसीएआर में वैज्ञानिकों की नियुक्ति में अनियमितता के आरोप निराधार

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) में कृषि वैज्ञानिकों की नियुक्तियों में अनियमितता के आरोप निराधार है और संस्थान में सभी पद निर्धारित मानकों और अर्हताओं के अनुसार भरे जाते हैं। मंत्रालय ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि हाल ही में की गई सभी भर्तियां सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित योग्यता के अनुसार की गई है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक और आईसीएआर के किसी भी वैज्ञानिक पद के लिए मानकों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि आईसीएआर में कृषि वैज्ञानिकों की नियुक्तियों में अनियमितता का आरोप में कोई सच्चाई नहीं है।ये नियुक्तियां निर्धारित योग्यताओं और अर्हताओं के अनुरुप है। आईसीएआर ऐसे निराधार आरोपों पर कड़ी आपत्ति जताता है जो न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत हैं बल्कि अत्यधिक भ्रामक भी हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भगवान महाकाल का किया पूजन

एजेंसी

उज्जैन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मध्य प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन उज्जैन पहुंचकर भगवान महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल का पूजन-दर्शन कर जलाभिषेक किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्व शांति की कामना के साथ देश की जनता की खुशहाली, तरक्की और उन्नति के लिए मंगल कामना की। रक्षा मंत्री सिंह और थल सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी मध्य प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास पर इंदौर स्थित महू कैंट पहुंचे हैं। यहां उन्होंने भारतीय सेना के तीनों प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण करने के बाद रात्रि विश्राम भी महू में ही किया। अपने प्रवास के दूसरे दिन रक्षा मंत्री और सेना अध्यक्ष उज्जैन पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले महाकालेश्वर मंदिर पहुंच कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। रक्षा मंत्री और सेना अध्यक्ष ने गर्भगृह में

करीब 20 मिनट तक पूजा की। पूजन मुख्य पुजारी घनश्याम शर्मा द्वारा सम्पन्न करवाया गया। राजनाथ सिंह ने गर्भगृह में पूजन के बाद नंदी हाल में बैठकर भगवान महाकाल का ध्यान लगाया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि भगवान महाकाल के दर्शन पाकर धन्य हुआ। रक्षा मंत्री के साथ सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद उमेश नाथ महाराज, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और अन्य अतिथियों ने भी महाकाल का जल अभिषेक किया। पूजन के बाद कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने महाकाल प्रबंध समिति की ओर से अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह महू कैट के वायुसेना के हेलीकाप्टर से उज्जैन पहुंचे। इस अवसर पर पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों द्वारा उनकी अगुवानी कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय, संभागायुक्त संजय गुप्ता, एडीजीपी उमेश जोगा, डीआईजी नवनीत भसीन, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, पूर्व मंत्री उषा ठाकुर, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष कमला कुँवर, उपाध्यक्ष शिवानी कुँवर उपस्थित थे।

एनआईटी त्रिची ग्लोबल एलुमनाई मीट का आयोजन 4 जनवरी को

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तिरुचिरापल्ली (एनआईटी त्रिची) के निदेशक डॉ. जी. अघिला ने बताया कि ग्लोबल एलुमनी मीट (जीएएम)-2025 का आयोजन 4 जनवरी को चेन्नई में किया जाएगा। डॉ. अघिला ने एक बयान में बताया कि जीएएम-2025 में टाटा समूह के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन मुख्य अतिथि और तमिलनाडु के सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा मंत्री डॉ. पलानीवेल त्यागराजन सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। गूगल में एआई के लिए मुख्य व्यवसाय रणनीतिकार गोपी कल्लयिल कार्यक्रम में मुख्य भाषण देंगे। चंद्रयान 3 के परियोजना निदेशक डॉ. पी वीरमुथुवेल, टाटा स्टील्स के प्रबंध निदेशक, सीईओ टीवी नरेंद्रन सम्मानित अतिथि होंगे। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का नेतृत्व संस्थान के आधिकारिक पूर्व छात्रसंघ आरईसीएएल द्वारा किया जा रहा है। यह सभा दुनिया भर से एनआईटी त्रिची के पूर्व छात्रों को आरईसी/एनआईटी त्रिची की समृद्ध विरासत का जश्न मनाने के लिए एकजुट करेगी। जीएएम का पिछला संस्करण 2020 में आयोजित किया गया था। 930 सीईओ और 1,300 संस्थापकों सहित 48,000 से अधिक पूर्व छात्रों के गतिशील नेटवर्क का दावा करते हुए एनआईटी त्रिची प्रतिभा और नवाचार का एक पावर हाउस है। एनआईटी त्रिची जीएएम 2025 में 20 एकड़ के रिसर्च और इनोवेशन हब के लिए अपने विज़न का अनावरण करेगा, जो उद्यमिता और अंतःविषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुविधा एग्रीटेक, फिनटेक, स्पेसटेक, ग्रीनटेक, क्वांटम कंप्यूटिंग और एआई/एमएल जैसे उभरते डोमेन पर ध्यान केंद्रित करेगी।

रोहिंग्या मुद्दे पर हरदीप पुरी का केजरीवाल पर पलटवार, कहा- झूठ को बार-बार दोहराने से वह सच नहीं हो जाता

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रोहिंग्याओं को बसाने के दावों को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला। पुरी ने कहा कि झूठ को बार-बार दोहराने से वह सच नहीं हो जाता, बल्कि इससे आपकी बेईमानी उजागर होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल के विधायक ने रोहिंग्याओं को दिल्ली में बसाने में मदद की और उन्हें मुफ्त राशन, पानी, बिजली और वोटर कार्ड मुहैया कराए। हरदीप पुरी ने एक्स पोस्ट में कहा, झूठ की धूप से तो बर्फ भी नहीं पिघलती, सच तो फिर भी चट्टान की तरह होता है। एक ही झूठ को बार-बार फैलाने से वह सच में तो बदलेगा नहीं...हां आपके झूठे होने का बार-बार प्रमाण जरूर देगा। सच्चाई यह है कि आज तक कहीं भी किसी भी रोहिंग्या को कोई भी ईडब्ल्यूएस फ्लैट नहीं दिया गया है।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल के विधायक ने उन्हें (रोहिंग्या) दिल्ली में बसाकर उन्हें मुफ्त राशन, पानी और बिजली के साथ हर एक को 10

हजार रुपये देकर उनका वोटर कार्ड बनवाया है। क्योंकि रोहिंग्या किस पार्टी के वोटर हो सकते हैं यह पूरे देश को पता है। पुरी ने केजरीवाल पर हमला करते हुए कहा कि इनकी तो फ़ितरत ऐसी है कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसको केजरीवाल ने ठगा नहींद्घ केजरीवाल का रोहिंग्या को बार-बार सपोर्ट करना देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने जैसा है।

पुरी ने कहा कि उनके जिस एक्स पोस्ट को आधार बनाकर ये झूठ फैला रहे हैं, उसका स्पष्टीकरण उसी दिन महज कुछ घंटे बाद गृह मंत्रालय व मेरे द्वारा दे दिया गया था। यह पब्लिक डोमेन में है, फिर भी झूठ फैलाना बेशर्मी जैसा है। यह निम्नस्तर की राजनीति की पराकाष्ठा है। शर्म करिए, झूठ बोलने से बाज आइए। केंद्रीय मंत्री पुरी की यह टिप्पणी केजरीवाल के उस दावे के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा कि पुरी और अमित शाह के पास इस बात का पूरा डेटा है कि कहां किस रोहिंग्या को बसाया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ने का विशेष अभियान चला रखा है, जिसमें कई रोहिंग्या भी शामिल हैं।

उत्तर भारत में शीतलहर जारी, 4 जनवरी को हो सकती है बारिश

एजेंसी

नई दिल्ली। तेज शीतलहर की मार झेल रहे उत्तर भारत के कई राज्यों को आगामी 4 जनवरी से एक बार फिर बारिश का सामना करना पड़ सकता है। वहीं पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बर्फबारी व बारिश की भविष्यवाणी करते हुए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ने की संभावना व्यक्त की है। मौसम विभाग का कहना है कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, दिल्ली व उत्तर प्रदेश को तेज शीतलहर के साथ घने कोहरे की मार के लिए भी तैयार रहना होगा। इन राज्यों के अलग-अलग हिस्सों में इस दौरान बहुत घना कोहरा होगा और दृश्यता घटकर 50 मीटर तक भी दर्ज की जा सकती है। कोहरे के कारण 15 ट्रेन देर से चलीं।

कश्मीर में न्यूनतम तापमान शून्य से 6 डिग्री नीचे दर्ज किया गया लेकिन कई इलाकों जैसे गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 10 डिग्री, पहलगाम में 9.2 व सोनमर्ग में 9.9 डिग्री नीचे चला गया, जिससे लोगों को तीव्र ठंड का सामना करना पड़ा। कश्मीर घाटी इस समय 'चिल्ला-कलां' (सर्वाधिक ठंड की अवधि) की चपेट में है। इसे साथ ही घने कोहरे की संभावना जताई गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से 5.4 कम 15.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज

सर्दियों का सबसे कठिन समय माना जाता है, जो 21 दिसंबर से शुरू हुआ था। जम्मू क्षेत्र में भी कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान शून्य से 0.2 डिग्री तक चला गया। मौसम विभाग ने हरियाणा व पंजाब के कई हिस्सों के लिए 'गंभीर शीत दिवस' की चेतावनी जारी की है। दोनों ही राज्यों में आगामी दो दिन के लिए 'पीली चेतावनी' जारी की गई है, किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान में 3.5 डिग्री का इजाफा देखने को मिला। न्यूनतम तापमान यहां 10.3 दर्ज किया गया। पूसा, पालम व नजफगढ़ ऐसे इलाके रहे जहां अधिकतम तापमान सामान्य से 7 डिग्री कम दर्ज किया गया। राजधानी में चलने वाली 14-16 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से उत्तर-पश्चिमी हवाओं ने ठिठुरन को बढ़ा दिया।

दिल्ली में एक माह में नये मतदाता पंजीकरण के 4.8 लाख फॉर्म जमा, अंतिम सूची 6 जनवरी को जारी होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आर एलिस वाज ने बताया कि महीने भर चले संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के दौरान चुनाव कार्यालय को नए मतदाता पंजीकरण के लिए करीब 4.8 लाख आवेदन फॉर्म मिले हैं। वहीं मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए 82,450 और मतदाताओं के विवरण में सुधार के लिए 1,71,385 आवेदन प्राप्त हुए हैं। दिल्ली में मुख्य निर्वाचन अधिकारी का कार्यालय मतदाता सूचियों का विशेष सारांश संशोधन कर रहा है, जिसकी अर्हता तिथि एक जनवरी, 2025 निर्धारित की गई है। यह प्रक्रिया भारत के चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मतदाता सूचियां सभी पात्र मतदाताओं के लिए अपडेटेड और समावेशी रहें। आर एलिस वाज ने कहा कि पूर्व-संशोधन अवधि के दौरान बूथ स्तर के अधिकारियों द्वारा 20 अगस्त से 18

अक्टूबर तक घर-घर जाकर सत्यापन किया गया। इस प्रक्रिया का उद्देश्य अपंजीकृत पात्र नागरिकों, एक अक्टूबर, 2025 तक 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले संभावित मतदाताओं, साथ ही स्थायी रूप से स्थानांतरित या मृत मतदाताओं और डुप्लिकेट प्रविष्टियों की पहचान करना था। इसके बाद 29 अक्टूबर को मतदाता सूचियों का मसौदा प्रकाशन पूरा हुआ, जिसमें जनता से दावे और आपत्तियां दाखिल करने के लिए आमंत्रित किया गया। इन्हें 28 नवंबर तक स्वीकार किया गया और सभी का 24 दिसंबर तक समाधान कर दिया गया। इन सभी अपडेट्स को दर्शाते हुए अंतिम मतदाता सूची 6 जनवरी, 2025 को प्रकाशित होने वाली है। उन्होंने कहा कि नाम जोड़ना, हटाना और संशोधन को अपडेट करना एक सतत गतिविधि है और वर्तमान में भी यही चल रही है। 29 नवंबर से लेकर आज तक नए पंजीकरण के लिए 4,85,624 आवेदन (फॉर्म 6), हटाने के लिए 82,450 आवेदन (फॉर्म 7) और संशोधन के लिए 1,71,385 आवेदन (फॉर्म 8) प्राप्त हुए हैं। जिन नागरिकों ने अभी तक मतदाता के रूप में पंजीकरण नहीं कराया है, वे अभी भी फॉर्म 6 का उपयोग करके नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसके लिए संबंधित बूथ लेवल अधिकारी द्वारा सत्यापन के लिए सहायक दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता होती है।

हरिद्वार में संध्या आरती तक साढ़े छह लाख श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

एजेंसी

हरिद्वार। सोमवती अमावस्या पर विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने हरकी पैड़ी सहित तमाम घाटों पर गंगा स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। पुलिस प्रशासन के अनुसार संध्या आरती तक हरिद्वार में साढ़े छह लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई। स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्ध्य देकर और दान पुण्य कर परिजनों के लिए मंगलकामना की। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कुशावर्त घाट और प्राचीन नारायणी शिला मंदिर में पितरों के निमित्त पिंड दान और तर्पण आदि कर्म भी संपन्न किए। स्नान को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की और से मेला क्षेत्र को 14 जोन और 39 सेक्टरों में विभाजित कर सुरक्षा और यातायात के व्यापक प्रबंध किए गए थे। साल की अंतिम सोमवती अमावस्या पर भीषण ठंड के बावजूद भारी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए हरिद्वार पहुंचे। घाटों और बाजारों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। पौराणिक नारायणी शिला मंदिर के प्रमुख तीर्थ पुरोहित पंडित मनोज त्रिपाठी ने बताया कि होने वाली अमावस्या को सोमवती अमावस्या कहा जाता है। वैसे तो प्रत्येक अमावस्या का महत्व है लेकिन सोमवती अमावस्या को विशेष पुण्य फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि सोमवती अमावस्या पर गंगा में स्नान करने से सभी कष्ट दूर होते हैं। मनोकामनाएं पूरी होती हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। सैकड़ों अश्वमेघ यज्ञ के समान पुण्य की प्राप्ति होती है। सोमवती अमावस्या को पितरों के निमित पूजा करने और तर्पण आदि देने से जीवन में सुख और शांति आती है।

पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने मप्र की संस्कृति और कला को दिलाई वैश्विक पहचान : मुख्यमंत्री

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सांस्कृतिक अभ्युदय के नए युग में प्रवेश कर रहा है। आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के द्वारा स्थानीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का नया इतिहास रचा जा रहा है। सांस्कृतिक संवहन के क्रम में प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह का स्वर्ण जयंती वर्ष और तानसेन समारोह का शताब्दी वर्ष का गौरवशाली आयोजन किया गया। हमारे देश में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परम्परा के गौरव को अक्षुण्ण बनाए रखने की परम्परा निरंतर विद्यमान रही है। सांस्कृतिक आयोजनों और धरोहरों को आज की पीढ़ी से जोड़ते हुए ताल दरबार, कथक कुंभ, उज्जैन डमरू वादन, गीता पाठ और शास्त्रीय बैंड में बने पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने प्रदेश की संस्कृति और कला

को वैश्विक पहचान दिलाई है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार देर शाम जारी अपने बयान में कहा कि संगीत सम्राट तानसेन की नगरी ग्वालियर में तानसेन समारोह के अवसर पर भारत के राष्ट्रगीत वंदे मातरम की धुन पर ग्वालियर किले की प्राचीर पर 'ताल दरबार' में 1282 तबला साधकों ने मध्य प्रदेश के शास्त्रीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाई है। यूनेस्को द्वारा चयनित संगीत नगरी में राष्ट्रीयता का उद्घोष करते हुए कला साधकों ने प्रदेश के इतिहास, संस्कृति और संगीत की त्रिमूर्ति को 25 दिसंबर 2023 को पहली बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया।उन्होंने कहा कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहों के कंदरिया महादेव मंदिर के विशाल प्रांगण में अन्तरराष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह के दौरान राग बसंत की लय पर 20 फरवरी 2024 को 1484 कथक नृत्य साधकों के थिरकते कदमों ने दूसरा गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड रच दिया। कथक कुंभ में हाथों में दीपक लेकर जब लय और ताल के साथ घुंघरू साधकों के कदम मिले तब भारतीय संस्कृति और परंपरा एक साथ मुस्कुरा उठीं।उन्होंने कहा कि पवित्र श्रावण मास में उज्जैन में भगवान महाकालेश्वर श्री चंद्रमौलेश्वर के रूप में पालकी में, हाथी पर श्री मनमहेश के रूप में और गरूड़ रथ पर श्री शिव-तांडव स्वरूप में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकले। उनका स्वागत करते हुए पांच अगस्त 2024 को महाकाल लोक के शक्तिपथ पर 1500 से अधिक डमरू वादकों ने एक साथ एक समय-समय में लयबद्ध डमरू वादन कर तीसरा विश्व कीर्तिमान रचा। यह सिर्फ गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड नहीं था बल्कि बाबा महाकाल की नगरी से देश के आध्यात्मिक पुनरुत्थान का शंखनाद था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म से लेकर मृत्यु तक अपनी लीलाओं और आदर्शों के माध्यम से समूचे समाज को प्रेरणा दी है। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और पवित्र धर्मग्रंथ गीता की कर्म पथ, भक्ति मार्ग और शांति का संदेश से जन जन को आलोकित करते हुए 1721 आचार्य और बटुकों ने इतिहास रच दिया।

सैनिकों के साथ बातचीत और ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी

देहरादून। थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने देहरादून का दौरा कर क्षेत्र में तैनात सैनिकों के साथ संवाद किया और ऑपरेशनल तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। उनके साथ मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता भी उपस्थित रहे।इस दौरे के दौरान जनरल द्विवेदी को लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, उत्तर भारत एरिया, और मेजर जनरल नवीन महाजन, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, गोल्डन की डिवीजन ने क्षेत्र की आपरेशनल क्षमताओं, सुरक्षा प्रबंधों और बुनियादी ढांचे के विकास के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। सैनिकों के साथ संवादजनरल द्विवेदी ने सैनिकों के समर्पण और उनकी राष्ट्र सेवा की भावना की सराहना की। उन्होंने जटिल और बदलते सुरक्षा वातावरण में ऑपरेशनल दक्षता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। सेनाध्यक्ष ने कहा कि सेना की आधुनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए उपकरणों का आधुनिकीकरण, नवाचार और प्रशिक्षण मानकों का उन्नयन जारी रहेगा। उन्होंने सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति सेना की प्रतिबद्धता दोहराई और उनके बलिदानों को सम्मानित किया। जनरल द्विवेदी ने सभी सैनिकों को 2025 के लिए सुखद और समृद्ध भविष्य की शुभकामनाएं दीं। महू सैन्य स्टेशन का दौरादेहरादून दौरे से पहले 29-30 दिसंबर को सीओएएस ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ महू सैन्य स्टेशन का दौरा किया था। महू में उन्होंने भारतीय सेना के प्रमुख प्रशिक्षण संस्थानों का अवलोकन किया। रक्षा मंत्री को आर्मी वॉर कॉलेज के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एचएस साही ने युद्ध के विभिन्न आयामों में सैन्य नेतृत्व को तैयार करने के संस्थान की भूमिका पर जानकारी दी। थल सेनाध्यक्ष की सक्रिय नेतृत्व शैलीदेहरादून दौरा थल सेनाध्यक्ष द्वारा सैनिकों के मनोबल को ऊंचा रखने और सेना की मिशन तैयारियों को सुनिश्चित करने की दिशा में उनके सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह दौरा सेना की रणनीतिक दक्षता और सैनिकों के कल्याण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है।

दिहाड़ी मजदूरों का हक छीन रहे केजरीवाल, लगेगा महापापः आर.के. सिन्हा

एजेंसी

नई दिल्ली। 'आआपा के पाप का फल न केवल केजरीवाल बल्कि उनकी सात पीढ़ियां भुगतेंगी। उन्होंने दिहाड़ी मजदूरों का हक मारकर जैसे अपने पार्टी कार्यकर्ताओं में बांटा है, उन दिहाड़ी मजूदरों की हाय खाली नहीं जाएगी।' यह बेहद गंभीर चेतावनी वरिष्ठ पत्रकार और राज्यसभा के पूर्व सदस्य आर.के. सिन्हा ने दी है। नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब के सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में सिन्हा ने कहा कि भवन निर्माण में लगे दिहाड़ी मजदूरों के नाम पर केजरीवाल सरकार अब तक 900 करोड़ रुपये अपात्र लाभार्थियों को बांट चुकी है। हमने अपनी पाक्षिक पत्रिका यथावत में 2018 में इस बात का खुलासा किया था और प्रमाण सहित एक खोजपूर्ण रिपोर्ट जारी की थी। इस फंड में अब 4500 करोड़ रुपये जमा हैं, जिसे वह अपने चुनावी लाभ के लिए बांट सकती है। ऐसे में केन्द्रीय श्रम मंत्री तत्काल इस फंड के दुरूपयोग को रोकने के लिए खाता सीज कराएं, साथ ही इस पूरे घोटाले की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की भी उन्होंने मांग की। आर.के. सिन्हा ने कहा कि भवन निर्माण में लगे दिहाड़ी मजदूरों और उनके बच्चों के हक को छीनकर केजरीवाल ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच जैसे बांटा है, वैसी भ्रष्टाचार का उदाहरण अब तक देखने को नहीं मिला। भवन निर्माण में खर्च होने वाली राशि पर एक प्रतिशत का सेस सिर्फ इसलिए लगाया गया था कि इसमें लगे मजदूरों के पास पीएफ या ईएसआई जैसी कोई सुविधा नहीं होती। इनके परिवार, पत्नी और बच्चे वहीं धूल, रेत-बजरी में रहने को मजबूर होते हैं। इस कार्य में लगे दिहाड़ी मजदूरों को रोज काम भी नहीं मिलता।

इंदौर में बना 60वां ग्रीन कॉरिडोर, पहली बार डोनेट हुए दोनों हाथ

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी और देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर अंगदान के मामले में पीछे नहीं है। यहां 60वां ग्रीन कॉरिडोर बना। एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मनोरमा गंज निवासी सुरेंद्र पोरवाल (जैन) को 68 वर्ष की आयु में ब्रेन डेड घोषित किया गया। इसके बाद परिवार ने उनके दोनों हाथ, किडनी, लिवर, आंखें और स्किन डोनेट करने का निर्णय लिया। इसके बाद उनके अंगों को विभिन्न अस्पतालों में पहुंचाने के लिए एक साथ चार ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। इंदौर में अंगदान को लेकर यह पहला मौका है जब किसी ब्रेन डेड व्यक्ति

के दोनों हाथ डोनेट किए गए हैं। यह हाथ मुंबई एक मरीज को ट्रांसप्लांट किए जा रहे हैं। इंदौर के शैल्बी हॉस्पिटल में इलाजरत सुरेंद्र पोरवाल को अंगदान अधिनियम के तहत चार डॉक्टरों की टीम ने उन्हें ब्रैनडेड घोषित किया। इसके बाद परिवार ने अंगदान की लिए सहमति दी। सहमति मिलने के बाद मुस्कान ग्रुप के जीतू बगानी और संदीपन आर्य ने मामले में परिवार, डॉक्टरों की टीम के साथ ही एमजीएम मेडिकल कॉलेज की टीम के साथ चर्चा की। प्रशासन, चिकित्सा, ट्रैफिक पुलिस की टीम और मुस्कान ग्रुप के सेवादार कॉरिडोर में समन्वय बनाया। इसके बाद अंगदान के लिए ग्रीन कॉरिडोर की तैयारियां की गई। सोमवार शाम को शैल्बी हॉस्पिटल से चार ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। इस दौरान ब्रेन डेड व्यक्ति के सम्मान में रेड कारपेट बिछाकर भावभीनी विदाई दी गई। शाम करीब 6.25 बजे पोरवाल के दोनों हाथ ग्लोबल हॉस्पिटल (मुंबई), लिवर जुपिटर विशेष हॉस्पिटल (मुंबई), लिवर हैदराबाद के केडी हॉस्पिटल, एक किडनी चोइथराम हॉस्पिटल और दूसरी किडनी राजश्री अपोलो हॉस्पिटल इंदौर के लिए शाम करीब 6.25 बजे रवाना कर दी गई। जहां ये सारे अंग ट्रांसप्लांट किए जा रहे हैं। इसके साथ ही उनके नेत्र एमके इंटरनेशनल आई बैंक और त्वचा चोइथराम स्किन बैंक को डोनेट की गई। परिवार ने लंग्स भी डोनेट करने की मंशा जाहिर की, लेकिन टेक्निकल दिक्कत होने से यह नहीं हो सका।

हेयर कलरिंग

से बदलें अपना रूप

फैशन और सौंदर्य एक दूसरे के पर्याय है। जिस प्रकार कपड़ों का फैशन दिन प्रतिदिन बदल जाता है उसी प्रकार मेकअप, स्टाइल और हेयर कट और स्टाइल का भी ट्रेड बदल जाता है। अगर आप बालों को एक नया रूप, नया स्टाइल देना चाहती है तो हेयर कलर एक बेहतरीन उपाय है। लेकिन हेयर कलर कराने से पहले आपको किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है आप भी जानिए। शुरूआत कुछ इस तरह करे।

रंगों के पहिए को घुमाएं और देखें कि कैसे-कैसे रंग बिखरते है-

पीला, नीला, लाल, बैगनी, नारंगी और हरा।

ये सभी प्राइमरी और सेकेंडरी रंग है जो हमारे बालों को एक नया रूप देने में काम आते है। जैसा कि हम सभी जानते है कि आज हेयर कलरिंग, हाइलाइटिंग और स्ट्रीकिंग आदि फैशन में है। इसकी शुरुआत आज से दस साल पहले हो गई थी जब सुनहरे बालों वाली अपने बालों को कॉपर और रेड रंग से स्ट्रीकिंग करती थीं लेकिन अब काले बालों वाली लड़कियां भी अपने बालों को विभिन्न रंगों से संवार रही है।

आजकल बालों का जो वास्तविक रंग है उसे पूरी तरह बदलकर दूसरे रंगों का प्रयोग का चलन काफी बढ़ गया है। बड़े परदे पर दिखने वाली तमाम अभिनेत्रियों के बालों का रंग हर तीन-चार माह में बदल जाता है। इसके पीछे भी कारण यही होता है- बालों के वास्तविक रंग को ट्रांसफॉर्म कर देना।

बालों को कलर कराने में सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जो भी कलर कराएं वह आपके रंग, चेहरे और व्यक्तित्व को पूरी तरह सूट करे। इसलिए अलग-अलग स्किन टोन के मुताबिक हेयर कलर कराने पर आप अपने रूप को पूर्णतया बदल सकती है।

गोरी रंगत

अगर आप गोरी है तो बहुत भाग्यशाली है। आप सौम्यता और ठंडक का एहसास दिलाने वाले कलर्स जैसे कि आप ब्लॉन्ड कलर्स करा सकती है, जो इस समय सबसे ज्यादा फैशन में है। गोरी युवतियों पर कॉपर और लाल रंग से हाइलाइटिंग बहुत अच्छी लगती है। इसके अलावा कॉलेज जाने वाली लड़कियां फंकी कलर्स का भी प्रयोग कर सकती है जैसे आधा ब्लॉन्ड और आधा रेड।

गेहुंआ रंग

गेहुएं रंग वाली युवतियों पर कॉपर और ब्लॉन्ड की हाइलाइटिंग बहुत फबती है। ऐसी रंगत वाली लड़कियां अगर पूरे बालों को रंगना या कलरिंग कराना चाहती है तो उन पर ऑबर्न या चेस्टनट या फिर माहोगनी की गहरी टोन ज्यादा सूट करेगी। अगर वे ब्लॉन्ड या कॉपर कलर से हालाइटिंग कराती है तो इस नए प्रयोग के लिए उन्हे अपने को ज्यादा आकर्षक दिखाने के लिए पूरे रूप को संवारना होगा।

सांवली रंगत

सांवली रंगत के लिए कुछ डीप जोन हाइलाइटिंग ज्यादा सूट करती है जैसे- पर्पल, रेड, और रेड पैशन से हाइलाइटिंग।

बालों को कलर कराने के बाद उनकी सही देखभाल बहुत जरूरी होती है, क्योंकि हर कलर में थोड़े-बहुत केमिकल जरूर होते है। बालों को अत्यधिक रूखा और बेजान होने से बचाने के लिए और कलर को कई दिनों तक बरकरार रखने के लिए उसकी जरूरी देखभाल जरूर करे।

कैसे करे देखभाल

कलर बालों की देखभाल के लिए आपको हफ्ते में एक बार सिर्फ दस मिनट का समय निकालना होगा। इसके लिए कलर शैंपू, कंडीशनर और डीप इंटेसिव हेयर मास्क का इस्तेमाल बेहतर होता है। कलर बालों की देखभाल के लिए लोरियल, क्यूने और यूरोप की एक ब्रांड इकोजलाइन के हेयर प्रोडक्ट काफी अच्छे माने जाते है।

गर्मी में आपके कलर्ड हेयर अतिरिक्त देखभाल मांगते है, क्योंकि धूप से भी आपके बालों को काफी नुकसान पहुंचता है। इसलिए कलर शैंपू करने के बाद बालों पर लीव-ऑन कंडीशनर लगा सकती है, जो सूर्य की अल्ट्रावायलट किरणों से बालों को सुरक्षा प्रदान करेगा।

जिनके बाल घुंघराले और बेजान हों, उन्हे नियमित देखभाल की विशेष जरूरत होती है। उन्हे ऐसे हेयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना चाहिए जो बालों को एक फर्म, या मजबूती प्रदान कर उनमें लचीलापन और चमक भी लाए।

जो स्त्रियां लगातार अपने बालों में कलरिंग, स्ट्रेटनिंग या री-बॉडिंग कराती है उन्हे किसी अच्छे पार्लर में एक्सपर्ट के जरिए रिकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम लेना चाहिए। यह प्रोग्राम बालों में पूर्णतया नई जान डालेगा।

स्वस्थ रहे आपके बाल

यह बात हमेशा ध्यान रखें कि बालों को प्रोटीन की बहुत जरूरत होती है। अगर आपका खानपान बेहतर होगा तो उसकी झलक आपके बालों में जरूर दिखेगी। आपके बालों में एक अलग ही चमक होगी। आप ध्यान दें कि बाजार में बालों की देखभाल, विकास और उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए जितने भी उत्पाद उपलब्ध है वे ज्यादातर प्रोटीन बेस्ड होते है।

बालों के लिए विटामिन बी बहुत महत्वपूर्ण है। आपने हेयर प्रोडक्ट्स पर पैनथेनॉल का नाम जरूर पढ़ा होगा। यह बी कॉम्पलेक्स और प्रोटीन के जरिए आपके बालों को स्वस्थ और मुलायम बनाता है।

तो फिर आप बेफिक्र अपने बालों को दें अपना पसंदीदा रंग और बदल डालें पुराने स्टाइल को। इससे न सिर्फ आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा बल्कि आपमें गजब का आत्मविश्वास भी जगेगा।

हाथों की शान बढ़ाते कंगन

कपड़े और एक्सेसरीज के साथ ही दुल्हन के लिए खास होते है कंगन। मॉर्केट में मौजूद है इनकी ढेरों डिजाइनर वैरायटीज..

शादी में दुल्हन के लिए जितना क्रेज लहगे का होता है, उससे कई गुना अधिक वो ध्यान देती है कंगन की खरीददारी में। लहगे की अहमियत तो जयमाल के समय होती है लेकिन कंगन शादी के कई माह बाद तक नववधू के हाथों की शोभा बढ़ाते है। नई-नवेली दुल्हन जींस, सलवार और साड़ी के साथ शादी में पहने गए कंगनों को शान से धारण करती है।

सदाबहार प्लेन कंगन

शिवाला के चूड़ी विक्रेता राशिद बताते है, प्लेन कंगन हमेशा डिमाड में रहते है। लाल रग शादी में शुभ माना जाता है इसलिए भले ही नववधू कितने ही डिजाइनर कंगन क्यों न खरीदें लेकिन वह लाल व महरून कंगनों को खरीदना नहीं भूलती। फैशन के लिहाज से भी यह कंगन सदाबहार रहते है। इनकी बिक्री पूरे वर्ष बनी रहती है।

हर ड्रेस से मैचिंग

अगर प्लेन से अलग स्टाइलिश लुक चाहती है तो नग वाले कंगनों का चयन बेहतर रहेगा। यह मेटल और लाख दोनों में ही आते है। जूइलि डिजाइनर सुपर्णा निगम बताती है अगर आप ट्रेड के हिसाब से कंगनों का चयन करती है तो मेटल वाले कंगनों के बीच में लाख के नग वाले कंगनों को ट्राय कर सकती है।

पारपरिक है बीकानेरी

धनकुट्टी स्थित श्रीकृष्णा बुटीक की फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल कहती है, शादी में पारपरिक बीकानेरी कंगनों की डिमाड खास होती है। चटख रगों के इन कंगनों की विशेषता है कि इनका रग फेड नहीं होता। लाल और महरून रग के बीकानेरी कंगन उत्तर भारत में शादी के अवसर पर नई दुल्हन के लिए शुभ माने जाते है।

लिखवाएं दिल की बात

बिसाती बाजार के चूड़ी विक्रेता नईम भाई बताते है, इन दिनों जीवन साथी का नाम कंगनों पर लिखवाने का ट्रेड जोरों पर है। हमारे पास बहुत सी ऐसी ग?ल्स आती है जो कंगनों पर अपना और अपने होने वाले पति का नाम या दिल बनवाती है। यह काम ऑर्डर पर किया जाता है और नगों के हिसाब से इसका चार्ज कंगनों की कीमत से अलग लिया जाता है।

हिट हैं हाई हील्स

गर्मी की दस्तक के साथ ही बदल गया है फुटवेयर का अंदाज। हाई हील्स है इन दिनों फैशन में। दरअसल स्मार्ट समर फैशनेबल आउटफिट्स के साथ परफेक्ट कॉबिनेशन हैं हाई हील्स। हाई हील पहनने से लंबाई अधिक व फिगर स्लिम प्रतीत होता है और खूबसूरत दिखने का आत्मविश्वास पैदा होता है। इस तरह फैशनेबल एक्सेसरी के साथ ही आत्मविश्वास बढ़ाने के लिहाज से भी हाई हील्स का चुनाव है उपयुक्त। स्टिलटो, पम्प इत्यादि स्टाइल्स में से आप अपनी पसंद के अनुरूप कुछ भी चुन सकती हैं। यह फैशन का ही असर है कि इन दिनों बाजार में हाई हील्स में कलर्स और डिजाइन्स की व्यापक रेंज उपलब्ध है। लुई वितां, शैनल, गुच्ची, जिम्मी चू जैसे बड़े व छोटे विभिन्न ब्रांड्स ने रेड, ब्लू, पिंक, ग्रीन जैसे मनचाहे सिंगल कलर्स के साथ ही एनीमल व फ्लोरल प्रिंट्स में पेश की हैं आकर्षक हाई हील फुटवेयर। इनके अलावा फ्रंट में स्ट्रैप से लेकर दो कलर्स के कॉबिनेशन वाली हाई हील्स भी है युवतियों के बीच बेहद लोकप्रिय। अब आपको क्या पसंद है, यह आप स्वयं तय करें।

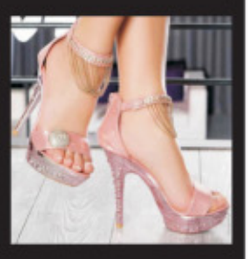

शाइनिंग सनग्लासेज

सनग्लासेज सिर्फ फैशनेबल एक्सेसरी नहीं है। आंखों की सुरक्षा के लिहाज से इनका इस्तेमाल है बेहद जरूरी। नंगी आंखों से सूरज की ओर देखते हैं तो पराबैंगनी किरणों के विकिरण से उत्पन्न अतिरिक्त ऊर्जा के कारण तकलीफ होती है। इससे राहत का सबब हैं पोलराइज्ड एंटी ग्लेयर सनग्लासेज। ये सुरक्षा परत की तरह काम करते हैं। इनके लेंस में मौजूद छोटी-छोटी हॉरीजेंटल स्ट्राइप्स उस चमक को बीच में रोक देती हैं, जो सतह से टकराकर परावर्तित होती हैं। वहीं फोटोक्रोमिक लेंस में सिल्वर क्लोराइड या सिल्वर हैलाइड यौगिक होता है। जब पराबैगनी किरणें उससे टकराती हैं तो एक विशेष प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है। यही वजह है कि धूप में आने पर फोटोक्रोमिक लेंस का रंग गहरा हो जाता है। लेंस के बाद अब बारी आती है फैशन की। आजकल ड्रेस की मैचिंग के सनग्लासेज हैं युवाओं की पसंद। उनका चयन चेहरे के आकार के अनुसार करना चाहिए। पतले और स्ट्रेट चेहरे पर छोटे सनग्लासेज फबते हैं, जबकि बड़े चेहरे पर चौड़े सनग्लासेज भाते हैं। वहींगोरे रंग के लोगों पर गहरे शेड्स के सनग्लासेज जंचते हैं, जबकि गहरी रंगत पर गहरे शेड्स को छोड़कर किसी भी कलर के सनग्लासेज खूबसूरत लगते हैं।

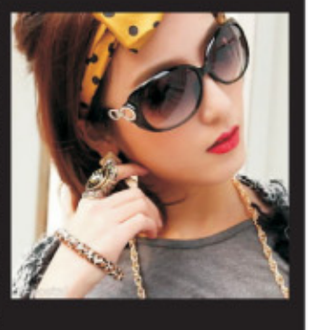

कप्तान रोहित शर्मा ने दिया हैरान करने वाला बयान

एजेंसी

नई दिल्ली। मैच के बाद रोहित शर्मा ने कहा, यह हार काफी निराशाजनक है. ऐसा नहीं था कि हम मैदान पर लड़ने का जज्बा छोड़ चुके थे. हमने अंत तक पूरी कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्य से हम सफल नहीं हो सके. टेस्ट मैच के दौरान हमारे पास कई मौके थे, लेकिन हमने उन्हें भुनाने में कमी की। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी का जिक्र करते हुए कहा, हमने उन्हें 90/6 के स्कोर पर रोक दिया था, लेकिन उनकी निचली क्रम की साझेदारी ने हमें नुकसान पहुंचाया. हम जानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में परिस्थितियां कठिन हो सकती हैं, लेकिन हमें इन्हीं परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

टाइगर क्लब ने पुरुष वर्ग और दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमनाई ने महिला वर्ग का जीता खिताब

एजेंसी

नयी दिल्ली। हॉकी प्रीमियर लीग 2024 के फाइनल मुकाबलों में टाइगर क्लब ने पुरुष वर्ग और दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमनाई ने महिला वर्ग का खिताब जीता। टाइगर क्लब ने छठी राष्ट्रीय हॉकी प्रीमियर लीग 2024 के मास्टर्स पुरुष वर्ग के फाइनल में होशियारपुर क्लब को 2-1 से हराकर मास्टर्स ग्रुप की चैंपियनशिप जीत ली। वहीं दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमनाई ने श्री द्वारका बाल बालिका विद्यालय को 1-0 हराकर मास्टर्स महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया। अंडर 21 बॉयज ग्रुप के फाइनल में घुम्मनहेड़ा राइजर ने श्याम लाल कॉलेज को 3-2 से हरा कर खिताब जीता।

महिला विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप 2024: वैशाली ने नॉकआउट चरण के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूयॉर्क में अपने पहले 10 मैचों में से आठ जीतकर महिला विश्व ब्लिट्ज़ चैम्पियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है।वैशाली दूसरे चरण के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय भी थीं, क्योंकि हाल ही में विश्व रैपिड चैंपियन बनी कोनेरू हम्पी शीर्ष आठ में जगह बनाने से चूक गईं और 8.0/11 के साथ नौवें स्थान पर रहीं। चीन की लेई टिंगजी को छोड़कर, जो 8.5 अंकों के साथ वैशाली के बाद दूसरे स्थान पर रहीं, अन्य सभी योग्य खिलाड़ियों को हम्पी के बराबर अंक मिले। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी का टाईब्रेक सबसे खराब रहा, जिसके कारण वह क्वालीफिकेशन स्पॉट से बाहर हो गईं। दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और हरिका द्रोणावल्ली 11 राउंड में सात-सात अंक लेकर क्रमशः 18वें, 19वें और 22वें स्थान पर रहीं। प्रियान नुटक्की और पद्मिनी राउत 108 खिलाड़ियों के बीच पांच अंक लेकर 71वें और 72वें स्थान पर रहीं। भारतीयों में साहिती वर्षिनी ने 4.5 अंक लेकर सबसे खराब प्रदर्शन किया और वह 76वें स्थान पर रहीं।

एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने यशस्वी जयसवाल

नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच चौथे टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन हासिल की। जयसवाल ने दूसरी पारी में 340 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 208 गेंदों पर 84 रनों की पारी खेली, जिसमें उन्होंने आठ चौके लगाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 40.38 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इस पारी के साथ ही खब्बू बल्लेबाज ने एक कैलेंडर वर्ष में 1478 रन पूरे कर लिए। इस उपलब्धि को हासिल करने वाले अन्य भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने 2010 में 1562 रन बनाए थे, सुनील गावस्कर ने 1979 में 1555 रन बनाए थे और वीरेंद्र सहवाग ने 2008 और 2010 में क्रमशः 1462 और 1422 रन बनाए थे। हालांकि यशस्वी जयसवाल की यह मैराथन पारी काम न आई और ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 184 रनों से जीत कर पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। दोनों टीमो के बीच पांचवां और आखिरी टेस्ट 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा।

गावस्कर और शास्त्री ने जायसवाल को आउट दिये जाने के फैसले को गलत बताया

एजेंसी

मेलबर्न। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच के दूसरी पारी में अंतिम दिन यशस्वी जायसवाल को पैट कमिंस की गेंद पर तीसरे अंपायर के आउट देने के फैसले गलत बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भारत की दूसरी पारी के 71वें ओवर में जायसवाल ने कमिंस की शॉर्ट पिच गेंद को पुल करने का प्रयास किया था, लेकिन गेंद उनके बल्ले के बेहद करीब से निकली और विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने विकेट पीछे गेंद लपक ली। ऑस्ट्रेलिया ने जोरदार अपील की लेकिन मैदानी अंपायर जोएल विल्सन ने नकार दिया। कमिंस ने इस पर रिव्यू लिया और तीसरे अंपायर बंगलादेश के शफुद्दौला ने जब स्निको पर इस कैच को चेक किया तो कोई भी डिफलेक्शन नहीं दिख रहा था,लेकिन नॉर्मल वीडियो में दिख रहा था कि गेंद यशस्वी के ग्लब्स के पास से डिफलेक्ट हो रही थी। तीसरे अंपायर ने नॉर्मल वीडियो के डिफलेक्शन पर

भरोसा किया और स्निको को नकारते हुए आउट का फैसला दिया। इसके बाद कमेंट्री कर रहे गावस्कर ने कहा, यह फैसला पूरी तरह से गलत है। तीसरे अंपायर को पूरी तरह से साक्ष्य जुटाते हुए निर्णय देना चाहिये था। मैदानी अंपायर ने हालांकि आस्ट्रेलिया की अपील का नकार दिया था। तीसरे अंपायर को आधुनिक तकनीकी का उपयोग करते हुए अपना निर्णय देना चाहिये था। ऐसे में आप तकनीक का प्रयोग क्यों ही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वीडियो में जो दिख रहा है, वह भ्रम हो सकता है।वहीं शास्त्री ने कहा, बहुत कम बार ऐसा फैसला होता है, जहां पर स्निको में कुछ नहीं दिखता और आप मैदानी अंपायर के नॉट आउट के फैसले को बदल कर आउट करार देते हैं। आज ऐसा लग रहा है कि स्निको ऑस्ट्रेलिया का छठा गेंदबाज है। मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इस विवाद का पटाक्षेप करते हुए कहा, ÷मुझे नहीं पता कि मैं इस पर क्या कहूं क्योंकि तकनीक तौर पर (स्निकोमीटर) तो कुछ नहीं दिखा रहा था, लेकिन खुली आंखों से लगा कि गेंद कुछ तो छूकर गया है।

मुझे नहीं पता कि अंपायर तकनीक का कैसे उपयोग करना चाहते हैं, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो गेंद जायसवाल के बल्ले से छूती हुई निकली थी। हालांकि कोई भी तकनीक शतप्रतिशत सही नहीं होती और ऐसा हुआ है कि हम दुर्भाग्यशाली रहे हैं और यहां नहीं भारत में भी ऐसे कई फैसले हमारे खिलाफ गए हैं।

एसी मिलान के नए मुख्य कोच नियुक्त हुए कोन्सेइकाओ

एजेंसी

रोम। इतालवी सीरी ए क्लब एसी मिलान ने सर्जियो कोन्सेइकाओ को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह नियुक्ति उनके पुर्तगाली हमवतन पाउलो फोंसेका के पद छोड़ने के कुछ घंटों बाद की गई है। रोमा के पूर्व कोच फोंसेका ने इस ग्रीष्मकाल में क्लब के कोच का पद संभाला था, लेकिन उनकी टीम की असंगतता के लिए आलोचना की गई थी, क्योंकि एसी मिलान एक मैच शेष रहते लीग में केवल आठवें स्थान पर है, जबकि सात बार के चैम्पियंस लीग विजेता ने यूरोपीय शीर्ष अभियान की शुरुआत लगातार दो हार के साथ की थी, लेकिन अब वह लगातार चार जीत के साथ लय में है। इटली के कुछ आउटलेट्स के अनुसार, क्लब ने रविवार को रोमा के साथ एसी मिलान के सीरी ए गेम के शुरू होने से पहले ही यह निर्णय ले लिया था, जो अंततः 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। कोन्सेइकाओ ने पोर्टो की बेंच पर सात सीज़न के साथ अपना कोचिंग स्पेल शुरू करने से पहले, एक पेशेवर के रूप में लाज़ियो और इंटर मिलान के लिए खेला था। 50 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने नए क्लब के साथ जून 2026

तक का करार किया है और वह शुक्रवार को जुवेंटस के साथ सुपरकोपा इटालियाना के सेमीफाइनल में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। दिलचस्प बात यह है कि कोन्सेइकाओ के बेटे फ्रांसिस्को बियानकोनेरी की टीम में हैं।

भारत ने फीफा महिला मैत्री मैच में मालदीव को 14-0 से हराया

एजेंसी

बेंगलुरु। भारत फीफा महिला मैत्री मैच में मालदीव को 14-0 से हराकर साल का शानदार समापन किया।पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में खेले गये मैच में आज भारतीय महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। भारतीय टीम ने हॉफ टाइम तक आठ गोल दागकर 8-0 की बढ़त बनाई थी। भारत के नवनियुक्त स्वीडिश कोच जोआकिम एलेक्जेंडरसन ने इस टीम में आठ खिलाड़ियों को पदार्पण का मौका दिया। जिनमें से तीन ने आक्रमण में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के आठ गोल किए। अनुभवी खिलाड़ी प्यारी जॉक्सा और नवोदित लिंडा कॉम सेर्टो ने क्रमशः तीन और चार गोल करके हैट्रिक बनाई, जबकि नेहा और काजोल डिसूजा (दो-दो), संगीता बासफोर, सोरोखैबम रंजना चानू और रिम्पा हलधर ने एक-एक गोल किया। दूसरे हॉफ में भारत ने छह गोल किये। दूसरे हॉफ में खेल फिर से शुरू होने के छह

मिनट के भीतर ही संगीता बासफोर ने नौवां गोल किया। डिफेंडर रंजना चानू ने 54वें मिनट में, काजोल डिसूजा, जिन्हें एक विकल्प के रूप में शामिल किया गया था ने (59वें और 66वें मिनट में) शानदार गोल किए। विकल्प रिम्पा हलदर ने 62वें मिनट में डिसूजा के स्ट्राइक के बीच अपना पहला गोल किया। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अब तक की सबसे बड़ी जीत में से एक थी। इससे पहले 2010 में भारत ने बंगलादेश में सैफ चैंपियनशिप में भूटान को 18-0 से हराया था।भारत इसी मैदान पर अपना दूसरा मैच दो जनवरी 2025 को खेलेगा।

अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच टेस्ट मैच ड्रा

एजेंसी

बुलावायो। अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच खेला गया पहला टेस्ट मैच दोनों टीमों के ऐतिहासिक रिकार्डो के साथ ड्रा हो गया। आज यहां अफगानिस्तान ने कल के तीन विकेट पर 515 रनों के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। अफगानिस्तान का चौथा विकेट 639 के स्कोर पर अफसर जजाई (113) के रूप में गिरा।

इस दौरान कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी ने भी अपना पहला दोहरा शतक पूरा किया। शहीदी ने 474 गेंदों में 21 चौके लगाते हुये (246) रन बनाये। उन्हें ब्रायन बेनेट ने आउट किया। शाहीदुल्लाह (29) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद अफगानिस्तान की पूरी टीम ताश के पत्तो की तरह ढ़ह गई। अफगानिस्तान ने 197 ओवरो में जिम्बाब्वे के खिलाफ 699 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर 113 रनों की बढ़त हासिल की।जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट ने पांच विकेट लिये। शान विलियम को दो विकेट मिले। ब्लेसिंग

मुजारबानी, ट्रेवर ग्वांडु और न्यूमैन न्यामुरी ने एक-एक विकेट लिया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे ने 34 ओवर में बेन करन (41), जॉयलॉर्ड गंबी (24), शॉन विलियम्स (नाबाद 35) और क्रेग एर्विन (नाबाद 22) के योगदान से चार विकेट पर 142 रन बनाये।अफगानिस्तान की ओर से जहीर खान ने दो और ए एम गजनफर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। जिम्बाब्वे ने पहली पारी में शॉन विलियम्स (154), कप्तान क्रेग एर्विन (104) और ब्रायन बेनेट (नाबाद 110) रनों की पारी के दम पर 586 रनों का रिकार्ड स्कोर बनाया था।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 45 रनों से हराया

एजेंसी

माउंट मॉन्गानुई। मिचेल हे (नाबाद 41), मार्क चैपमैन (42) और टिम रॉबिंसन (41) की आतिशी पारियों के बाद जेकब डफी (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने दूसरे टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 45 रनों से हरा दिया हैं। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली हैं। मिचेल हे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। न्यूजीलैंड के 186 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका के लिए पथुम निसंका और कुसल मेंडिस की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 32 रन जोड़े। पांचवें ओवर में मिचेल सैंटनर ने कुसल मेंडिस (10) को आउट कर श्रीलंका को पहला झटका दिया। इसके बाद 10वें ओवर में जेकब डफी ने पथुम निसंका को आउट कर पवेलियन भेज दिया। पथुम निसंका

ने 28 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (37) रन बनाये। 12वें ओवर में कामिंडु मेंडिस (10) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद श्रीलंका ने मात्र 14 रन जोड़कर अपने सात विकेट गवां दिये। 16वें ओवर में जेकब डफी ने कुसल परेरा को आउट कर श्रीलंका को चौथा झटका दिया। कुसल परेरा ने 35 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (48) रनों की पारी खेली। वानिंदु हसरंगा (एक), महीश तीक्षणा (शून्य) को डफी ने आउट किया। चरित असलंका 16 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुये। अविष्का फर्नांडो (पांच) और मतीशा पतिराना (शून्य) को मैट हेनरी ने आउट किया। जैकरी फॉक्स ने 20वें ओवर में बिनुरा फर्नांडो (तीन) को आउट श्रीलंका की पारी का अंत कर दिया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे श्रीलंका की पूरी टीम 19.1 ओवर में 141 रन पर ढ़ेर हो गई।न्यूजीलैंड की ओर से जेकब डफी ने चार ओवरों में 15 रन देकर चार विकेट लिये। मैट हेनरी और मिचेल सैंटनर ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। माइकल ब्रेसवेल और जैकरी फॉक्स को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में रचिन रविंद्र (एक) का विकेट गवां दिया। उन्हें नुवान तुषारा ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्क चैपमैन ने टिम रॉबिंसन के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की। 10वें ओवर में वानिंदु हसरंगा ने टिम रॉबिंसन को बोल्ड कर श्रीलंका को दूसरी सफलता दिलाई। टिम रॉबिंसन ने 34 गेंदों में तीन चौके ओर दो छक्के लगाते हुए (41) रन बनाये। इसके बाद हसरंगा ने मार्क चैपमैन को के मेंडिस के हाथों स्टंप आउट करा दिया।

जम्मू कश्मीर के उमर अहमद की नजरें विश्व कप में खो खो का गौरव बढ़ाने पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अभ्यास एक आदमी को परिपूर्ण बनाता है यह आदर्श वाक्य ही जम्मू-कश्मीर के युवा खिलाड़ी उमर अहमद राथर के जीवन का आधार है। बड़गाम निवासी उमर छठी कक्षा से खो खो खेल रहा है और अब आगामी खो खो विश्व कप के लिए भारतीय पुरुष टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहा है। बर्फीले मौसम की स्थिति सहित सभी बाधाओं के बावजूद उमर अपने प्रशिक्षण दिनचर्या का बहुत ही ईमानदारी से पालन करता है। उमर अहमद का कहना है कि मैं विश्व कप के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। यह हम सभी के लिए एक शानदार अवसर है और हमारा लक्ष्य देश के लिए स्वर्ण पदक हासिल करना है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है कि भारत में खो खो विश्व कप होगा खेल को वैश्विक पहचान दिलाना गर्व की बात है कि इस आयोजन में 20 से अधिक देश भाग लेंगे। उमर एक साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और अन्य लोगों की तरह, वित्तीय स्थिरता जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ी के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, लेकिन वह अपने सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं और मेरे पिता मजदूरी करते हैं। कठिनाइयों के बावजूद, मेरा अंतिम लक्ष्य विश्व कप में देश का प्रतिनिधित्व करना है और यही मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता हैउमर राज्य के खिलाड़ियों को पेशेवर रूप से सपने देखने में मदद करने के लिए खो खो एसोसिएशन ऑफ जम्मू एंड कश्मीर और खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के आभारी हैं। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में हमारा समर्थन करने और हमें पेशेवर रूप से खो खो खेलने के लिए एक मंच देने के लिए जम्मू-कश्मीर खो खो एसोसिएशन और भारतीय खो खो महासंघ का आभारी हूं।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 184 रनों से हराकर सीरीज में 2-1 से अपराजेय बनाई बढ़त

एजेंसी

मेलबर्न। कप्तान पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड (तीन-तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत को चौथे टेस्ट मैच के आखिरी दिन 184 रनों से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से अपराजेय बढ़त बना ली। भारत चायकाल तक तीन विकेट पर 112 रन बनाकर अच्छी स्थिति में था। यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत की जोड़ी एक बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रही थी तभी 59वें ओवर में ट्रेविस हैड ने पंत को मार्श के हाथों कैच आउट करा भारत को चौथा झटका दे दिया। पंत ने 30 रन बनाए। इसके बाद विकेटों की झड़ी लग गयी। 63वें ओवर में रविन्द्र जडेजा (दो) को बोलैंड ने कैरी के हाथों कैच आउट करा ऑस्ट्रेलिया को पांचवी सफलता दिलाई। सातवें विकेट के रुप में यशस्वी जायसवाल (84) के आउट होने के बाद मैच भारत के हाथों पूरी तरह से निकल चुका था। भारत की ओर से मात्र दो बल्लेबाज

यशस्वी जायसवाल (84) और ऋषभ पंत (30) दहाई संख्या में पहुंच सके जबकि 12 रन अतिरिक्त मिले। कप्तान रोहित शर्मा (नौ) और केएल राहुल (शून्य) एवं विराट कोहली 05 रन बनाकर आउट हुए। पहली पारी में शतक बनाने वाले नीतीश रेड्डी दूसरी पारी में मात्र एक रन बना पाए। अन्य बल्लेबाजों में रविन्द्र जडेजा (दो) आकाश दीप (सात) कप्तान जसप्रीत बुमराह (शून्य) मोहम्मद सिराज (शून्य) पर आउट हुए वहीं वाशिंगटन सुंदर (पांच) रनों पर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे भारतीय टीम 79.1 ओवर में 155 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने 12 साल बाद भारत से बॉक्सिंग डे टेस्ट जीता है। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया की डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बढ़ गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान पैट कमिंस, स्कॉट बोलैंड ने तीन-तीन, नेथन लायन ने दो, मिचेल स्टार्क, ट्रेविस हैड ने एक-एक विकेट लिया। पहली पारी में 49 रन एवं तीन विकेट तथा दूसरी पारी में तीन विकेटों के साथ 41 रनों का योगदान देने वाले पैट कमिंस को 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

लिवरपूल के साथ नए अनुबंध से दूर हैं मोहम्मद सलाह

एजेंसी

लंदन। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सलाह का कहना है कि वह अपनी टीम को प्रीमियर लीग का खिताब जीतने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन मानते हैं कि वह अभी भी एक नया अनुबंध करने से दूर हैं। मिस्र के इस खिलाड़ी ने सीजन का अपना 20वां गोल किया और रविवार को वेस्ट हैम के खिलाफ लिवरपूल की 5-0 की जीत में कोडी गाकपो को दूसरा गोल करने में मदद की, जिससे वे अंक तालिका में शीर्ष पर आठ अंकों की बढ़त बना सके। हालांकि, जून के अंत में उनका अनुबंध समाप्त होने वाला है, लेकिन सलाह ने अभी तक एक नए अनुबंध के लिए सहमति नहीं दी है और जब खेल के बाद टीवी साक्षात्कार में उनके भविष्य के बारे में पूछा गया, तो मिस्र के फॉरवर्ड ने स्वीकार किया कि वह और क्लब अभी भी उससे बहुत दूर हैं। सलाह ने कहा, मैं मीडिया में कुछ भी नहीं बताना चाहता...मेरे दिमाग में बस यही बात है कि मैं चाहता हूं कि लिवरपूल लीग जीते और मैं उसका हिस्सा बनना चाहता हूं। मैं टीम को ट्रॉफी जिताने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। कुछ अन्य टीमें भी हमसे आगे निकल रही हैं और हमें अपना ध्यान केंद्रित रखना होगा और विनम्र होकर फिर से आगे बढ़ना होगा। सलाह अच्छी फॉर्म मे हैं, क्योंकि लिवरपूल ने अपना शानदार सीजन जारी रखा और रविवार को वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ 5-0 की जीत के साथ प्रीमियर लीग के शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत की।

दिग्गज भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री ने दो दशक के शानदार करियर के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को कहा अलविदा

पुणे।

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल के ध्वजवाहक सुनील छेत्री ने 2024 में अपने संन्यास की घोषणा की और दो दशकों से अधिक लंबे करियर को अलविदा कह दिया। भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखने वाले एक विनम्र लड़के से लेकर देश के सर्वकालिक सर्वोच्च स्कोरर और इसके सबसे सम्मानित फुटबॉल आइकन में से एक बनने तक, छेत्री की सर्वव्यापी सफलता वास्तव में उल्लेखनीय है। छेत्री ने 2002 में मोहन बागान के लिए अपना पेशेवर पदार्पण किया, जहाँ वे 2005 तक खेले और 18 मैचों में आठ गोल किए। हालाँकि शुरुआती साल चुनौतीपूर्ण थे, लेकिन उनकी प्रतिभा ने जल्द ही भारत भर के बड़े क्लबों का ध्यान आकर्षित किया। पिछले कुछ सालों में, छेत्री ने जेसीटी (2005-08), ईस्ट बंगाल (2008-09), डेम्पो एफसी (2009-10), चिराग यूनाइटेड (2011), मोहन बागान (2011-12), चर्चिल ब्रदर्स (2013 लोन पर), बेंगलुरु एफसी (2013-15, 2016-वर्तमान) के लिए खेला और भारतीय क्लब फ़ुटबॉल में एक घरेलू नाम बन गए।उनकी अंतरराष्ट्रीय यात्रा 2005 में शुरू हुई, जब उन्होंने भारत के लिए पदार्पण किया और अपना पहला गोल किया। छेत्री का करियर 2008 एएफसी चैलेंज कप में एक उच्च बिंदु पर पहुंच गया, जहां ताजिकिस्तान के खिलाफ उनकी हैट्रिक ने 2011 एएफसी एशियाई कप के लिए भारत की योग्यता सुनिश्चित की। छेत्री ने विदेश में भी काम किया, 2010 में यूएसए के मेजर लीग सॉकर क्लब कैनसस सिटी विजार्ड्स और 2012-13 में पुर्तगाली क्लब स्पोर्टिंग सीपी के लिए खेला। इन अनुभवों ने उनके खेल को निखारने में मदद की और उन्हें अधिक बहुमुखी स्ट्राइकर बनाया। भारतीय राष्ट्रीय टीम के कप्तान के रूप में, छेत्री के नेतृत्व कौशल ने खूब चमक बिखेरी। उनकी कप्तानी में, भारत ने वह अनुभव किया जिसे अब देश में आधुनिक फुटबॉल का स्वर्ण युग माना जाता है, जिसमें कई सैफ चैंपियनशिप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीते गए। उनके निर्णायक क्षणों में से एक 2018 इंटरकॉन्टिनेंटल कप के दौरान आया, जहाँ उन्होंने सोशल मीडिया का उपयोग करके अधिक से अधिक प्रशंसकों का समर्थन प्राप्त करने की अपील की, सफलतापूर्वक हज़ारों लोगों को स्टेडियम में लाया और भारतीय फुटबॉल में रुचि बढ़ाई।

आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला क्रिकेटर की सूची में बुमराह और मंधाना

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की जारी वर्ष 2024 के लिए विभिन्न प्रारुपों में सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला क्रिकेटर की सूची में भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तथा श्रीलंका की चमारी अट्टापट्टू,दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वूलफार्ट और स्मृति मंधाना के नाम भी शामिल है। आईसीसी की आज यहां विभन्न प्रारुपों के लिए जारी सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों की सूची में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को चयन किया गया है। बुमराह ने जून में भारत को टी-20 विश?वकप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' से नवाजा गया था। उन्होंने उस टूर्नामेंट में 8.24 की बेहतरीन औसत से 15 विकेट लिए थे। बुमराह ने 2024 में टेस्ट में 14.92 की औसत से 71 विकेट लिए हैं, जिसमें उन्होंने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफि बेहतरीन गेंदबाजी की और वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर बने और भारत के आक्रमण में तेजी लाये। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक के लिए भी यह साल बेहतरीन गया है। उन्होंने तीनों प्रारूपों में 50 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। इसके अलावा उनके साथी जो रूट को भी इस सूची में जगह मिली है, जिसमें उन्होंने 1556 टेस्ट रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक शामिल हैं। ब्रूक ने टेस्ट में 55 की औसत से 1100 रन बनाए, जिसमें चार शतक शामिल थे। इसमें मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ लगाया यादगार तिहरा शतक भी शामिल है। उन्होंने उस मैच

में जो रूट के साथ 454 रनों की साझेदारी की थी। रूट भी इस सूची में शामिल हैं, जो हाल ही में इंग्लैंड के टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हैं। इस सूची में आखिरी नाम ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ट्रैविस हेड का है। जिन्होंने टी-20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान पाया, जहां पर उन्होंने तीनों प्रारूपों में 1400 रन बनाए हैं। साल की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर सूची में श्रीलंका की चमारी अट्टापट्टू और दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वूलफार्ट को इस सूची में जगह मिली है। श्रीलंका की कप्तान अट्टापट्टू ने इस साल सभी प्रारूपों में 1100 रन बनाए हैं और 30 विकेट लिए हैं। जिसमें उन्होंने अपनी टीम को घरेलू दर्शकों के आगे पहला एशिया कप खिताब भी जिताया महिला एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर विराजमान वूलफार्ट के लिए 2024 शानदार रहा, जहां उन्होंने तीनों प्रारूपों में 1500 रन बनाए और उन्होंने अपनी टीम को लगातार दूसरी बार महिला टी-20 विश्वकप फाइनल में जगह दिलवाई। दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराने में न्यूजीलैंड की अमेलिया केर ने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 651 रन और 43 विकेट बनाए, साथ ही महिला टी-20 विश्व कप में प्लेयर ऑफा द टूर्नामेंट भी बनी। इस सूची में आखिरी नाम ऑस्ट्रेलिया की 23 वर्षीय ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड का है। जिन्होंने फरवरी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला टेस्ट का सबसे तेज दोहरा शतक बनाया। साथ ही साल के अंत में उन्होंने भारत और न्यूजीलैंड को शिकस्त देने में भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पूरे साल 615 रन और 37 विकेट लिए। श्रीलंका के कमिंदु मेंडिस को भी इस सूची में जगह मिली है, जहां पर उन्होंने 74.92 की औसत से 1049 रन बनाए। इस बीच वह अपने पहले आठ टेस्ट में सभी में अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज़ बने। साथ ही 1000 टेस्ट रन बनाने के मामले में उन्होंने 75 साल के रिकॉर्ड को भी तोड़ा।

नव उत्साह और नवजीवन का संदेश देता नववर्ष

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पत्तों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

नववर्ष यानी वर्ष का पहला दिन 1 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन के साथ दुनिया के ज्यादातर लोग अपने नए साल की शुरुआत करते हैं। नए का आत्मबोध हमारे अंदर नया उत्साह भरता है और नए तरीक़े से जीवन जीने का संदेश देता है। हालांकि ये उल्लास, ये उत्साह दुनिया के अलग-अलग कोने में अलग-अलग दिन मनाया जाता है क्योंकि दुनिया भर में कई कैलेंडर हैं और हर कैलेंडर का नया साल अलग-अलग होता है। एक अनुमान के अनुसार अकेले भारत में ही क़रीब 50 कैलेंडर (पंचांग) हैं और इनमें से कई का नया साल अलग दिनों पर होता है।

1 जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष दरअसल ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है। इसकी शुरुआत रोमन कैलेंडर से हुई है। पारंपरिक रोमन कैलेंडर का नववर्ष 1 मार्च से शुरू होता है। प्रसिद्ध रोमन सम्राट जूलियस सीज़र ने 47 ईसा पूर्व में इस कैलेंडर में परिवर्तन किया और इसमें जुलाई माह जोड़ा। इसके बाद उसके भतीजे के नाम के आधार पर इसमें अगस्त माह जोड़ा गया। दुनिया भर में आज जो कैलेंडर प्रचलित है, उसे पोप ग्रेगोरी अष्टम ने 1582 में तैयार किया था। ग्रेगोरी ने इसमें लीप ईयर का प्रावधान किया था। ईसाइयों का एक अन्य पंथ ईस्टर्न आर्थोडॉक्स चर्च तथा इसके अनुयायी ग्रेगोरियन कैलेंडर को मान्यता न देकर पारंपरिक रोमन कैलेंडर को ही मानते हैं। इस कैलेंडर के अनुसार नया साल 14 जनवरी को मनाया जाता है। इस कैलेंडर की मान्यता के अनुसार जॉर्जिया, रूस, यरूशलम, सर्बिया आदि में 14 जनवरी को नववर्ष मनाया जाता है।

भारत में नववर्ष

भारत कैलेंडरों के मामले में कम समृद्ध नहीं है। इस समय देश में विक्रम संवत, शक संवत, हिजरी संवत, फसली संवत, बांग्ला संवत, बौद्ध संवत, जैन संवत, खालसा संवत, तमिल संवत, मलयालम संवत, तेलुगु संवत आदि अनेक प्रचलित हैं। इनमें से हर एक के अपने अलग-अलग नववर्ष होते हैं। देश में सर्वाधिक प्रचलित संवत विक्रम और शक संवत है। माना जाता है कि विक्रम संवत गुप्त सम्राट विक्रमादित्य ने उज्जयनी में शकों को पराजित करने की याद में शुरू किया था। यह संवत 58 ईसा पूर्व शुरू हुआ था। विक्रम संवत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है।

नववर्ष की शुभकामनाएँ

इसी समय चैत्र नवरात्र प्रारंभ होता है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन उत्तर भारत के अलावा गुड़ी पड़वा और उगादी के रूप में भारत के विभिन्न हिस्सों में नव वर्ष मनाया जाता है। सिंधी लोग इसी दिन चेटी चंद्र के रूप में नववर्ष मनाते हैं। शक सवंत को शालीवाहन शक संवत के रूप में भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे शक सम्राट कनिष्क ने 78 ई. में शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने इसी शक संवत में मामूली फेरबदल करते हुए इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में अपना लिया। राष्ट्रीय संवत का नव वर्ष 22 मार्च को होता है जबकि लीप ईयर में यह 21 मार्च होता है। चैत्र शुक्ला प्रतिपदा को विक्रमीय संवत की दृष्टि से नववर्ष मनाया जाता है। ब्रज में इस दिन नीम की पती और मिश्री खाने की परम्परा है ।

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार

इस्लाम धर्म के कैलेंडर को हिजरी साल के नाम से जाना जाता है। इसका नववर्ष मोहर्रम माह के पहले दिन होता है। हिजरी कैलेंडर कर्बला की लड़ाई के पहले ही निर्धारित कर लिया गया था। मोहर्रम के दसवें दिन को आशूरा के रूप में जाना जाता है। इसी दिन पैगम्बर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन बगदाद के निकट कर्बला में शहीद हुए थे। हिजरी कैलेंडर के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि इसमें चंद्रमा की घटती - बढ़ती चाल के अनुसार दिनों का संयोजन नहीं किया गया है। लिहाजा इसके महीने हर साल क़रीब 10 दिन पीछे खिसकते रहते हैं।

अन्य देशों में नववर्ष

यदि भारत के पड़ोसी देश और देश की पुरानी सभ्यताओं में से एक चीन में भी अपना एक अलग कैलेंडर है। तक़रीबन सभी पुरानी सभ्यताओं के अनुसार चीन का कैलेंडर भी चंद्रमा गणना पर आधारित है। इसका नया साल 21 जनवरी से 21 फरवरी के बीच पड़ता है। चीनी वर्ष के नाम 12 जानवरों के नाम पर रखे गए हैं। चीनी ज्योतिष में लोगों की राशियाँ भी 12 जानवरों के नाम पर होती हैं। लिहाजा यदि किसी की बंदर राशि है और नया वर्ष भी बंदर आ रहा हो तो वह साल उस व्यक्ति के लिए विशेष तौर पर भाग्यशाली माना जाता है। 1 जनवरी को अब नये साल के जश्न के रुप में मनाया जाता है। एक-दूसरे की देखा-देखी यह जश्न मनाने वाले शायद ही जानते हों कि दुनिया भर में पूरे 70 नववर्ष मनाए जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि आज भी पूरी दुनिया कैलेण्डर प्रणाली पर एकमत नहीं है। इक्कीसवीं शताब्दी के वैज्ञानिक युग में इंसान अन्तरिक्ष में जा पहुँचा है, मगर कहीं सूर्य पर आधारित, कहीं चन्द्रमा पर आधारित तो कहीं सूर्य, चन्द्रमा और तारों की चाल पर धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दुनिया में विभिन्न कैलेण्डर प्रणालियाँ लागू हैं। यही वजह है कि अकेले भारत में पूरे साल तीस अलग-अलग नव वर्ष मनाए जाते हैं। दुनिया में सर्वाधिक प्रचलित कैलेण्डर 'ग्रेगोरियन कैलेण्डर' है। जिसे पोप ग्रेगरी तेरह ने 24 फरवरी, 1582 को लागू किया था। यह कैलेण्डर 15 अक्तूबर, 1582 में शुरू हुआ। इसमें अनेक त्रुटियाँ होने के बावजूद भी कई प्राचीन कैलेण्डरों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आज भी मान्यता मिली हुई है।

अनेकता में एकता का नववर्ष

हमारा देश अनेकता में एकता की परंपरा को सहेज रहा है। यहां हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, जैन, पारसी के साथ अनेक धर्म और समुदायों के लोग अपनी-अपनी संस्कृति को निभाते हुए नया साल मनाते हैं। इन सबके अपने अलग-अलग त्योहार और रीति-रिवाज हैं। जिस प्रकार सभी समुदायों के कुछ विशेष पर्व हैं जिन्हें सभी एक साथ मिलकर मनाते हैं। उसी प्रकार प्रत्येक समुदाय के नए वर्ष भी अलग-अलग हैं और सभी एक-दूसरे के पर्वों का सम्मान करते हैं। अन्य पर्वों की तरह हर समुदाय के नववर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

चैत्र प्रतिपदा

हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ हिन्दी पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है। इसी दिन से वासंतेय नवरात्र का भी प्रारंभ होता है। हिन्दू नववर्ष का पंचांग विक्रम संवत से माना जाता है। एक साल में बारह महीने और सात दिन का सप्ताह विक्रम संवत से ही प्रारंभ हुआ है।

हिजरी सन

मुस्लिम समुदाय में नया वर्ष मोहर्रम की पहली तारीख से मनाया जाता है। मुस्लिम पंचांग की गणना चांद के अनुसार होती है। हिजरी सन के नाम से जाना जाने वाला मुस्लिम नववर्ष अभी-अभी शुरू हुआ है।

ओणम

मलयाली समाज में नया वर्ष ओणम से मनाया जाता है। इस दिन प्रतिवर्ष विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन किए जाते हैं। ओणम मलयाली माह छिंगम यानी अगस्त और सितंबर के मध्य मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन राजा बली अपनी प्रजा से मिलने धरती पर आते हैं। राजा बली के स्वागत के लिए घरों में फूलों की रंगोली सजाई जाती है और स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं।

सूर्य देव को अर्पित होता है प्रसाद

तमिल नववर्ष पोंगल से प्रारंभ होता है। पोंगल से ही तमिल माह की पहली तारीख मानी गई है। पोंगल प्रतिवर्ष 14-15 जनवरी को मनाया जाने वाला बड़ा त्योहार है। पोंगल में सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है उसे पोंगल कहते हैं। चार दिनों का यह त्योहार भी नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है।

महाराष्ट्रीयन समाज का नववर्ष

महाराष्ट्रीयन परिवारों में चैत्र माह की प्रतिपदा को ही नववर्ष की शुरुआत होना माना जाता है। इस दिन बांस में नई साड़ी पहनाकर उस पर तांबे या पीतल के लोटे को रखकर गुड़ी बनाई जाती है और उसकी पूजा की जाती है। गुड़ी को घरों के बाहर लगाया जाता है और सुख संपन्नता की कामना की जाती है।

नववर्ष बैसाखी

गीत-संगीत की अनोखी परंपरा और खुशदिल लोगों से सजी है पंजाबियों की संस्कृति। पंजाबी समुदाय अपना नववर्ष बैसाखी में मनाते हैं। यह त्योहार नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है। बैसाखी के अवसर पर नए कपड़े पहने जाने के साथ ही भांगड़ा और गिद्दा करके खुशियां मनाई जाती हैं। बैसाखी प्रतिवर्ष 13-14 अप्रैल को मनाई जाती है।

नवरोज का प्रारंभ

पारसियों द्वारा मनाए जाने वाले नववर्ष नवरोज का प्रारंभ तीन हजार साल पहले हुआ। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन फारस के राजा जमजेद ने सिंहासन ग्रहण किया था। उसी दिन से इसे नवरोज कहा जाने लगा। राजा जमशेद ने ही पारसी कैलेंडर की स्थापना की थी। नवरोज को जमशेदी नवरोज भी कहा जाता है। यह 19 अगस्त को मनाया जाता है।

दीपावली है नया साल

जैन समुदाय का नया साल दीपावली के दिन से माना जाता है। इसे वीर निर्वाण संवत कहा जाता है।

परीवा से नया साल

सभी समुदायों की तरह गुजराती बंधुओं का नववर्ष भी दीपावली के दूसरे दिन पड़ने वाली परीवा के दिन खुशी के साथ मनाया जाता है। गुजराती पंचांग भी विक्रम संवत पर आधारित है। इस दिन तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं और एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दी जाती हैं।

बंगाली समुदाय का नया वर्ष

अपनी विशेष संस्कृति से जाने-पहचाने जाने वाले बंग समुदाय का नया वर्ष बैसाख की पहली तिथि को मनाया जाता है। यह पर्व नई फसल की कटाई और नया बही-खाता प्रारंभ करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। एक ओर व्यापारी लोग जहां नया बही-खाता बंगाली में कहें तो हाल-खाता करते हैं तो दूसरी तरफ अन्य लोग नई फसल के आने की खुशियां मनाते हैं। इस दिन कई सांस्कृतिक आयोजन होते हैं और मिठाइयां बांटी जाती हैं।

सभी कहते हैं नया वर्ष मुबारक हो

सभी समुदायों के साथ ही एक ऐसा नया साल है जिसे सभी वर्गों, समुदायों द्वारा मान लिया गया है। वह है अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार मनाया जाने वाला नया साल। जिसकी शुरुआत जनवरी में होती है। जनवरी में नए वर्ष का प्रारंभ हो गया है। आजकल इसी पंचांग को सर्वमान्य रूप से नए वर्ष की शुरुआत मान लिया गया है। सारे सरकारी कार्य और लेखा-जोखा इसी के अनुसार संचालित किए जाते हैं।

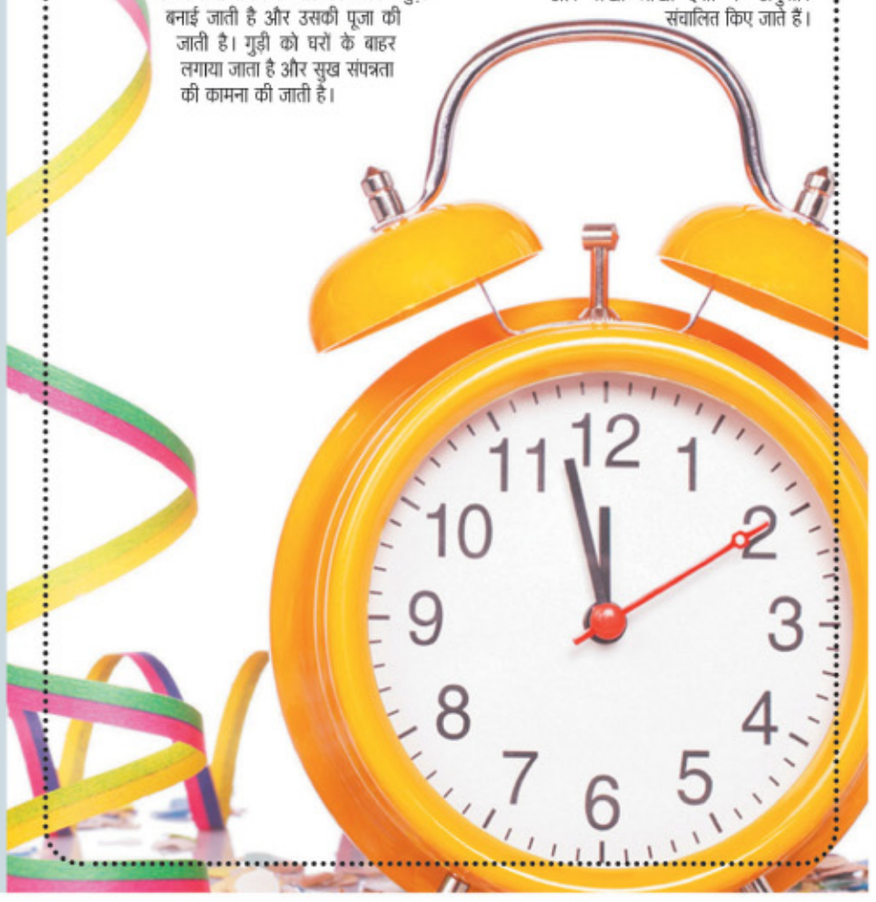

नये साल के लिए एक जनवरी ही क्यों!

एक जनवरी के नजदीक आते ही जगह-जगह हैप्पी न्यू ईयर के बैनर व होर्डिंग लगने लगते हैं। जश्न मनाने की तैयारियां प्रारम्भ हो जाती हैं। होटल, रेस्तरॉं, व पब इत्यादि अपने-अपने ढंग से इसके आगमन की तैयारियां करने लगते हैं। पोस्टर व कार्डों की भरमार के साथ दारू की दुकानों की भी चांदी कटने लगती है। कहीं कहीं तो जाम से जाम इतने टकराते हैं कि घटनाऐं दुर्घटनाओं में बदल जाती हैं और मनुष्य- मनुष्यों से तथा गाड़ियां गाड़ियों से भिडने लगते हैं। रात-रात भर जाग कर नया साल मनाने से ऐसा प्रतीत होता है मानो सारी खुशियां एक साथ आज ही मिल जायेंगी। हम भारतीय भी पश्चिमी अंधानुकरण में इतने सराबोर हो जाते हैं कि उचित अनुचित का बोध त्याग अपनी सभी सांस्कृतिक मर्यादाओं को तिलांजलि दे बैठते हैं। पता ही नहीं लगता कि कौन अपना है और कौन पराया।

जनवरी से प्रारम्भ होने वाली काल गणना को हम ईस्वी सन् के नाम से जानते हैं जिसका सम्बन्ध ईसाई जगत् व ईसा मसीह से है। इसे रोम के सम्राट जूलियस सीजर द्वारा ईसा के जन्म के तीन वर्ष बाद प्रचलन में लाया गया। भारत में ईस्वी सम्वत् का प्रचलन अग्रेंजी शासकों ने 1752 में किया। अधिकाश राष्ट्रों के ईसाई होने और अग्रेंजों के विश्वव्यापी प्रभुत्व के कारण ही इसे विश्व के अनेक देशों ने अपनाया। 1752 से पहले ईस्वी सन् 25 मार्च से प्रारम्भ होता था किन्तु 18वीं सदी से इसकी शुरूआत एक जनवरी से होने लगी। ईस्वी कलेण्डर के महीनों के नामों में प्रथम छः माह यानि जनवरी से जून रोमन देवताओं (जोनस, मार्स व मया इत्यादि) के नाम पर हैं। जुलाई और अगस्त रोम के सम्राट जूलियस सीजर तथा उनके पौत्र आगस्टस के नाम पर तथा सितम्बर से दिसम्बर तक रोमन संवत् के मासों के आधार पर रखे गये। जुलाई और अगस्त, क्योंकि सम्राटों के नाम पर थे इसलिए, दोनों ही इकतीस दिनों के माने गये अन्यथा कोई भी दो मास 31 दिनों या लगातार बराबर दिनों की संख्या वाले नहीं हैं। ईसा से 753 वर्ष पहले रोम नगर की स्थापना के समय रोमन संवत् प्रारम्भ हुआ जिसके मात्र दस माह व 304 दिन होते थे। इसके 53 साल बाद वहां के सम्राट नूमा पाम्पीसियस ने जनवरी और फरवरी दो माह और जोड़कर इसे 355 दिनों का बना दिया। ईसा के जन्म से 46 वर्ष पहले जूलियस सीजन ने इसे 365 दिन का बना दिया। सन् 1582 ई. में पोप ग्रेगरी ने आदेश जारी किया कि इस मास के 04 अक्टूबर को इस वर्ष का 14 अक्टूबर समझा जाये। आखिर क्या आधार है इस काल गणना का? यह तो ग्रहों व नक्षत्रों की स्थिति पर आधारित होनी चाहिए।

जिस प्रकार ईस्वी सम्वत् का सम्बन्ध ईसा जगत से है उसी प्रकार हिजरी सम्वत् का सम्बन्ध मुस्लिम जगत और हजरत मुहम्मद साहब से है। किन्तु विक्रमी सम्वत् का सम्बन्ध किसी भी धर्म से न हो कर सारे विश्व की प्रकृति, खगोल सिद्धांत व ब्रह्माण्ड के ग्रहों व नक्षत्रों से है। इसलिए भारतीय काल गणना पंथ निरपेक्ष होने के साथ सृष्टि की रचना व राष्ट्र की गौरवशाली परम्पराओं को दर्शाती है। इतना ही नहीं, ब्रह्माण्ड के सबसे पुरातन ग्रंथ वेदों में भी इसका वर्णन है। नव संवत् यानि संवत्सरों का वर्णन यजुर्वेद के 27वें व 30वें अध्याय के मंत्र क्रमांक क्रमशः 45 व 15 में विस्तार से दिया गया है। विश्व में सौर मण्डल के ग्रहों व नक्षत्रों की चाल व निरन्तर बदलती उनकी स्थिति पर ही हमारे दिन, महीने, साल और उनके सूक्ष्मतम भाग आधारित होते हैं।

इसी वैज्ञानिक आधार के कारण ही पाश्चात्य देशों के अंधानुकरण के बावजूद, चाहे बच्चे के गर्भाधान की बात हो, जन्म की बात हो, नामकरण की बात हो, गृह प्रवेश या व्यापार प्रारम्भ करने की बात हो, सभी में हम एक कुशल पंडित के पास जाकर शुभ लग्न व मुहूर्त पूछते हैं। और तो और, देश के बड़े से बड़े राजनेता भी सत्तासीन होने के लिए सबसे पहले एक अच्छे मुहूर्त का इंतजार करते हैं जो कि विशुद्ध रूप से विक्रमी संवत् के पंचांग पर आधारित होता है। भारतीय मान्यतानुसार कोई भी काम यदि शुभ मुहूर्त में प्रारम्भ किया जाये तो उसकी सफलता में चार चांद लग जाते हैं। वैसे भी भारतीय संस्कृति श्रेष्ठता की उपासक है। जो प्रसंग समाज में हर्ष व उल्लास जगाते हुए एक सही दिशा प्रदान करते हैं उन सभी को हम उत्सव के रूप में मनाते हैं। राष्ट्र के स्वाभिमान व देश प्रेम को जगाने वाले अनेक प्रसंग चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से जुड़े हुए हैं। यह वह दिन है जिस दिन से भारतीय नव वर्ष प्रारम्भ होता है। आईये, इस दिन की महानता के प्रसंगों को देखते हैं -

ऐतिहासिक महत्व

- यह दिन सृष्टि रचना का पहला दिन है। इस दिन से एक अरब 97 करोड़ 39 लाख 49 हजार 109 वर्ष पूर्व इसी दिन के सूर्योदय से ब्रह्मा जी ने जगत की रचना प्रारंभ की।
- विक्रमी संवत का पहला दिन - उसी राजा के नाम पर संवत् प्रारंभ होता था जिसके राज्य में न कोई चोर हो, न अपराधी हो, और न ही कोई भिखारी हो। साथ ही राजा चक्रवर्ती सम्राट भी हो। सम्राट विक्रमादित्य ने 2067 वर्ष पहले इसी दिन राज्य स्थापित किया था।
- प्रभु श्री राम का राज्याभिषेक दिवस - प्रभु राम ने भी इसी दिन को लंका विजय के बाद अयोध्या में राज्याभिषेक के लिये चुना।
- नवरात्र स्थापना - शक्ति और भक्ति के नौ दिन अर्थात, नवरात्र स्थापना का पहला दिन यही है। प्रभु राम के जन्मदिन रामनवमी से पूर्व नौ दिन उत्सव मनाने का प्रथम दिन।
- गुरू अंगददेव प्रगटोत्सव - सिख परंपरा के द्वितीय गुरू का जन्म दिवस।
- आर्य समाज स्थापना दिवस - समाज को श्रेष्ठ (आर्य) मार्ग पर ले जाने हेतु स्वामी दयानंद सरस्वती ने इसी दिन को आर्य समाज स्थापना दिवस के रूप में चुना।
- संत झूलेलाल जन्म दिवस - सिंध प्रान्त के प्रसिद्ध समाज रक्षक वरूणावतार संत झूलेलाल इसी दिन प्रगट हुए।
- शालिवाहन संवत्सर का प्रारंभ दिवस -विक्रमादित्य की भांति शालिनवाहन ने हूणों को परास्त कर दक्षिण भारत में श्रेष्ठतम राज्य स्थापित करने हेतु यही दिन चुना।
- युगाब्द संवत्सर का प्रथम दिन - 5112 वर्ष पूर्व युधिष्ठिर का राज्यभिषेक भी इसी दिन हुआ।
- डा0 केशव राव बलीराम हैडगेवार जन्म दिवस - राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक थे।

प्राकृतिक महत्व

- वसंत ऋतु का आरंभ वर्ष प्रतिपदा से ही होता है जो उल्लास, उमंग, खुशी तथा चारों तरफ पुष्पों की सुगंधि से भरी होती है।
- फसल पकने का प्रारंभ यानि किसान की मेहनत का फल मिलने का भी यही समय होता है।
- नक्षत्र शुभ स्थिति में होते हैं अर्थात् किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के लिये यह शुभ मुहूर्त होता है।

क्या एक जनवरी के साथ ऐसा एक भी प्रसंग जुड़ा है जिससे राष्ट्र प्रेम जाग सके, स्वाभिमान जाग सके या श्रेष्ठ होने का भाव जाग सके। आइये! विदेशी को फेंक स्वदेशी अपनाऐं और गर्व के साथ भारतीय नव वर्ष यानि विक्रमी संवत् को ही मनायें तथा इसका अधिक से अधिक प्रचार करें।